RNI: UPHIN/2015/60902

डाक पंजीयन संख्या
एस.एस.पी.एल.डब्लू/एन पी.439/2015-2017

वर्ष : 9 अंक : 283
पृष्ठ : 8 मूल्य : 3 रुपया
लखनऊ, बुधवार, 07 फरवरी, 2024

राजधानी से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

www.theachivertimes.com

द अचीवर टाइम्स

एक नज़र

यूपीए के आर्थिक कुप्रबंधन पर केंद्र लाएगा श्वेत पत्र

नई दिल्ली। कांग्रेस नीत यूपीए सरकार के आर्थिक कुप्रबंधन पर मोदी सरकार श्वेत पत्र लाने जा रही है। संसद का सत्र भी इसी वजह से एक दिन के लिए बढ़ा दिया गया है। यूपीए सरकार के दौरान आर्थिक कुप्रबंधन पर श्वेत पत्र के माध्यम से भारत की आर्थिक बदहाली और अर्थव्यवस्था पर इसके नकारात्मक प्रभावों के बारे में विस्तार से बताया जाएगा। इसमें उस समय उठाए जा सकने वाले सकारात्मक कदमों के असर के बारे में भी बात की जाएगी। सूत्रों के हवाले से समाचार एजेंसी एएनआई ने यह जानकारी दी है।

अजित पवार गुट ही असली एनसीपी, चुनाव आयोग का फैसला; शरद पवार को बड़ा झटका

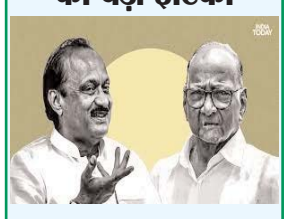

मुंबई। महाराष्ट्र की सियासत को लेकर बड़ा फैसला आया है। चुनाव आयोग ने अजित पवार वाली राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी को ही असली एनसीपी करार दिया है। फैसला दिग्गज राजनेता और अजित के चाचा शरद पवार के लिए बड़ा झटका है। जानकारी के मुताबिक, छह महीने से अधिक समय तक चली 10 से अधिक सुनवाई के बाद चुनाव आयोग ने एनसीपी में विवाद का निपटारा किया और अजीत पवार के नेतृत्व वाले गुट के पक्ष में फैसला सुनाया। अब एनसीपी का नाम और चुनाव चिह्न %घड़ी% अजित पवार के पास रहेगा। चुनाव आयोग नाम का दावा करने के लिए तीन प्राथमिकताएं प्रदान करने का एक बार का विकल्प मुहैया कराता है। इसके लिए 7 फरवरी 2024 को दोपहर 3 बजे तक का समय दिया गया है। इसके अलावा शरद पवार चुनाव आयोग के फैसले को कोर्ट में चुनौती दी जा सकती है।

धमाकों की आवाजों से दहलता रहा शहर

चीख-पुकार और एम्बुलेंस की आवाजों में डूबता रहा दिन

एजेंसी

नई दिल्ली। हरदा आंखों देखी- 6 फरवरी की सुबह मध्य प्रदेश का हरदा जिला अपने इतिहास की सबसे काली तारीख में दर्ज हो गया। शहर से लगी पटाखा फैक्ट्री जिसके पास से गुजरना कई बार हुआ, अंदाजा नहीं था कि एक के बाद एक धमाकों से दहल उठेगी। धमाके, विस्फोट भी इतने भीषण और भयावह लगा जैसे इजराइल और फिलिस्तीन या फिर रूस यूक्रेन में हो रहे हमलों की आवाजे हों। एक शहर जो रोजाना की तरह सुबह अपनी आदत में गुलजार था। उसकी फिजा में बसंत था। दिल में गुजरती सर्दी के जाने की गर्माहट थी। उसके आसमां पर मौसम अपनी करवट के साथ बादलों में घूम रहा था। खुली सी धूप खिली हुई थी। बच्चे स्कूलों से लौटने की खुशी में मगन अपनी कक्षा में दर्ज थे। हौले-हौले बाजार शादियों की रौनक में गुम होने को बेकरार था और जहां एक सुहाना सा दिन अपनी खामोशी में फैल रहा था कि अचानक शहर की फिजा चिड़ियों की चहचहाहट कृंदन और शोर में डूब गई। आसमान में अंधड़ छा गया और जमीन को हिला देने वाली आवाज भूकंप की शक्ल में उस शहर को दहला गई। सुबह के सवा ग्यारह बजे विस्फोट और धमाकों के क्षणभर के सिलसिले ने मानों मप्र के हरदा जिले को दहशत से भर दिया। कुछ ऐसा हुआ कि चंद मिनट के भीतर छतों पर कपड़े सुखाती औरतें चीखती, चिल्लाती बदहवास सी भागती नीचे की और दौड़ पड़ीं। छत की ओर भागते हुए इस चश्मदीद ने सड़कों से गुजरते लोगों को डर और दहशत से भागते देखा तो नजरें नीचे की ओर नहीं, बल्कि आसमां की ओर उठ गईं। जहां आसमान में सूरज को ढंक लेने वाला गुबार फैला हुआ था जो धीमे-धीमे उजाले को निगलता चला गया। डर और आशंका दिलों में दहलाती उससे पहले सड़कों पर दौड़ती फायर ब्रिगेड की गाड़ियां, एम्बुलेंस का सलौब बेसब्र सा दौड़ता उस धुएं, आग और आग के दहकते शोलों की ओर भागता जा रहा था।

अपने घर से तकरीबन दो किलोमीटर दूर स्थित मगरधा रोड पर बैरागढ़ में बनी हुई इन फटाखा फैक्ट्रियों में आग से मानों शहर में सन्नाटा छा गया। घटनास्थल तक पहुंचते जितने लोग मिले सब भागते, बदहवास और छिपते-छिपाते ऐसे नजर आए जैसे कोई उड़ता लोहे का कोई टुकड़ा आकर अब लगा कि तब लगा। फायर ब्रिगेड, एम्बुलेंस के लिए जगह बनाती पुलिस, स्थानीय प्रशासन, लोग और घटनास्थल से घायलों को उठाकर अस्पताल की ओर दौड़ते लोग बदहवास थे। रोती-बिलतखी औरतें, कोई पति को ढूंढ रही थी तो कोई बच्चों को, किसी की मां बस घर से निकलकर फैक्ट्री पहुंची ही थी तो किसी के पिता और भाई एम्बुलेंस में अपनी आखिरी सांसे गिनते अस्पताल की ओर ले जाए जा रहे थे। हरदा जैसे शांत शहर में इतने भीषण हादसे का होना दरअसल बीते छिटपुट घटनाओं को नजरअंदाज किए जाने की बड़ी वजह है। अवैध फैक्ट्री, सघन बस्ती क्षेत्र में बारूद का काम और स्थानीय प्रशासन द्वारा नियमों की अनदेखी ने ऐसी घटनाओं को जन्म दिया है। स्थानीय लोग पूर्व में भी ऐसे हादसों के होने का जिक्र करते हैं। ज्यादा दूर ना जाएं तो 2018 में भी पटाखा फैक्ट्री में आग लगी थी जिसमें 5 लोगों की मौत हो गई थी। ऐसे में प्रशासन ने कार्रवाई क्यों नहीं की? जब शहर फैल रहा है, लगातार आबादी बढ़ रही है तो फिर एक शहर के नजदीक पटाखा फैक्ट्री चलाने की परमिशन क्यों दी जा रही है? ऐसे कई सवाल हैं जो इस हादसे के बाद सरकार के सामने होंगे।

विस्फोटों से भरी आग बेकाबू होती रही

नई दिल्ली। विकराल होती आग लगातार विस्फोटों को बढ़ा रही थी। पटाखों से भरे गोदाम धूं-धूं करते दावानल में बदल रहे थे, जबकि बारूद फटता चला जा रहा था। धमाके इतने भीषण और भयानक थे कि आसपास के मकानों के टीन, दुकानों की शटर उखड़ गई। पास खड़ी बाइक और कारें उछल-उछलकर तकरीबन सौ फीट दूर तक गिरीं। लोहे के सरिए, मोटे-मोटे लोहे के टुकड़े हवा में उडते राह चलते, वाहनों से गुजरते लोगों पर गिरे और उन्हें गंभीर रूप से घायल कर दिया। जिस पटाखा फैक्ट्री में आग लगी वह पूरी तरह ढह गई, जबकि उससे सटी सभी दुकानें तहस-नहस हो गईं। धमाके इतने भयंकर थे कि दो किलोमीटर तक छत और सरिए उड़ गए जबकि पिलर के पिलर जगहों से उखड़कर उछल गए।

कहीं था पैर का पंजा तो कहीं पड़े थे हाथ लाशों का ढका चादरों से

नई दिल्ली। स्थानीय रिपोर्टर और पत्रकारों के साथ जैसे-जैसे आगे बढ़ना हुआ कहीं किसी का कटा हाथ पड़ा था तो कहीं किसी के पैर का पंजा। लोग दूर उछलकर गिरे लोगों की लाशों को चादर से ढकते नजर आए। संभावना है कि आसपास के इलाकों में घायल और मृतक आग फैलते-फैलते आसपास के तकरीबन सौ घरों को चपेट में ले चुकी थी, जले हुए और गंभीर रूप से घायलों को पहुंचाने के लिए एम्बुलेंस कम पड़ रही थी। अस्पताल का मंजर भयावह था। अफरा-तफरी में पहुंचते घायलों की हालत इतनी गंभीर थी कि किसी का सिर, किसी का पैर, किसी का हाथ तो कोई आधा जली अवस्था में इंदौर और भोपाल रेफर किया गया। दर्द से कराहते, रोते-बिलखते और चीखते लोग अस्पताल में बदहवास से थे।

भारत में अगले पांच-छह वर्ष में ऊर्जा क्षेत्र में 67 अरब अमेरिकी डॉलर का निवेश होगा: पीएम मोदी

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को कहा कि भारत में अगले पांच से छह वर्ष में ऊर्जा क्षेत्र में 67 अरब अमेरिकी डॉलर का निवेश होगा. साथ ही उन्होंने वैश्विक निवेशकों को भारत की विकास गाथा का हिस्सा बनने के लिए आमंत्रित किया. प्रधानमंत्री मोदी ने यहां भारत ऊर्जा सप्ताह के दूसरे संस्करण का उद्घाटन करते हुए कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था 7.5 प्रतिशत से अधिक की दर से बढ़ रही है. देश जल्द ही दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा। उन्होंने वैश्विक कंपनियों को भारत के ऊर्जा क्षेत्र की वृद्धि का हिस्सा बनने के लिए आमंत्रित करते हुए कहा कि देश को 2030 तक अपनी रिफाइनिंग क्षमता 254 एमएमटीपीए (मिलियन मीट्रिक टन प्रति वर्ष) से बढ़ाकर 450 एमएमटीपीए करने की उम्मीद है. उन्होंने कहा, '' अगले पांच-छह वर्षों में भारत में ऊर्जा क्षेत्र में 67 अरब डॉलर का निवेश होने जा रहा है। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत ऊर्जा क्षेत्र में अभूतपूर्व निवेश कर रहा है जो पहले कभी नहीं हुआ। मोदी ने कहा कि भारत कच्चे तेल तथा एलपीजी का तीसरा सबसे बड़ा उपभोक्ता और एलएनजी का चौथा सबसे बड़ा आयातक है. प्रधानमंत्री ने वैश्विक समस्याओं के समक्ष देश की ऊर्जा प्रबंधन रणनीति का जिक्र करते हुए कहा कि पिछले दो वर्ष में भारत में पेट्रोल और डीजल की कीमतें कम हुई हैं। उन्होंने कहा, '' सभी विशेषज्ञों की राय है कि भारत सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था है और जल्द ही दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा। उन्होंने कहा कि भारत की जीडीपी वृद्धि दर अब 7.5 प्रतिशत से अधिक है और यह वैश्विक संस्थाओं के अनुमान से अधिक है। मोदी ने कहा कि सरकारी सुधार घरेलू प्राकृतिक गैस उत्पादन को बढ़ावा देने में मदद कर रहे हैं. भारत 2030 तक अपने ऊर्जा मिश्रण में गैस की हिस्सेदारी बढ़ाकर 15 प्रतिशत करने का लक्ष्य बना रहा है. पेट्रोल में इथेनॉल के मिलाने के बारे में उन्होंने कहा कि पिछले 10 वर्षों में यह 1.5 प्रतिशत से बढ़कर 12 प्रतिशत हो गया है। 2025 तक यह 20 प्रतिशत हो जाएगा. प्रधानमंत्री ने कहा कि वैश्विक उत्सर्जन में भारत का केवल चार प्रतिशत हिस्सा है और 2070 तक 'नेट जीरो का लक्ष्य रखा गया है। 'नेट जीरो से तात्पर्य है कि कोई देश वातावरण में कार्बन आधारित ग्रीनहाउस गैसों का जितना उत्सर्जन कर रहा है, उतना ही उसे सोख और हटा भी रहा है।

बिहार में INDIA अलायंस के तौर पर लड़ेंगे चुनाव TMC हमारी सहयोगी: राहुल गांधी

एजेंसी

नई दिल्ली। विपक्षी इंडिया गठबंधन के प्रमुख सहयोगी दलों के बीच समीकरणों को लेकर उथल-पुथल चल रही है. इसको लेकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी का बयान सामने आया है। उन्होंने कहा है कि इंडिया गठबंधन बिहार में एक साथ लोकसभा चुनाव लड़ेगा. वहीं उन्होंने तृणमूल कांग्रेस की अध्यक्ष ममता बनर्जी को भी इस विपक्षी समूह का हिस्सा बताया।

अपनी भारत जोड़ो न्याय यात्रा के दौरान मंगलवार को एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए, राहुल गांधी ने कहा, यदि आप ममता जी के बयानों को देखें, तो वो पूरी तरह से इंडिया गठबंधन का हिस्सा हैं। बेशक, नीतीश कुमार ने इंडिया गठबंधन छोड़ दिया है और वो बीजेपी में चले गए हैं, लेकिन आप अंदाजा लगा सकते हैं कि उनके जाने के क्या कारण हैं।

राहुल गांधी ने कहा, हम बिहार में इंडिया गठबंधन के रूप में चुनाव लड़ेंगे. मैं इस बात से सहमत नहीं हूं कि हमारे कई साथी गठबंधन का हिस्सा नहीं हैं। कांग्रेस नेता के इस आत्मविश्वास ने कई लोगों को अचरज में डाल दिया है, क्योंकि ममता बनर्जी ने बार-बार कहा है कि वो पश्चिम बंगाल में अकेले भाजपा से मुकाबला करेंगी और लोकसभा चुनाव के बाद गठबंधन पर विचार करेंगी. हालांकि कुछ रिपोर्टों में सुझाव दिया गया है कि उन्होंने अपना रुख नरम कर लिया है और कांग्रेस के लिए पांच लोकसभा सीटें छोड़ने को तैयार हैं, लेकिन कट्टर प्रतिद्वंद्वी सीपीएम के साथ तृणमूल का समीकरण एक बाधा बन सकता है। वहीं बिहार में, विपक्षी गुट को उस समय भारी झटका लगा, जब इसके प्रमुख वास्तुकारों में से एक, जनता दल युनाइटेड के प्रमुख नीतीश कुमार ने पिछले महीने के अंत में पाला बदल लिया और भाजपा से हाथ मिला लिया. अब इंडिया गठबंधन इस महत्वपूर्ण राज्य में अच्छी संख्या में लोकसभा सीटें जीतने के लिए महागठबंधन के लालू यादव के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनता दल, कांग्रेस और वाम दलों पर भरोसा कर रहा है। पंजाब में भी गठबंधन कमजोर स्थिति में है, जहां आम आदमी पार्टी ने कहा है कि वो सभी 13 सीटों पर अकेले चुनाव लड़ेगी. उत्तर प्रदेश में स्थिति स्पष्ट नहीं है, जिसमें 80 लोकसभा सीटें हैं, समाजवादी पार्टी इस बारे में मिश्रित संकेत दे रही है कि वो कांग्रेस के लिए कितनी सीटें छोड़ने को तैयार है।

❖राहुल गांधी ने कहा कि हम बिहार में इंडिया गठबंधन के रूप में चुनाव लड़ेंगे। मैं इस बात से सहमत नहीं हूं कि हमारे कई साथी गठबंधन का हिस्सा नहीं हैं।

उत्तराखंड में होगा ऐतिहासिक काम

कई दशक बाद धरातल पर उतरेगा यूसीसी

एजेंसी

देहरादून। कई दशक बाद यूसीसी धरातल पर उतरेगी। समान नागरिक संहिता की कानूनी जंग लड़ने वाले अधिवक्ता अश्वनी उपाध्याय ने कहना है कि उत्तराखंड में यह ऐतिहासिक काम होगा। यह देश के लिए नजीर बनेगा और संविधान निर्माता यही चाहते थे। उनका कहना है कि भारतीय संस्कृति महिला-पुरुष के भेदभाव का विरोध करती है। दुर्भाग्यवश भारत में आज भी बहुत सारी कुरीतियां जारी हैं। कुछ कुप्रथाओं के खिलाफ कानून बनें, लेकिन अब भी समाज कई ऐसी कुरीतियां विद्यमान हैं, जिन्हें खत्म करने की जरूरत है। जानें कब से शुरू हुई थी यूसीसी के लिए लड़ाई। 1980 में भाजपा का गठन हुआ। भाजपा के पहले राष्ट्रीय अध्यक्ष अटल बिहारी वाजपेयी बने। पार्टी ने 1984 में पहली बार चुनाव लड़ा, जिसमें केवल दो सीटें मिली। 1989 में 9वां लोकसभा चुनाव हुआ, जिसमें भाजपा ने राम मंदिर, यूनिफॉर्म सिविल कोड को अपने चुनावी घोषणा-पत्र में शामिल किया। पार्टी की सीटों की संख्या बढ़कर 85 पहुंची।

1991 में देश में 10वां मध्यावधि चुनाव हुआ। इस बार भाजपा को और लाभ हुआ। उसकी सीटों की संख्या बढ़कर 100 के पार हो गई। इन लोकसभा चुनावों में भाजपा ने यूनिफॉर्म सिविल कोड, राम मंदिर, अनुच्छेद 370 के मुद्दों को जमकर उठाया। ये सभी मुद्दे बीजेपी के चुनावी घोषणापत्र में शामिल थे, मगर संख्या बल के कारण ये पूरे नहीं हो पाए थे। इसके बाद 1996 में भाजपा ने 13 दिन के लिए सरकार बनाई। 1998 में पार्टी ने 13 महीने सरकार चलाई। 1999 में बीजेपी ने अपने सहयोगियों के साथ बहुमत से सरकार बनाई। तब अटल बिहारी वाजपेयी प्रधानमंत्री बने। वर्ष 2014 में पहली बार भाजपा प्रचंड बहुमत के साथ सत्ता पर काबिज हुई और केंद्र में मोदी सरकार आई। मोदी सरकार ने पूरे जोर-शोर से अपने चुनावी वादों पर काम करना शुरू किया। अब केंद्र की सरकार समान नागरिक संहिता को लागू करने की दिशा में काम कर रही है। इसी कड़ी में यूसीसी को लागू कर उत्तराखंड, देश का पहला राज्य बनने की ओर अग्रसर है। उत्तराखंड में 2022 में भाजपा ने यूसीसी के मुद्दे को सर्वोपरि रखते हुए वादा किया था कि सरकार बनते ही इस पर काम किया जाएगा। धामी सरकार ने यूसीसी के लिए कमेटी का गठन किया। जिसने डेढ़ साल में यूसीसी का ड्राफ्ट तैयार किया। अब विधानसभा का विशेष सत्र पांच फरवरी से शुरू होने जा रहा है, जिसमें पास होने के बाद यूसीसी लागू करने वाला उत्तराखंड देश का पहला राज्य बन जाएगा।

कुपवाड़ा आतंकी मॉड्यूल का मुख्य साजिशकर्ता गिरफ्तार

एजेंसी

जम्मू। दिल्ली पुलिस ने जम्मू कश्मीर के कुपवाड़ा जिले में हाल ही में भंडाफोड़ किए गए आतंकी मॉड्यूल के एक मुख्य साजिशकर्ता को गिरफ्तार किया है। अधिकारियों ने बताया कि उसे भागने की कोशिश करते समय चार फरवरी को नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने बताया कि आरोपी पिछले साल भारतीय सेना से रिटार्यड हुआ है। एक बयान में पुलिस प्रवक्ता ने कहा कि पुलिस थाना नई दिल्ली रेलवे स्टेशन ने एक प्रमुख साजिशकर्ता को गिरफ्तार कर लिया है, जिसकी पहचान रियाज अहमद के रूप में हुई है। वह आतंकवादी आकाओं द्वारा नियंत्रण रेखा के पार से हथियार और गोला-बारूद प्राप्त करने में खुर्शीद अहमद राथर और गुलाम सरवर राथर के साथ साजिश रचने में शामिल था। चार फरवरी को जम्मू-कश्मीर में जांच एजेंसियों से एक विशेष जानकारी प्राप्त हुई कि करनाह का रियाज अहमद राथर हाल ही में भंडाफोड़ किए गए आतंकी मॉड्यूल मामले में वांछित है। इस मामले में पांच लोगों को गिरफ्तार किया गया है और आपत्तिजनक सामग्री भी बरामद की गई है। इसमें आगे बताया गया कि सूचना थी कि रियाज अहमद फरार है और तड़के नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पहुंचेगा। मामले की गंभीरता को देखते हुए, एक टीम का गठन किया गया और तुरंत नई दिल्ली रेलवे स्टेशन के सभी प्रवेश, निकास और रणनीतिक बिंदुओं पर उसे तैनात किया गया। जब आरोपी सुबह के समय नई दिल्ली रेलवे स्टेशन के निकास गेट नंबर 1 से भागने की कोशिश कर रहा था तो सतर्क कर्मचारियों ने तुरंत कार्रवाई की और भीड़ में रियाज अहमद की पहचान कर उसे पकड़ लिया। बयान में कहा गया है कि उससे गहन पूछताछ की गई और पता चला कि वह अपने दोस्त अल्ताफ के साथ जबलपुर से महाकौशल एक्सप्रेस में सवार हुआ था और तीन फरवरी को लगभग तीन बजे हजरत निजामुद्दीन रेलवे स्टेशन पहुंचा था। वहां से उन्होंने एक ऑटो लिया और नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पहुंचे। रियाज अहमद राथर किसी दूसरे ठिकाने पर जाने वाला था। उस पर खुर्शीद अहमद राथर और गुलाम सरवर राथर से हथियारों और गोला-बारूद की खेप प्राप्त करने का संदेह है। दोनों को पहले ही जम्मू-कश्मीर पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। बयान में यह भी कहा गया है कि रियाज अहमद और उसका दोस्त अल्ताफ 31 जनवरी 2023 को भारतीय सेना से सेवानिवृत्त हुए हैं। इसमें कहा गया है कि उनके कब्जे से एक मोबाइल फोन और सिम कार्ड बरामद किया गया है और उसे कानून की धाराओं के तहत गिरफ्तार कर लिया गया है और जम्मू कश्मीर के संबंधित पुलिस स्टेशन के पुलिस अधिकारियों को उनके स्तर पर आगे की आवश्यक कार्रवाई के लिए सूचित कर दिया गया है। मामले में आगे की जांच जारी है।

नवागत नगर आयुक्त कामता प्रसाद की अध्यक्षता में नगर निगम कार्यालय में जन सुनवाई दिवस आयोजित किया गया

समस्याओं को गंभीरता से सुना गया तत्काल निस्तारण किया गया

द अचीवर टाइम्स फसाद खान

शाहजहांपुर। नवागत नगर महोदय कामता प्रसाद सिंह की अध्यक्षता में आज दिनांक 06.02.2024 दिन मंगलवार को प्रातः 10 बजे से 02 बजे तक सिस्टेमैटिक एडमिनस्ट्रेटिव, मैकेनिज्म, ब्रिगिंग, हैपीनेन्स एण्ड वैल्यू (सम्भव) के अन्तर्गत नगर निगम कार्यालय में जन-सुनवाई दिवस कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें नगर क्षेत्र के जन-सामान्य द्वारा जन-सुनवाई दिवस में सम्मलित होकर साफ-सफाई, शुद्ध पेयजल की आपूर्ति, प्रकाश बिन्दू एवं कर विभाग से सम्बन्धित अपनी-अपनी समस्याओं एवं शिकायतों को रखा गया। जन-सुनवाई दिवस में नगर क्षेत्र से प्राप्त जन समस्याओं-शिकायतों को गंभीरतापूर्वक सुना गया व जन-समस्याओं का गंभीरतापूर्वक संज्ञान लेते हुये संबन्धित विभागों के अधिकारियों / कर्मचारियों को निर्देशित किया गया कि प्राप्त शिकायतों को प्राथमिकता के आधार पर जन-सामान्य की संतुष्टि, समदृष्टि को ध्यान में रखते हुये ससमय निस्तारण कराया जायें। जन-सुनवाई दिवस में 05 समस्यायें / शिकायतें प्राप्त हुई, जिनमें से मौके पर ही 02 समस्यायों / शिकायतों का निस्तारण कराया गया। जिसके उपरान्त जन-मानस द्वारा सम्भव के अन्तर्गत कराई गई समस्या के शीघ्र निस्तारण हेतु नगर निगम के अधिकारियों का आभार व्यक्त किया गया। शेष शिकायतों के निस्तारण हेतु संबन्धित अधिकारियों व कर्मचारियों को निर्देशित किया गया। समस्त नगरवासियों से अपील की गई कि प्रत्येक मंगलवार को नगर निगम कार्यालय में आयोजित होने वाले जन-सुनवाई दिवस में सकिय प्रतिभाग कर नगर निगम शाहजहाँपुर द्वारा प्रदान की जाने वाली सेवाओं से सम्बन्धित समस्याओं को रख सकते है, जिनका निस्तारण प्राथमिकता के आधार पर कराया जायेगा। जन सुनवाई दिवस में अपर नगर आयुक्त एस0के0 सिंह, मुख्य अभियंता सिविल एस0के0 अम्बेडकर, महाप्रबंधक जल सौरभ श्रीवास्तव, सहायक अभियंता जलकल प्रेमचन्द्र आर्य, कर अधीक्षक सदानंद एवं नगर निगम के अन्य अधिकारी कर्मचारीगण मौजूद रहे।

भारतीय रिजर्व बैंक के निर्देशन में AIF एवं प्रबंधक जिला अग्रणी बैंक द्वारा पथ विक्रेताओं को वित्तीय समावेशन एवं वित्तीय साक्षरता की जानकारी हेतु राजा राममोहन पाल पार्क में नियर सफेद बारादरी कैसरबाग लखनऊ में कार्यक्रम का किया गया आयोजन

द अचीवर टाइम्स संवाददाता

लखनऊ। पीएम स्वनिधि योजना के बारे में डिजिटल ट्रांजेक्शन करने के लाभ एवं सावधानियों के बारे में की गई चर्चा इस कार्यक्रम मे मुख्य अतिथि भारतीय रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया के अधिकारी सुश्री संभावी, जिला लीड बैंक प्रबंधक श्री मनीष पाठक, वित्तीय साक्षरता केंद्र के प्रभारी श्री राजेश कुमार अमेरिकन इंडिया फाउंडेशन लखनऊ शहर प्रबंधक श्री विजय सिंह गौतम व ढ्रुस्न टीम के फील्ड स्टाफ मनोज कुमार, दीपेंद्र, सचिन, दुर्गेश ,आकाश, राजकुमारी सिंह ,संदीप के साथ स्वनिधि योजना से लाभान्वित लखनऊ शहर के विभिन्न जोनों से आए लगभग 40 पथ विक्रेता उपस्थित रहे, इस कार्यक्रम में पथ विक्रेताओं को स्वनिधि योजना के बारे में विस्तार से जानकारी देते हुए डिजिटल ट्रांजेक्शन करने के लाभ एवं सावधानियों के बारे में विस्तार से चर्चा की गई

घर में गैस सिलिंडर फटा, लगी आग

जैदपुर (बाराबंकी)। थाना क्षेत्र के बोजा गांव में मंगलवार को सुबह घर में चाय बनाते समय गैस सिलिंडर के पाइप में आग लग गई। परिजनों व ग्रामीणों ने बालू और मिट्टी के साथ रजाई डालकर आग बुझाने की कोशिश की, लेकिन आग पर काबू नहीं पा सके और कुछ देर बाद गैस सिलिंडर फट गया। जिस समय सिलिंडर फटा, उस समय सभी लोग घर के बाहर थे, जिससे बड़ा हादसा होने से टल गया। सिलिंडर फटने से घर में रखा सामान क्षतिग्रस्त हो गया। क्षेत्र के बोजा गांव निवासी दीपक के घर सुबह गैस सिलिंडर खत्म हो गया था। तभी दीपक पास स्थित जनसेवा केंद्र से हिंदुस्तान पेट्रोलियम का घरेलू गैस सिलिंडर लेकर आया और घर के किचन में लगा दिया। चाय बनाने के लिए जैसे ही गैस खोली तो रेगुलेटर व उसके पाइप ने आग पकड़ ली। आग लगने से घर में अफरातफरी मच गई। घरवालों के शोर मचाने पर ग्रामीणों ने भी आकर बालू व मिट्टी के साथ रजाई डालकर आग बुझाने का प्रयास किया, लेकिन आग पर काबू नहीं पा सके।

एक नज़र

डा. सागर को मिला प्रभु श्रीराम राष्ट्रीय साहित्य सम्मान 2024

द अचीवर टाइम्स/चेतन कुमार

हापुड़। हापुड़ के एक छोटे से गांव मुरादपुर की सागर कालोनी में रहने वाले जनकवि/ बेखौफ शायर डा. नरेश सागर जी को प्रभु श्री राम राष्टीय साहित्य सम्मान 2024 से सम्मानित किया गया। प्रभु श्रीराम मंदिर के उदघाट्न के समय श्री राम राष्टीय साहित्य संस्था अयोध्या धाम द्वारा एक बडी काव्य प्रतियोगिता व आनलाइन कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया जिसमें करीब 250 कवि /कवियित्रीयों ने भाग लिया तो वहीं शहर के बेखौफ शायर के नाम से प्रशिद्ध डा. नरेश सागर ने भी भाग लिया जिसमें उनकी प्रस्तुति को सबसे ज्यादा पसंद किया गया और उन्हें मंच ने प्रभु श्री राम राष्टीय साहित्य सम्मान 2024 से सम्मानित किया जो शहर वाशियों के लिए भी गौरव की बात है ।

तहसील ढीमरखेड़ा जिला कटनी मध्य प्रदेश
दो गांव के लोग आमने-सामने, पुलिस और स्ष्ठरूके पास पहुंची शिकायत

ब्यूरो रिपोर्ट इंद्र कुमार पटेल

ढीमरखेड़ा। मध्य प्रदेश के कटनी जिले में सरकारी जमीन पर अतिक्रमण को लेकर दो गांव के लोगों में विवाद हो गया। जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। दोनों पक्षों ने मामले की शिकायत पुलिस चौकी और एसडीएम से की है। यह मामला ढीमरखेड़ा तहसील की है।जानकारी के अनुसार, ढीमरखेड़ा तहसील के ग्राम बरहटा की गोठान भूमि में दशरमन गांव के लोगों के द्वारा अतिक्रमण किया जा रहा है। बताया जा रहा है कि उस जमीन पर पहले वृक्षारोपण करवाया गया था। फिर से वृक्षारोपण करवाने की तैयारी करवाई जा रही थी। कब्जे को लेकर लोगों में विवाद की स्थिति निर्मित हो गई। इस दौरान अतिक्रमणकारी महिला कुल्हाड़ी लेकर गाली गलौज करते हुए विवाद करने लगी। उसका आरोप था कि बिना सूचना के मकान जमींदोज कर दिया गया और आग लगा दिया गया। दूसरे पक्ष का कहना था कि गोठान भूमि में दूसरे गांव के लोग कैसे कब्ज़ा कर सकते हैं। फिलहाल, दोनों पक्षों ने सिलौंडी पुलिस चौकी और एसडीएम से इसकी शिकायत की है और जांच कर कार्रवाई की मांग की है।

अधिवक्ता रमेश चंद्रा की मेहनत रंग लाई,विशेष न्यायाधीश ने मुलजिम प्रदीप को किया दोष मुक्त

द अचीवर टाइम्स/चेतन कुमार

हापुड़। जनपद हापुड़ के थाना बाबूगढ़ में प्रदीप कुमार पुत्र केशव पाल सिंह निवासी काशीराम कॉलोनी के खिलाफ मुकदमा अ0 संख्या 330 सन 2022 धारा 302 आईपीसी में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर प्रदीप को पकड़कर जेल भेज दिया था और प्रदीप कुमार के विरुद्ध धारा 302 आईपीसी के अंतर्गत न्यायालय में प्रेषित किया गया और मुलजिम प्रदीप कुमार 9 सितंबर 2022 से जिला कारागार गाजियाबाद में निरूद्ध है उक्त मुकदमे की एस टी स0 370 सन 2023 न्यायालय अपर जिला जज व विशेष एससी एसटी न्यायालय हापुड़ में विचाधीन रही उक्त केस की पैरवी वरिष्ठ अधिवक्ता रमेश चंद्रा कर रहे थे। वरिष्ठ अधिवक्ता रमेश चंद्रा व चंद्रा एसोसिएट्स की समस्त टीम की ओर से कठिन परिश्रम के साथ मुलजिम प्रदीप की पैरवी की गई और अधिवक्ता रमेश चंद्रा की मेहनत रंग लाई जहां मंगलवार को एससी/एसटी एक्ट अपर सत्र न्यायाधीश विशेष न्यायाधीश हापुड़ द्वारा मुलजिम प्रदीप को दोष मुक्त कर दिया। जहां अन्य अधिवक्तागणों ने वरिष्ठ अधिवक्ता रमेश चंद्रा के चेंबर पर जाकर उनको शुभकामनाएं दी।

निजी अस्पताल में भी मिलेगा कैंसर का कैशलेस इलाज

रायबरेली। जिले के 16.27 लाख गरीबों के लिए राहत भरी खबर है। कैंसर के चपेट में आने के बाद अब बड़े शहरों के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे। एम्स में कैंसर का इलाज शुरू होने के साथ ही प्रधानमंत्री आरोग्य योजना से शहर एक कैंसर हॉस्पिटल भी कैशलेस इलाज के लिए पास हो गया है। योजना से जुड़ने के बाद अब कैंसर रोगियों को दवा के साथ रेडिएशन व सर्जरी की सुविधा मिलेगी। एम्स में तीनों विधा से कैंसर के इलाज की पर्याप्त सुविधा नहीं है। गरीबों को पांच लाख रुपये तक कैशलेस इलाज की सुविधा देने के लिए प्रधानमंत्री आरोग्य योजना संचालित है। वर्तमान समय में जिले के 10 निजी अस्पतालों के साथ ही एम्स समेत 21 सरकारी अस्पतालों को योजना से जोड़ा गया है। जिले में योजना से जुड़े निजी अस्पतालों में अब तक कैंसर, सिजेरियन प्रसव, यूरोलॉजी, न्यूरो सर्जरी अन्य सुपर स्पेशलिटी सेवाएं गरीबों को नहीं मिल पा रही थीं। ऐसी स्थिति में गरीबों को इलाज के लिए बड़े शहरों के चक्कर लगाने पड़ रहे हैं। एम्स के योजना से जुड़ने के बाद कुछ विशेषज्ञ सेवाएं गरीबों को मिलनी शुरू हो गई हैं।

मनोज कुमार भाकियू संघर्ष के प्रदेश सचिव व मनदीप कुमार प्रदेश उपाध्यक्ष नियुक्त

द अचीवर टाइम्स ब्यूरो रिपोर्ट चेतन कुमार

हापुड़। भारतीय किसान यूनियन संघर्ष की लव कुश ज्वेलर्स पर बैठक आयोजित की गई जिसमें संगठन के प्रदेश अध्यक्ष व्यापार प्रकोष्ठ भारतीय किसान यूनियन संघर्ष विजय कुमार शर्मा ने मनोज कुमार को प्रदेश सचिव व मनदीप कुमार वकील साहब को प्रदेश उपाध्यक्ष भारतीय किसान यूनियन संघर्ष नियुक्त किया तो वही प्रदेश अध्यक्ष विजय कुमार शर्मा ने कहा कि सभी नव नियुक्त पदाधिकारी संगठन को मजबूत बनाएंगे इसी आशा के साथ उन्हें यह जिम्मेदारी सौंपी हैं किसानों , व्यापारियों की आवाज को उठाने का काम हमारा संगठन करता रहेगा। किसी भी कीमत पर गरीब पर अत्याचार बर्दाश्त नहीं किया जाए। हमारे राष्टीय अध्यक्ष सरन जीत गुर्जर किसने की आवाज को बुलंद करते रहते हैं तथा सभी के साथ सुख-दुख में खड़े रहते हैं। मनोज कुमार, चंद्रपाल, मनोज ,अजय, राजकुमार, मनदीप ,रवि, सोनू ,देवेंद्र अर्जुन ,लैविश ,राहुल ,संदीप, कुश आदि लोग मौजूद रहे।

10 फरवरी को विकास खण्ड हापुड़ में कृषक गोष्ठी एवं कृषि निवेश मेले का किया जायेगा आयोजन

द अचीवर टाइम्स ब्यूरो रिपोर्ट चेतन कुमार

हापुड़। उपनिदेशक कृषि ने बताया है कि कृषि सूचना तंत्र के सुदृढ़ीकरण एवं कृषक जागरूकता कार्यक्रम वर्ष 2023-24 के अंतर्गत विकासखंड स्तरीय कृषक गोष्ठी एवं कृषि निवेश मेले का आयोजन दिनांक 10 फरवरी 2024 को महल के सामने ग्राम असौड़ा विकासखंड हापुड़ में प्रातः 11ः00 से आयोजित किया जाएगा। इस मेले में सभी संबंधित विभाग अपने विभागीय योजनाओं के प्रचार प्रसार हेतु स्टाल लगवाने तथा अपने विभाग से संबंधित किसानों तथा क्षेत्रीय कर्मचारियों को किसी निवास निवेश मेले में प्रतिभाग करते हुए स्वयं प्रतिभाग करने का कष्ट करें।

संस्कृत भाषा से पढ़ाई करने पर आईएएस, पीसीएस प्रोफेसर व शिक्षक आदि बनने के अवसर मिलते है-डॉ0 स्नेह प्रभा

द अचीवर टाइम्स/चेतन कुमार

हापुड़। आर्य कन्या पाठशाला में मंगलवार को विद्यालय प्रांगण में दशदिवसीय सस्कृत संभाषण शिविर के षष्ठ दिवस का कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें डॉ0 अनीता जायसवाल ने संस्कृत शब्दों का परिचय कराते हुए वाक्य बनाना सिखाया तो वही कु0 मानसी, शिवानी, योगिता, प्रीति आदि छात्राओं ने लघु-लघु वाक्य बनाकर बड़े वाक्य बनाने का भी प्रयास किया और स्कूल की प्रधानाचार्या डॉ0 स्नेह प्रभा ने संस्कृत शिविर का निरीक्षण कर सभी लोगों को संस्कृत भाषा पढ़ने के लिए साधुवाद दिया। छात्राओं को यह भी बताया गया कि संस्कृत भाषा से पढ़ाई करने पर आई.ए.एस.व पी.सी.एस. प्रोफेसर,शिक्षक आदि बनने के अवसर मिलते है। संस्कृत भाषा रोजगारपरक भाषा है, इसलिए आज सारा विश्व संस्कृत भाषा की महत्ता को समझते हुये अध्ययन-अध्यापन पर बल दे रहा है। तो वही डॉ0 अनीता जायवाल, कु0 दिव्या चौधरी, ने श्लोक, संस्कृत गीत, प्रहेलिकादि से पठन-पाठन कराकर कार्यक्रम का सपन्न किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में रानी सिन्हा, डॉ0 संगीता सिंह, प्रतिभा शर्मा, प्रीति अग्रवाल, मीरा तोमर आदि शिक्षिकाओं एवं शिक्षणेत्तर कर्मचारी अभिषेक, आशीष कुमार, विनित यादव, रश्मि, मुकुल वर्मा, विशाल, संजय शर्मा, सविता, किरन, जोगेंद्री, रेनू सैनी, जेबा, बाला, रेखा, सोनम, शोभा आदि का सहयोग रहा।

यातायात पुलिस ने मॉडिफाई पटाखा छोड़ने वाली 12 बुलेट मोटरसाइकिलों के साइलेंसर उतरवाए

द अचीवर टाइम्स/ चेतन कुमार

हापुड़। हापुड़ में यातायात पुलिस ने सड़कों पर उतरकर मॉडिफाई पटाखा छोड़ने वाली बुलेट मोटरसाइकिल साइकिलों के खिलाफ अभियान चलाया बताते चले हापुड़ में यातायात पुलिस अब से पहले भी पटाखा छोड़ने वाली बुलेट मोटरसाइकिलों के खिलाफ चलान सहित कार्रवाई कर चुके हैं तो वहीं यातायात प्रभारी निरीक्षक उपदेश कुमार ने पुलिस कर्मियों के साथ मिलकर सडको पर उतरकर मंगलवार को ऑपरेशन पटाखा अभियान के तहत हापुड़ में लगातार तेज गति से बुलेट मोटरसाइकिल चलाकर पटाखा छोड़ने वाले लोगों के खिलाफ अभियान चलाकर चलान की कार्रवाई करते हुए दर्जनों से भी ज्यादा बुलेट मोटरसाइकिलों के खिलाफ पुलिस ने कार्रवाई करते हुए कई 12 बुलेट मोटरसाइकिल के साइलेंसर उतरवाए तो वही कई यों के खिलाफ सीज और चालान की कार्रवाई की गई है। अबसे पहले भी पुलिस ने पुरे जनपद में बड़ी कार्रवाई करते हुए सैकड़ो से भी ज्यादा बुलेट मोटरसाइकिलों के खिलाफ कार्रवाई की थी इसलिए इस तरह का कृतिया करने वाले लोग हो जाएं सावधान अन्यथा हापुड़ की यातायात पुलिस की कार्रवाई के लिए हो जाए तैयार।

सभी पंजीकृत मतदाता बिना भय के अपने मताधिकार का प्रयोग करें-संदीप कुमार

❖आगामी लोकसभा 2024 को स्वतंत्र,निष्पक्ष संपंन्न करने के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित।

द अचीवर टाइम्स ब्यूरो रिपोर्ट चेतन कुमार

हापुड़। जनपद में आगामी लोकसभा 2024 को स्वतंत्र, निष्पक्ष संपन्न करने के लिए नामित किए गए जोनल तथा सेक्टर मजिस्ट्रेट के वलनरेबिलिटी मैपिंग के चिन्ह्यांकन के संबंध में एस एस वी डिग्री कॉलेज में प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। प्रशिक्षण के दौरान अपर जिलाधिकारी वित्त/राजस्व संदीप कुमार ने बताया है कि सभी पंजीकृत मतदाता बिना भय के अपने मताधिकार का प्रयोग करें इसके लिए मतदाताओं के समूह का ग्राम, मजरा तथा क्षेत्रवार चिन्हीकरण कर लें। जिन्हें किसी भी प्रकार का भय मतदान के समय होने की संभावना हो या जो व्यक्ति इस प्रकार की परिस्थितियों उत्पन्न कर रहे हो उनको चिन्हित करके उनके विरुद्ध प्रभावी निरोधात्मक तथा विधिक कार्रवाई प्रारंभ की जाए साथ ही किसी के द्वारा मतदाताओं के किसी भी समूह को किसी भय, दबाव इत्यादि से प्रभावित करना लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 की धारा 171 सी, भारतीय दंड संहिता के अंतर्गत एक अवैधानिक तथा दंडनीय कार्य है अतः वलनरेबिलिटी मैपिंग के लिए नामित अधिकारी अपने क्षेत्र के सभी अराजक एवं शरारती तत्वों पर निगाह रखेंगे। समस्त सेक्टर मजिस्ट्रेट आयोग से प्राप्त दिशा निर्देश का भली-भांति अनुपालन कराया जाना सुनिश्चित करेंगे। प्रशिक्षण के दौरान उप जिलाधिकारी, सेक्टर तथा जोनल मजिस्ट्रेट के साथ अपर पुलिस अधीक्षक राजकुमार अग्रवाल उपस्थित रहे।

पी जी आई में इंडो यूएस फ्लो साइटोमेट्री वर्कशॉप तथा सी एम ई का 25 वा सम्मेलन का हुआ आयोजन

संबादाता/ रघुनाथ सिंह द अचीवर टाइम्स

लखनऊ । इंडो-यूएस फ्लो साइटोमेट्री वर्कशॉप और सी.एम.ई का 25वां संस्करण, साइटोमेट्री के क्षेत्र में एक ऐतिहासिक सम्मेलन, लखनऊ में सफलता से समाप्त हुआ। इस प्रतिष्ठात्मक सम्मेलन, सिल्वर ज्यूबिली, का संयुक्त संचालन संजय गांधी पोस्टग्रेजुएट इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस (एसजीपीजीआई), लखनऊ के हेमेटोलॉजी विभाग और ट्रस्ट फॉर एजुकेशन रिसर्च एंड ट्रेनिंग इन साइटोमेट्री (टेटीसी) इंडिया ने संयोजित किया था, जिससे अंतरराष्ट्रीय चिकित्सा सहयोग और शिक्षा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। कॉन्फ्रेंस ने 18 राज्यों के 48 शहरों से आए 135 उपस्थितियों की प्रतिभा को दर्शाया, जिससे फ्लो साइटोमेट्री के क्षेत्र में उत्कृष्ट रूप से साक्षरता और मान्यता का प्रदर्शन हुआ। इस घटना को और भी महत्वपूर्ण बनाने के लिए संयुक्त रूप से इसमें 30 प्रमुख शिक्षकों की भारी उपस्थिति थी, जिसमें संयुक्त राज्य अमेरिका से दो गणनीय शिक्षक भी शामिल थे। दो दिनों के दौरान, संस्थान ने चार समानांतर कार्यशालाओं को होस्ट किया, जिनमें एसजीपीजीआई के हेमेटोलॉजी विभाग में तीन और इम्यूनोलॉजी विभाग में एक था। ये कार्यशालाएं निदान से लेकर हेमेटोलॉजी और इम्यूनोलॉजी में अनुसंधान के लिए साधुनिक आवश्यकताओं क बारे में जानकारी प्रदान करने की एक सफल मुहीम रही। तीसरे दिन, फ्लो साइटोमेट्री के नवीनतम विकास, अनुप्रयोग, और भविष्य के दिशानिर्देशों पर ध्यान केंद्रित करने वाला एक सीएमई आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम का औपचारिक उद्घाटन 4 फरवरी को संपन्न हुआ, जिसमें मंचासीन थेः प्रो. आर के धीमान, निदेशक एसजीपीजीआई; प्रो. राजेश कश्यप, हेमेटोलॉजी के हेड, एसजीपीजीआई, और संगठन के अध्यक्ष; डॉ. रेखा गौर, टीईटीसी की सह-संस्थापक और संगठन के अध्यक्ष; डॉ. खलीकुर रहमान, अतिरिक्त प्रोफेसर, हेमेटोलॉजी, एसजीपीजीआई और संगठन सचिव; प्रो. रुचि गुप्ता, हेमेटोलॉजी विभाग, एसजीपीजीआई और संगठन सचिव; डॉ. हेमंत अग्रवाल, टीईटीसी का प्रबंधक और संगठन सचिव; और प्रो. ब्रेंट वुड, पिछले अध्यक्ष, आईसीसीएस, संयुक्त राज्य अमेरिका। सम्मेलन में एक स्मारिका पुस्तक का विमोचन किया गया, जो वैज्ञानिक सार, व्यावहारिक लेखन और मानकीकृत प्रोटोकॉल का संकलन है । डॉ। रहमान, संगठन सचिव ने कहा कि इन कार्यशालाओं का उद्देश्य छात्रों और शोधकर्ताओं के ज्ञान को हाथों की प्रशिक्षण द्वारा बढ़ावा देना है और क्षमता निर्माण करना है। उन्होंने उल्लेख किया कि यह पहली बार नहीं है जब एसजीपीजीआई ने इस इंडो-यूएस कार्यशाला को आयोजित किया है। पहली बार 2007 में, फिर 2014, 2017 और अब 2024 में एक सिल्वर जुबली सम्मेलन के रूप में।
प्रोफेसर राजेश कश्यप, एसजीपीजीआई के हेमेटोलॉजी विभाग के हेड, और डॉ रेखा गौर, ने सभी प्रतिनिधियों, फैकल्टी सदस्यों, और संगठन समिति के योगदान के लिए अपनी आभारी भावना व्यक्त की। उन्होंने इस प्रकार के सहयोगी प्लेटफॉर्म की महत्वता को दिखाया है जो चिकित्सा शोध को आगे बढ़ाने और मरीज की देखभाल में सुधार करने में सहायक है। 25वें इंडो-यूएस फ्लो साइटोमेट्री सम्मेलन और सीएमई चिकित्सा में फ्लो साइटोमेट्री के बढ़ते महत्व का साक्षी है, जो अंतरराष्ट्रीय सहयोग और ज्ञान विनिमय को बढ़ावा देता है। यह कार्यक्रम भविष्य के सम्मेलनों के लिए एक नई मानक स्थापित करती है, जो इस क्षेत्र में और भी नई नवाचार और प्रगति लाने का वादा करते हैं।

ट्रांसफार्मर फैक्ट्री में हुई डकैती का खुलासा 4 गिरफ्तार लूटा माल व डीसीएम किया बरामद

❖ गैंग का मुखिया समेत 5 बदमाश पुलिस की पकड़ से दूर दिल्ली बेचने के लिए जा रहे थे, रास्ते से पुलिस ने दबोचा।

❖ 27 जनवरी को ट्रांसफार्मर फैक्ट्री में पड़ी थी डकैती।

संवाददाता

लखनऊ। क्राइम ब्रांच लखनऊ, क्राइम टीम डीसीपी पूर्वी, सर्विलांस सेल एडीसीपी पूर्वी, थाना चिनहट व थाना गोमतीनगर की संयुक्त पुलिस टीम द्वारा डकैती की घटना का सफल अनावरण करते हुए चार शातिर डकैतों को गिरफ्तार किया गया है। साथ ही 21 बोरी कॉपर तार, पांच बोरी लोहे की प्लेटें (संयुक्त कीमत लगभग 40,00,000 रुपये) व 4,200 रुपये नगद समेत घटना में प्रयुक्त एक डीसीएम ट्रक, दो अवैध तमंचा 315 बोर, चार जिन्दा कारतूस 315 बोर व चार मोबाइल फोन बरामद किया है। पूछताछ में पता चला कि लूटे कॉपर वायर को एक बड़े स्क्रैप कारोबारी को बेचने की तैयारी में थे। वारदात के दौरान शहर में एंट्री करने से पहले डीसीएम का नंबर मिटा दिया था। इसके अलावा इनके वारदात के समय इनके द्वारा मोबाइल का इस्तेमाल नहीं किया गया था। जिसकी वजह से अभियुक्तों को पकड़ने में परेशानी आ रही थी। अभियुक्त लूटा माल को बेचने के दिल्ली ले जा रहे थे, जिन्हें बीच रास्ते से गिरफ्तार कर लिया गया। अभी लूट का सरगना अनवार व मिराज और इसके चार अन्य साथी फरार हैं। जिनकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस लगातार प्रयासरत है।

डीसीपी पूर्वी प्रबल प्रताप सिंह ने डकैती का पर्दाफाश करते हुए बताया कि 27 जनवरी को संजीव अग्रवाल द्वारा लिखित तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज किया। उनके द्वारा बताया गया कि इनके देवा रोड अपट्रान स्थित बालाजी ट्रांसफार्मर फैक्ट्री में 8-10 अज्ञात व्यक्तियों द्वारा दीवाल फांद कर फैक्ट्री में घुसकर सुरक्षा गार्ड को बंधक बनाकर पिस्टल दिखाते हुए कमरे में बंधक बनाकर फैक्ट्री के अन्दर से कापर का तार व लोहे की प्लेटें लूट कर ट्रक में लादकर भाग गये है। उक्त तहरीर पर तत्काल मुकदमा दर्ज कर थाना चिनहट सर्विलांस सेल, क्राइम टीम व अन्य विभिन्न टीमें गठित कर घटना के अनावर के लिए इलेक्ट्रानिक साक्ष्य, सीसीटीवी कैमरों व सोशल मीडिया अन्य साक्ष्य संकलन की कार्रवाई के क्रम में मटियारी चौकी पर घटना में प्रयुक्त वाहन डीसीएम के संबंध में आपस में विचार विमर्श कर रहे थे। वाहन स्वामी के संबंध में ई-चालान एप पर देखा गया तो धरातलीय अभिसूचना एंव सोशल मीडिया एंव इलेक्ट्रॉनिक साधनों के माध्यम से वाहन स्वामी के सत्यापन व अन्य जानकारी के लिए प्रभारी निरीक्षक चिनहट टीम के साथ जनपद बरेली के लिए प्रस्थान किया गया। वाहन स्वामी के घर के आसपास गोपनीय तौर पर जानकारी करने के लिए मुखबिर खास को घटना के संबंध में अवगत कराकर मामूर किया गया। कुछ देर बाद मुखबिर खास ने आकर बताया कि वाहन स्वामी अन्य साथी डीसीएम से कुछ माल लेकर दिल्ली जाने के लिए निकले है यदि जल्दी करें तो हो सकता है पकड़ा जा सकता है और बरामादगी हो सकती है। इस सूचना पर विश्वास कर प्रभारी निरीक्षक टीम के साथ अपने अपने साधनों से तत्काल दिल्ली जाने वाले मार्ग पर निकले के लिए दिशा निर्देश देकर प्रस्थान किया गया। बरेली से निकल कर लगभग 15 से 20 कि.मी चलने के बाद डीसीएम दिखाई दी। वाहन की स्पीड बढ़ाकर डीसीएम को रोकने का प्रयास किया गया तो डीसीएम के चालक द्वारा जानबूझ कर मेरी गाड़ी में साइड मारने का प्रयास किया।

पुनः दाहिने तरफ गाड़ी को ओवर टेक कर जैसे ही गाड़ी के सामने आकर हाथ के इशारे रोकने का प्रयास किया गया तो चालक द्वारा और स्पीड तेज कर गाड़ी के ऊपर जान से मारने की नियत चढ़ाने का प्रयास किया जिसमें टीम बाल बाल बचते उक्त डीसीएम को फतेहगंज पश्चिमी बाईपास बरेली पर रोक लिया गया। उक्त डीसीएम में बैठे व्यक्ति उतर कर भागने लगे कि दौड़ा कर घेर घार कर चारों व्यक्तियों को पकड़ लिया। गिरफ्तार अभियुक्त का नाम सलीम मियां पुत्र फुन्दन मियां, गुड्डू पुत्र हीम बख्श,अली हसन पुत्र गुलाम हुसैन, नन्द किशोर उर्फ सागर पुत्र परमानन्द है। पूछताछ करने के बाद चारों अभियुक्तों को जेल भेज दिया गया। उन्होंने बताया कि गैंग का सरगना अनवार के ऊपर बरेली में पहले से करीब पांच मुकदमे दर्ज है। यह शातिर किस्म का अपराधी है। सरगना के गिरफ्तार होने के बाद भी वारदात की पूरी जानकारी मिल पाएंगी।

शिक्षामित्रों का मानदेय बढ़ाने पर विचार कर रही योगी सरकार

संवाददाता

लखनऊ। बेसिक शिक्षा राज्यमंत्री संदीप सिंह ने मंगलवार को विधानसभा में कहा कि सरकार शिक्षामित्रों के लिए और सुविधाएं बढ़ाने पर विचार कर रही है। सपा विधायक स्वामी ओमवेश के सवाल के जवाब में संदीप सिंह ने कहा कि हाईकोर्ट के आदेश पर बेसिक शिक्षा निदेशक की अध्यक्षता में कमेटी गठित की गई है। उसकी रिपोर्ट आने पर विचार किया जाएगा। वहीं एक अन्य सवाल के जवाब में संदीप सिंह ने कहा कि परिषदीय स्कूलों में शिक्षकों की संख्या पर्याप्त है। लिहाजा भर्ती का कोई प्रस्ताव विचाराधीन नहीं हैं। उन्होंने कहा कि अनुदेशक, शिक्षा मित्र व सहायक अध्यापकों की कुल संख्या 6,28,915 है। प्राथमिक में 30 छात्र पर एक शिक्षक व उच्च प्राथमिक विद्यालय में 35 छात्र पर एक शिक्षक का प्रावधान है। इसके अनुसार परिषदीय विद्यालयों पर्याप्त शिक्षक हैं। वहीं 69,000 सहायक अध्यापक भर्ती मामला उच्च न्यायालय में विचाराधीन है।

एक नज़र

20 दिनों से पुल का निर्माण बंद, लोगों में नाराजगी

लखनऊ। गोमती नदी पर बन रहा पुल का निर्माण चार साल में भी पूरा नहीं हो सका है। यहां की करीब 35 हजार आबादी आवागमन को लेकर परेशान हैं। करीब 20 दिन से निर्माण कार्य पूरी तरह से बंद होने से लोगों में नाराजगी बढ़ रही है। बाजार शुकुल के पाली गांव से गुजरने वाली गोमती नदी के घाट पर चार वर्ष पहले 1167.73 लाख रुपये से पुल का निर्माण शुरू हुआ। अभी तक कार्य अधूरा है। यहां के लोगों को 15 किलोमीटर की अधिक दूरी तय करनी पड़ रही है। इसमें रोजाना कई ऐसे यात्री भी होते हैं, जिन्हें अयोध्या दर्शन के लिए जाना होता है। इस समस्या से पूरे बोधी, समदा, पूरे सूचित, बढ़इन का पुरवा, पूरे काबरियन व पूरे कुर्मी समेत 25 से अधिक गांवों के ग्रामीण परेशान हैं। अयोध्या जाने वाले श्रद्धालुओं को भी 15 किमी की अतिरिक्त दूरी तय करनी पड़ रही है। जेई अंकित सिंह ने बताया कि ठंड से मजदूर नहीं आ रहे हैं। दोबारा बुलाया गया है, जल्द ही काम शुरू हो जाएगा। मार्च के अंत तक सेतु निर्माण कार्य को पूरा कराते हुए लोगों को आवागमन में सुविधा दी जाएगी।

बरसात के बाद खिली धूप, तापमान में हुए उतार-चढ़ाव, एक सप्ताह बाद फिर से बारिश के आसार

लखनऊ। विगत पांच दिनों तक कभी बूंदाबांदी तो कभी मध्यम बरसात का सिलसिला थमा और मंगलवार को मौसम खुला। दिन और रात के पारे में भी वृद्धि शुरू हो गई। रात का पारा तो ज्यादातर इलाकों में सामान्य से अधिक हो गया है। अधिकतम तापमान बढ़ तो रहा है, पर ये अभी भी सामान्य से कम बना हुआ है। मौसम विभाग का कहना है कि दिन और रात की ठंड रहेगी। एक सप्ताह तक मौसम ऐसा ही रहने के आसार हैं। 14 फरवरी के आसपास फिर बूंदाबांदी के आसार बन रहे हैं। आंचलिक मौसम विज्ञान केन्द्र के वरिष्ठ मौसम वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह के मुताबिक, न्यूनतम तापमान प्रयागराज में 16.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। सुल्तानपुर, नजीबाबाद, मुरादाबाद, मुजफ्फरनगर, मेरठ और आगरा में पारा 10 से नीचे रहा, अधिकतर इलाकों में 14.1 डिग्री तक रहा। वहीं अधिकतम तापमान वाराणसी में 24.5, उरई में 24.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। गोरखपुर में 18.3 डिग्री रहा, अन्य में 19 से अधिक ही रहा। अगले चार-पांच दिनों तक पारे में दो से तीन डिग्री तक की बढ़ोतरी होने के आसार हैं। बारिश से बढ़ी गलन से परेशान लोगों को मंगलवार को खिली धूप ने राहत दी। हालांकि सुबह हलका कोहरा था, लेकिन 12 बजे के करीब अच्छी धूप खिली। मौसम विभाग के मुताबिक, एक सप्ताह तक फिलहाल मौसम ऐसा ही रहेगा। आंचलिक मौसम विज्ञान केन्द्र के अतुल कुमार सिंह के मुताबिक, दिन का पारा 21.7 डिग्री दर्ज हुआ, जो कि सोमवार के 19.6की तुलना में 2.1 डिग्री ज्यादा है। जबकि रात का पारा 14.1 की तुलना में 11.1 डिग्री रहा। इसमें 3 डिग्री से अधिक की गिरावट आई।

50 साल बाद 22 लाख जरूरतमंदों की थाली में बाजरे की रोटी

लखनऊ। जिले में करीब 22 लाख जरूरतमंदों में पौष्टिकता बढ़ाने के लिए मार्च माह से बाजरे का मुफ्त वितरण होगा। करीब 50 साल बाद जिले को 42281 क्विंटल मोटा अनाज (बाजरा) आवंटित किया गया है। अंत्योदय कार्ड पर सात किलो और पात्र गृहस्थी की प्रत्येक यूनिट पर एक-एक किलो बाजरा मिलेगा। गेहूं व चावल के साथ बाजरे के वितरण को लेकर प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। मोटे अनाज का प्रयोग तेजी से बढ़ा है। सरकार भी मोटे अनाज को बढ़ावा दे रही है। इसके लिए जिले स्तर पर अब तक कई बड़े आयोजन भी हो चुके हैं। लंबे समय बाद बाजार में मोटा अनाज भी आसानी से मिलने लगा है। करीब 50 साल पहले कोटे की दुकानों से जरूरतमंदों में मोटे अनाज का ही ज्यादा वितरण किया जाता था, लेकिन बाद में उत्पादन ठप होने के कारण गेहूं, चावल का ही वितरण जरूरतमंदों में किया जा रहा है। सरकार ने अब सभी जरूरतमंदों की थाली में मोटा अनाज परोसने का निर्णय लिया है। अगले महीने से जिले में बाजरे का वितरण कार्डधारकों में होगा। इसके लिए गेंहू, चावल के साथ ही 42281 क्विंटल बाजरे का आवंटन मिला है। मोटा अनाज मिलने के बाद वितरण के लिए प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।

मार्च के लिए राशन का आवंटन
राशन कुल आवंटन
कुल गेहूं का आवंटन 33348.29 क्विंटल
कुल चावल का आवंटन 55442.45 क्विंटल
कुल बाजरे का आवंटन 42281.16 क्विंटल
आवंटन कम होने से शहर व राही में नहीं बंटेगा बाजरा

पात्र गृहस्थी के कार्डों की प्रत्येक यूनिट को अब तक तीन किलो चावल व दो किलो गेहूं मिलता था, लेकिन मार्च माह से प्रत्येक यूनिट को एक किलो बाजरा के साथ दो किलो चावल व दो किलो गेहूं मिलेगा। आवंटन कम होने के कारण शहर व राही के जरूरतमंद को बाजरा नहीं मिलेगा। अमावां ब्लॉक में भी सभी पात्र गृहस्थी की यूनिटों को बाजरा नहीं मिलेगा। प्रत्येक अंत्योदय कार्ड पर सात किलो बाजार, 14 किलो गेहूं और 14 किलो चावल का वितरण किया जाएगा। जिले में मार्च माह से अंत्योदय व पात्र गृहस्थी के राशन कार्डधारकों में गेहूं और चावल के साथ ही बाजरे का वितरण होगा। जिले को बाजरा आवंटित होने के बाद वितरण के लिए प्रक्रिया शुरू करा दी गई है।

विमल कुमार शुक्ला, जिला पूर्ति अधिकारी

राहुल गांधी की न्याय यात्रा में शामिल होंगे अखिलेश

खरगे की तरफ से मिले निमंत्रण को स्वीकारा

संवाददाता

लखनऊ। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव राहुल गांधी की न्याय यात्रा में शामिल होंगे। वह रायबरेली और अमेठी में इस यात्रा का हिस्सा बनेंगे। जल्द ही यह यात्रा यूपी में प्रवेश करने वाली है। अखिलेश यादव ने कुछ दिन पहले ही कहा था कि उन्हें इस यात्रा में शामिल होने का आमंत्रण नहीं मिला है। तब पार्टी प्रवक्ता जयराम रमेश ने कहा था कि रूट तय होने के बाद सहयोगी दलों को यात्रा के लिए सूचित किया जाएगा। मंगलवार को कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकाअर्जुन खरगे ने अखिलेश यादव को यात्रा के लिए आमंत्रित किया जिसे अखिलेश ने स्वीकार कर लिया है। अखिलेश यादव ने कांग्रेस को बधाई देते हुए निमंत्रण स्वीकार किया और 16 फरवरी को उत्तर प्रदेश में प्रवेश करने के पश्चात अमेठी या रायबरेली में भारत जोड़ो न्याय यात्रा में शामिल होने के लिए अपनी सहमति दी। साथ ही उन्होंने कहा कि आशा है ये 'भारत जोड़ो न्याय यात्रा' उप्र में प्रवेश करके PDA की रणनीति से जुड़ेगी और हमारे 'सामाजिक न्याय' और 'परस्पर सौहार्द' के आंदोलन को और आगे ले जाएगी। 'INDIA' की टीम और 'PDA' की रणनीति, जीत का नया इतिहास लिखेगी।

आतंकी पन्नू की वॉयस रिकॉर्डिंग का सैंपल लेगी एटीएस

प्राण प्रतिष्ठा में हमले की साजिश का मामला

संवाददाता

लखनऊ। अयोध्या में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा समारोह के दौरान हमले की साजिश रचने के आरोपी खालिस्तानी आतंकी गुरपतवंत सिंह पन्नू की ओरिजनल वॉयस रिकॉर्डिंग का सैंपल के लिए यूपी एटीएस, पंजाब पुलिस से अनुरोध करेगी। दरअसल, इस साजिश को अंजाम देने आए तीन संदिग्धों को हिरासत में लिए जाते ही पन्नू ने ऑडियो जारी किया था। इसमें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को धमकी देने के साथ अपने साथियों को पुलिस द्वारा प्रताड़ित करने का दावा किया था। संदिग्धों को हिरासत में लेते ही पन्नू का ऑडियो मैसेज जारी होने से पुलिस अधिकारी भी हैरान हैं। इसी वजह से उसके नेटवर्क को खंगालने के लिए पंजाब पुलिस से कई बिंदुओं पर जानकारी मांगने के साथ पन्नू के खिलाफ दर्ज मुकदमों और उसकी ओरिजनल वॉयस रिकॉर्डिंग का सैंपल लेने की कवायद की जा रही है। वहीं, अयोध्या से पकड़े गए गैंगस्टर शंकर लाल दुसाद और उसके दोनों साथियों को एटीएस ने राजस्थान ले जाकर छानबीन की। हालांकि उनकी दी जानकारी को सत्यापित नहीं किया जा सका। आरोपियों ने अपने मोबाइल के सिम और गाड़ी के बारे जो जानकारी थी, वह गलत पाई गई। जिस व्यक्ति के नाम से सिम खरीदा गया था, उसने भी तीनों से कोई संबंध होने से मना कर दिया है। गौरतलब है कि खुफिया एजेंसियों की सूचना पर एटीएस ने 18 जनवरी को अयोध्या के त्रिमूर्ति होटल के पास से शंकर लाल दुसाद और उसके साथी अजीत कुमार शर्मा व प्रदीप पुनिया को दबोचा था। पूछताछ में सामने आया था कि वे विदेश में रहने वाले खालिस्तानी आतंकी हरमिंदर सिंह लांडा और पन्नू के इशारे पर अयोध्या में अपने वाहन पर श्रीराम का झंडा लगाकर रेकी कर रहे थे। उनके पास से बरामद स्कार्पियो का पंजीकरण शंकरलाल के नाम पर मिला था, जबकि वाहन पोर्टल पर इसका पंजीकरण फरीदाबाद निवासी श्रवण कुमार सरसवा के नाम पर पाया गया था।

सदर कैंट में संदिग्ध विस्फोट से युवक की मौत तेज धमाका होने से क्षेत्र में मची अफरातफरी

संवाददाता

लखनऊ। थाना कैंट इलाके में कबाड़ की दुकान में संदिग्ध विस्फोट से एक युवक की मौके पर मौत कैंट के लकड़ी मोहाल इलाके में हरदोई निवासी कृष्ण कुमार (34) कबाड़ का काम करते थे। मंगलवार दोपहर करीब 3 बजे के आस पास विस्फोट हुआ जिसमे कुष्ण कुमार की मौके पर मौत हो गई। कबाड़ की दुकान लक्ष्मीकांत गुप्ता उर्फ पप्पू निवासी आजाद मोहाल सदर बाजार थाना कैंट की है। लकड़ी मोहाल सदर बाजार स्थित कबाड़ की दुकान में हुए अचानक संदिग्ध विस्फोट से दुकान में लगभग 3 से 4 वर्षो से मजदूरी कर रहे थे। रामकृष्ण उम्र 34 वर्ष पुत्र बैजनाथ निवासी मुन्ना लाल खेड़ा थाना बेनीगंज हरदोई की मौके पर मृत्यु हो गई। कबाड़ की दुकान पर तीन मजदूर नियमित रूप से कार्यरत थे। जिसमें मृतक के अतिरिक्त उसका सगा बहनोई बबलू कुमार व बशारत अली साथ में ही कार्य करता थे जिसमें बबलू कुमार विस्फोट के समय मौजूद था जिसके अनुसार विस्फोट के समय आवाज एवं गुबार उठ था। विस्फोट कैसे हुआ इसकी जानकारी किसी को नही हुई। मौके पर फॉरेंसिक और बीडीडीएस द्वारा भी जांच की गई। पर अभी तक जांच में किसी विस्फोटक पदार्थ के संबंध में स्थति स्पष्ट नहीं हुई। मौके पर डीसीपी पूर्वी, एडीसीपी पूर्वी और एसीपी कैंट द्वारा घटनास्थल का निरीक्षण किया गया है। मृतक के शव के संबंध में स्थानीय पुलिस द्वारा विधिक कार्रवाई की गई।

दो अफसरों को अवमानना नोटिस

एक अंक विवाद में नहीं हुआ आदेश का पालन

संवाददाता

लखनऊ। दो महीने बाद भी अभ्यर्थियों को एक अतिरिक्त अंक देने समेत पूरी प्रक्रिया न पूरी करने पर कोर्ट ने अवमानना का नोटिस जारी किया है। मामले में सरकार की ओर से कोर्ट को आश्वासन भी दिया गया था। 69 हजार शिक्षक भर्ती के एक अंक विवाद मामले में मंगलवार को इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ पीठ ने बेसिक शिक्षा विभाग के प्रमुख सचिव एमकेएस सुंदरम और सचिव अपर्णा यू को अवमानना नोटिस जारी किया। न्यायमूर्ति श्रीप्रकाश सिंह की एकल पीठ ने यह आदेश अभ्यर्थी विकास सिंह की अवमानना याचिका पर दिया। याची के अधिवक्ता का कहना था कि अफसरों ने 28 नवंबर 2023 को हाईकोर्ट के समक्ष दिए गए उस आश्वासन को लेकर अभी तक पालन नहीं किया। 28 नवंबर 2023 के आदेश के तहत अभ्यर्थियों को एक अतिरिक्त अंक देने समेत संपूर्ण प्रक्रिया दो माह में पूरी करने का आश्वासन सरकार की ओर से कोर्ट को दिया गया था। लेकिन, दो माह बाद भी इस आदेश का पालन नहीं किया गया, जो न्यायालय के आदेश की अवमानना है। इस पर कोर्ट ने बेसिक शिक्षा विभाग के प्रमुख सचिव और सचिव को नोटिस जारी कर इस मामले को 11 मार्च से शुरू होने वाले सप्ताह में सूचीबद्ध कर पेश करने का आदेश दिया।

निजी अस्पताल में भी मिलेगा कैंसर का कैशलेस इलाज

लखनऊ। जिले के 16.27 लाख गरीबों के लिए राहत भरी खबर है। कैंसर के चपेट में आने के बाद अब बड़े शहरों के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे। एम्स में कैंसर का इलाज शुरू होने के साथ ही प्रधानमंत्री आरोग्य योजना से शहर एक कैंसर हॉस्पिटल भी कैशलेस इलाज के लिए पास हो गया है। योजना से जुड़ने के बाद अब कैंसर रोगियों को दवा के साथ रेडिएशन व सर्जरी की सुविधा मिलेगी। एम्स में तीनों विधा से कैंसर के इलाज की पर्याप्त सुविधा नहीं है। गरीबों को पांच लाख रुपये तक कैशलेस इलाज की सुविधा देने के लिए प्रधानमंत्री आरोग्य योजना संचालित है। वर्तमान समय में जिले के 10 निजी अस्पतालों के साथ ही एम्स समेत 21 सरकारी अस्पतालों को योजना से जोड़ा गया है।

अखिलेश संग सीट शेयरिंग पक्का करते-करते बीजेपी संग चले गए जयंत चौधरी

संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में इंडिया गठबंधन को बड़ा झटका लग सकता है। खबर है कि आरएलडी के मुखिया जयंत चौधरी की बीजेपी से डील हो गई है। इसके बाद वह सपा का साथ छोड़ सकते हैं और एनडीए खेमे में जा सकते हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, बीजेपी ने जयंत चौधरी को लोकसभा की 4 सीटें ऑफर की हैं। इसके बाद से आरएलडी और सपा की दोस्ती टूटने की चर्चा तेज हो गई है। बीते दिनों ये खबर आ रही थी कि सीट बंटवारे को लेकर सपा और आरलएडी में खींचतान चल रही है। मीडिया में जो खबरें चल रही हैं उसके मुताबिक, भाजपा ने हाथरस, बागपत, मथुरा और अमरोहा की लोकसभा सीट आरएलडी को ऑफर की है। वहीं जयंत चौधरी मुजफ्फरनगर और कैराना में से एक सीट और चाह रहे हैं। बता दें कि इससे पहले लखनऊ में जयंत चौधरी की अखिलेश यादव से मुलाकात हुई थी, जिसमें सपा ने आरएलडी को सात सीटें दी थीं। इनमें बागपत, मुजफ्फरनगर, कैराना, मथुरा और हाथरस तो तय थे लेकिन दो सीटों पर बात नहीं बन पाई थी। मेरठ, बिजनौर, अमरोहा, नगीना और फतेहपुर सीकरी में से कोई दो सीट आरएलडी को दी जानी थी। जानकारी के मुताबिक, इसके अलावा अखिलेश यादव चाहते थे कि मुजफ्फरनगर, कैराना और बिजनौर में आरएलडी के सिंबल पर सपा के उम्मीदवार खड़े हों। इन्हीं सबको लेकर दोनों ही दलों में खींचतान चल रही थी। दरअसल, मुजफ्फरनगर से सपा हरेंद्र मलिक को चुनाव लड़ाना चाहती है, जिसका स्थानीय आरएलडी नेता विरोध कर रहे हैं। मलिक की चौधरी परिवार से पुरानी अदावत है। ऐसे में इसे लेकर भी दोनों दलों में टेंशन बना हुआ था।

मेडिकल स्टोर बंद कराया, तीन दवाओं के नमूने भरे

लखनऊ। महराजगंज में बिना फॉर्मासिस्ट के संचालित मिले मेडिकल स्टोर को बंद करा दिया गया है। तीन संदिग्ध दवाओं के नमूने लेकर जांच के लिए भेजे गए है। इसके अलावा तीन दवाओं की बिक्री भी प्रतिबंधित की गई है। तीन मेडिकल स्टोर संचालकों को नोटिस देकर सात दिन में जवाब देने के आदेश दिए गए हैं। ऐसा न करने पर लाइसेंस निलंबित करने की चेतावनी दी गई है। ड्रग इंस्पेक्टर शीवेंद्र प्रताप सिंह ने महराजगंज स्थित राज मेडिकल स्टोर का निरीक्षण किया तो दवा की दुकान बिना फार्मासिस्ट के ही संचालित मिली। अन्य कई खामियां भी मिलीं। एक दवा का नमूना भरने के बाद दुकान को बंद करा दिया। संचालकों को फार्मासिस्ट की व्यवस्था न होने तक दुकान बंद रखने के निर्देश दिए। इसके अलावा शिव मेडिकल स्टोर और कृष्णा मेडिकल स्टोर से भी एक-एक दवा का नमूना भरा।

आचार्य प्रमोद कृष्णम ने योगी आदित्यनाथ से की शिष्टाचार भेट

एजेंसी

लखनऊ। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता आचार्य प्रमोद कृष्णम ने मंगलवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात कर कल्कि धाम के शिलान्यास समारोह में आने का निमंत्रण दिया। इसके बाद पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा कि संभल में आगामी 19 फरवरी को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कल्कि धाम का शिलान्यास करेंगे। मुझे विश्वास हैं कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी कार्यक्रम में पधारेंगे। वहीं, कांग्रेस छोड़कर भाजपा में जाने को लेकर पूछे गए सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि मैंने तो कुछ भी छोड़ा नहीं है। मैंने राम भगवान को पकड़ा है। कल्कि धाम बनाने का संकल्प लिया है। पीएम और सीएम को आमंत्रित करना यदि कोई गुनाह है, तो मैं उसकी सजा भुगतने को तैयार हूं। कांग्रेस नेताओं को निमंत्रण दिए जाने की बात पर कहा कि भगवान सबके हैं। इंडिया गठबंधन पर बोले कि वेंटिलेटर पर आने के बाद नीतीश कुमार ने इसका पटना में अंतिम संस्कार कर दिया है। उसका जैसे जन्म हुआ था, वैसे ही बीमारियों से ग्रस्त हो गया। बता दें कि प्रमोद कृष्णम वर्ष 2019 में कांग्रेस के टिकट पर राजनाथ सिंह के खिलाफ लखनऊ से लोकसभा चुनाव लड़ चुके हैं।

सम्पादकीय

यूसीसी पर उत्तराखंड ने जो सार्थक पहल की है उससे दूसरे राज्यों को भी प्रेरणा लेनी चाहिए

आज जबकि भारत विश्वगुरु बनने की ओर अग्रसर है, जी-20 देशों की अध्यक्षता प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत कर चुका है, भारत की अहिंसा एवं योग को दुनिया ने स्वीकारा है, विश्व योग दिवस एवं विश्व अहिंसा दिवस जैसे आयोजनों की संरचना हुई है। उत्तराखंड मंत्रिमंडल ने समान आचार संहिता (यूसीसी) के ड्राफ्ट बिल को मंजूरी दे दी और इसे विधानसभा में पेश भी कर दिया। अब चार दिनों के विशेष सत्र में इसे आसानी से पारित भी कर दिया जायेगा। इस तरह देश को आजादी मिलने के बाद यूसीसी लागू करने वाला उत्तराखंड पहला राज्य बन जाएगा। इससे पहले गोवा में यह लागू है। आजादी के अमृतकाल में समानता की स्थापना के लिये इससे अपूर्व वातावरण निर्मित होगा। यह उत्तराखण्ड ही नहीं, समूचे भारत की बड़ी जरूरत है। समानता एक सार्वभौमिक, सार्वकालिक एवं सार्वदेशिक लोकतांत्रिक मूल्य है। इस मूल्य की प्रतिष्ठापना के लिये समान कानून की अपेक्षा है। यूसीसी देश की राजनीति के सबसे विवादित मुद्दों में रहा है। हालांकि संविधान में भी नीति निर्देशक तत्वों के रूप में इसका उल्लेख है। इस लिहाज से राजनीति की सभी धाराएं इस बात पर एकमत रही हैं कि देश में सभी पंथों, आस्थाओं से जुड़े लोगों पर एक ही तरह के कानून लागू होने चाहिए। राष्ट्र का कोई भी व्यक्ति, वर्ग, सम्प्रदाय, जाति जब-तक कानूनी प्रावधानों के भेदभाव को झेलेगा, तब तक राष्ट्रीय एकता, एक राष्ट्र की चेतना जागरण का स्वप्न पूरा नहीं हो सकता। उत्तराखण्ड एवं गोवा के बाद असम और गुजरात जैसे राज्य भी समान आचार संहिता को लागू करने की तैयारी में हैं। भारतीय जनता पार्टी एवं नरेन्द्र मोदी सरकार यूसीसी लागू करने की मांग जोरदार तरीके से करती आ रही है और इस मुद्दे को प्रभावी ढंग से उठाया है। भारतीय न्यायपालिका की तरफ से भी बार-बार इसे लागू करने की जरूरत बताई जा रही है। ऐसे में यह माना जा सकता है कि देश में इसे लेकर जागरूकता हाल के दिनों में बढ़ी है और इसका श्रेय भाजपा को दिया जाना चाहिए। समान नागरिक संहिता दरअसल एक देश एक कानून की अवधारणा पर आधारित है। यूनिफॉर्म सिविल कोड के अंतर्गत देश के सभी धर्मों, पंथों और समुदायों के लोगों के लिए एक ही कानून की व्यवस्था का प्रस्ताव है। भारत के विधि आयोग ने राजनीतिक रूप से अतिसंवेदनशील इस मुद्दे पर देश के तमाम धार्मिक संगठनों से सुझाव आमंत्रित किए थे। यूसीसी में संपत्ति के अधिग्रहण और संचालन, विवाह, उत्तराधिकार, तलाक और गोद लेना आदि को लेकर सभी के लिए एकसमान कानून बनाया जाना है। पिछले कुछ समय से इस पर अच्छी खासी बहस चली है। लिहाजा एक-एक करके अलग-अलग राज्यों में इसे लागू करने और वहां के अनुभव के आधार पर आगे बढ़ने का ख्याल गलत नहीं कहा जा सकता। उम्मीद की जानी चाहिए कि उत्तराखण्ड विधानसभा में इसे पेश किए जाने और वहां बहस शुरू होने के बाद इससे जुड़े तमाम पहलुओं पर रोशनी पड़ेगी और सभी दुविधाएं, शंकाएं एवं संदेह दूर हो जाएंगे। जो अन्य राज्यों के लिये लागू करने का आधार बनेगी। भारतीय संविधान के मुताबिक भारत एक धर्म-निरपेक्ष देश है, जिसमें सभी धर्मों व संप्रदायों (जैसे- हिंदू, मुस्लिम, सिख, बौद्ध, आदि) को मानने वालों को अपने-अपने धर्म से सम्बन्धित कानून बनाने का अधिकार है। भारत में दो प्रकार के पर्सनल लॉ हैं। पहला है हिंदू मैरिज एक्ट 1956 जो कि हिंदू, सिख, जैन व अन्य संप्रदायों पर लागू होता है। दूसरा, मुस्लिम धर्म को मानने वालों के लिए लागू होने वाला मुस्लिम पर्सनल लॉ। ऐसे में जबकि मुस्लिमों को छोड़कर अन्य सभी धर्मों व संप्रदायों के लिए भारतीय संविधान के प्रावधानों के तहत बनाया गया हिंदू मैरिज एक्ट 1956 लागू है तो मुस्लिम धर्म के लिए भी समान कानून लागू होने की बात की जा रही है, जो प्रासंगिक होने के साथ नये बन रहे भारत की अपेक्षा है। अभी मीडिया में छन-छन कर जो सूचनाएं आ रही हैं, उनके मुताबिक शादी, तलाक, अडॉप्शन से जुड़े कानूनों में एकरूपता के जो प्रावधान हैं, वे यूसीसी की मूल अवधारणा के अनुरूप ही हैं। बहरहाल, उत्तराखण्ड राज्य सरकार की यह एक बड़ी पहल है और इस पर अमल की प्रक्रिया ही नहीं, इसके नतीजों पर भी पूरे देश की नजरें रहेंगी। आज जबकि भारत विश्वगुरु बनने की ओर अग्रसर है, जी-20 देशों की अध्यक्षता प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत कर चुका है, भारत की अहिंसा एवं योग को दुनिया ने स्वीकारा है, विश्व योग दिवस एवं विश्व अहिंसा दिवस जैसे आयोजनों की संरचना हुई है। इन सब सकारात्मक स्थितियों को देखते हुए भारत की कानून विषयक विसंगतियों को दूर करना अपेक्षित है। क्योंकि विश्व के कई देशों में समान नागरिक संहिता का पालन होता है। इन देशों में पाकिस्तान, बांग्लादेश, मलेशिया, तुर्किये, इंडोनेशिया, सूडान, मिस्र, अमेरिका, आयरलैंड, आदि शामिल हैं। इन सभी देशों में सभी धर्मों के लिए एकसमान कानून है और किसी धर्म या समुदाय विशेष के लिए अलग कानून नहीं हैं। लेकिन भारत में राजनीतिक फायदे के लिए तुष्टिकरण का ऐसा खेल खेला गया, जो विविधता में एकता एवं वसुधैव कुटुम्बकम के दर्शन को तार-तार कर रहा है। निजी कानूनों के कारण कहीं-कहीं विसंगति के हालात भी पैदा हो रहे हैं। सामुदायिक घटनाओं को भी राजनीतिक दृष्टि से देखा जाता है, घटना को देखने का यह नजरिया वास्तव में वर्ग भेद को बढ़ावा देने वाला है। देश का मुस्लिम भी समाज का एक हिस्सा है, जिसे इसी रूप में प्रस्तुत करने की परिपाटी चलन में आ जाए तो भेद करने वाले विचारों पर लगाम लगाई जा सकती है। लेकिन हमारे देश के कुछ राजनीतिक दलों ने मुसलमानों को ऐसे भ्रम में रखने के लिए प्रेरित किया कि वह भी ऐसा ही चिंतन करने लगा, जबकि सच्चाई यह है कि आज के मुसलमान बाहर से नहीं आए, वे भारत के ही हैं। परिस्थितियों के चलते उनके पूर्वज मुसलमान बन गए। वे सभी स्वभाव से आज भी भारतीय हैं और विचार से सनातनी हैं, लेकिन देश के राजनैतिक दल अपने राजनीतिक लाभ एवं वोट बैंक के चलते मुसलमानों के इस सनातनी भाव को प्रकट करने का अवसर नहीं दे रहे। मुस्लिम पर्सनल लॉ में अनेक विसंगतियां हैं, जैसे शादीशुदा मुस्लिम पुरुष अपनी पत्नी को महज तीन बार तलाक कहकर तलाक दे सकता था। इसके दुरुपयोग के चलते सरकार ने इसके खिलाफ कानून बनाकर जुलाई 2019 में इसे खत्म कर दिया है। तीन तलाक बिल पास होने के बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा था कि सदियों से तीन तलाक की कुप्रथा से पीड़ित मुस्लिम महिलाओं को न्याय मिला है। वर्तमान में हम देख रहे हैं कि कुछ लोग समान नागरिक कानून का विरोध कर रहे हैं, जबकि मुस्लिम समाज की महिलाएं इस कानून के समर्थन करने के लिए आगे आ रही हैं। 1985 में शाहबानो केस के बाद यूनिफॉर्म सिविल कोड का मामला सुर्खियों में आया था। सुप्रीम कोर्ट ने तलाक के बाद शाहबानो के पूर्व पति को गुजारा भत्ता देने का आदेश दिया था। कोर्ट ने अपने फैसले में यह भी कहा था कि पर्सनल लॉ में यूनिफॉर्म सिविल कोड लागू होना चाहिए। तत्कालीन राजीव गांधी सरकार ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले को पलटने के लिए संसद में बिल पास कराया था। इस कानून के समर्थकों का मानना है कि अलग-अलग धर्मों के अलग कानून से न्यायपालिका पर बोझ पड़ता है। समान नागरिक संहिता लागू होने से इस परेशानी से निजात मिलेगी और अदालतों में वर्षों से लंबित पड़े मामलों के फैसले जल्द होंगे। शादी, तलाक, गोद लेना और जायदाद के बंटवारे में सबके लिए एक जैसा कानून होगा फिर चाहे वो किसी भी धर्म का क्यों न हो। देश में हर भारतीय पर एक समान कानून लागू होने से देश की राजनीति पर भी असर पड़ेगा और राजनीतिक दल वोट बैंक वाली राजनीति नहीं कर सकेंगे और वोटों का ध्रुवीकरण नहीं होगा। समान नागरिक संहिता लागू होने से भारत की महिलाओं की स्थिति में भी सुधार आएगा। कुछ धर्मों के पर्सनल लॉ में महिलाओं के अधिकार सीमित हैं। इतना ही नहीं, महिलाओं का अपने पिता की संपत्ति पर अधिकार और गोद लेने जैसे मामलों में भी एक समान नियम लागू होंगे। अगर हम यह चिंतन भारतीय भाव से करेंगे तो स्वाभाविक रूप से यही दिखाई देगा कि समान नागरिक कानून देश और समाज के विकास का महत्वपूर्ण आधार बनेगा।

पूर्वोत्तर की ओर देखें, राजनीतिक अस्थिरता और भौगोलिक चुनौतियां विकास की राह में रोड़ा

इन राज्यों में राजनीतिक अस्थिरता और भौगोलिक चुनौतियों के कारण औद्योगिक जरूरतों के अनुरूप पर्याप्त संरचना का विकास नहीं हो पाया है। पूर्वोत्तर के राज्य आम जन के मुद्दों में ज्यादा सम्मिलित नहीं रहते हैं। इसके पीछे कई कारण हो सकते हैं, परंतु इन्हें आर्थिक विकास में लगातार दूसरे राज्यों के समान प्रोत्साहन मिलना जरूरी है, जो इनका लोकतांत्रिक अधिकार है तथा यह देश के तेजी से आर्थिक विकास के लिए भी अत्यंत आवश्यक है। हालांकि पिछले दिनों मोदी सरकार द्वारा प्रस्तुत किया गया अंतरिम बजट आने वाले चुनावों की छत्रछाया में बनाया गया बजट नहीं था, कुछ दूरगामी सोच रखे हुए था। फिर भी यह अब अत्यंत अपेक्षित हो गया है कि आने वाली नई सरकार जब अपना पूर्ण वित्तीय बजट पेश करे, तो उसमें इन आठ पूर्वोत्तर राज्यों- अरुणाचल प्रदेश, असम, मणिपुर, मेघालय, मिजोरम, नगालैंड, सिक्किम, त्रिपुरा पर एक विशेष आर्थिक नीति शामिल हो। ये राज्य भारत की सामरिक संरचना के मद्देनजर बहुत महत्वपूर्ण हैं, लेकिन उनकी वर्तमान वित्तीय स्थिति को देखते हुए आशंका है कि पूर्वी एशिया महाद्वीप के पड़ोसी मुल्क, जिनमें चीन भी शामिल है, इन राज्यों में परोक्ष रूप से अपनी भागीदारी न बढ़ा लें। इससे भारत के लिए बहुत विपरीत स्थिति पैदा हो सकती है। पंद्रहवें वित्त आयोग के अनुसार, अन्य दूसरे राज्यों की तुलना में भारत के ये आठ पूर्वोत्तर राज्य अपने आर्थिक विकास के लिए केंद्र सरकार के द्वारा दिए गए वित्तीय कर्ज अथवा केंद्र सरकार से मिलने वाले वित्तीय करों में हिस्सेदारी पर अधिक निर्भर रहते हैं। मिजोरम की अर्थव्यवस्था में 87 फीसदी वित्तीय आय केंद्र सरकार के वित्तीय करों में हिस्सेदारी तथा केंद्र सरकार से प्राप्त विशेष अनुदान से हो रही है। गौरतलब है कि 15वें वित्त आयोग के मुताबिक, पिछले वर्ष में पूर्वोत्तर के इन आठ राज्यों की वित्तीय कर्ज में देनदारी 33

फीसदी से ज्यादा है। असम हालांकि बेहतर स्थिति में है, जहां पर वित्तीय कर्ज जीडीपी का मात्र 25 फीसदी है। मुख्य समस्या इस बात की है कि इन राज्यों में अर्थव्यवस्था की विकास दर तथा उसका जीडीपी बहुत अधिक अस्थिर रहता है। इस कारण राज्यों के वित्तीय करों के स्रोत बहुत कम रह जाते हैं, जिसके चलते इन्हें वित्तीय सहायता हेतु केंद्र सरकार पर बहुत अधिक निर्भर रहना पड़ता है। यहां पर यह समझना भी अत्यंत आवश्यक है कि इन राज्यों में आर्थिक विकास का मुख्य आधार कृषि तथा सेवा क्षेत्र ही है। सेवा क्षेत्र में पर्यटन मुख्य आधार है, लेकिन बुनियादी ढांचों का अच्छी तरह विकसित न होना इस संबंध में एक मुख्य समस्या बन जाता है। मोदी सरकार ने पिछले समय से इन राज्यों के लिए चली आ रही नॉर्थ ईस्ट की नीति को बदलकर एक्ट ईस्ट नीति बनाई, जिसके अंतर्गत वाणिज्य, संस्कृति और संपर्क को मुख्यधारा में रखा गया है। लेकिन इन राज्यों में लंबे समय से राजनीतिक अस्थिरता और भौगोलिक चुनौतियों के कारण आधुनिक औद्योगिक जरूरतों के अनुरूप पर्याप्त संरचना का विकास नहीं हो पाया है। इन राज्यों के विकास में एक अवरोध निजी निवेश का न होना भी है। एक मुख्य समस्या यह भी है कि इन राज्यों की वित्तीय आय तथा केंद्र से मिले अनुदानों का बहुत बड़ा हिस्सा वेतन, पेंशन तथा वित्तीय कर्जों के ब्याज के भुगतान में चला जाता है, जिसके चलते राज्यों के पास बुनियादी ढांचे को खड़ा करने के लिए वित्तीय उपलब्धता कम रहती है। अब समय आ गया है कि केंद्र में आने वाली नई सरकार आर्थिक नीतियों के तहत इन राज्यों के लिए तीन बातों पर फोकस करे। पहली, इन राज्यों के नागरिकों तथा श्रमिकों में विभिन्न प्रकार के कौशलों का विकास किया जाए, ताकि उन्हें अच्छा रोजगार उपलब्ध हो। दूसरी, इन राज्यों की भौगोलिक संरचना के अनुसार जिन उद्योगों को यहां पर अधिक सफलता मिल सकती है, उनके लिए एक पूर्ण समर्पित आर्थिक नीति बनाई जाए। तीसरी सबसे महत्वपूर्ण बात, कि भारत के युवाओं को अपने स्टार्टअप्स को पूर्वोत्तर के इन राज्यों पर केंद्रित करने चाहिए तथा उच्चतर शिक्षण संस्थाओं (आईआईटी और आईएमएम) में इन राज्यों के विकास के संबंध में विशेष तौर पर उद्यमिता से संबंधित विशेष पाठ्यक्रम संचालित किए जाएं, ताकि युवा अपनी उद्यमिता के सफर के लिए इन राज्यों के प्रति अग्रसर हों।

अपने-अपने भारत रत्न

-डॉ. सत्यवान सौरभ

भारत रत्न पुरस्कार की चयन पद्धति क्या हो, निर्णय की प्रणाली क्या हो, इसमें कौन-कौन से लोग शामिल होने चाहिए? अभी इस पर बात नहीं हो रही है। अब तक जिन हस्तियों को भारत रत्न मिल चुका है। हम उनकी प्रतिष्ठा पर सवाल नहीं उठाते। लेकिन एक प्रश्न जरूर है कि माँ भारती के वो लाडले आखिर हर बार क्यों छूट जाते है जिनको देश की जनता दिल से भारत रत्न मानती है। हमारे देश में कलंकितों और घोटालेबाजों को भी खैरात की तरह सम्मान बांटे जाने का इतिहास है। ऐसे में सवाल लाजिम है कि क्या इसमें भी प्रलोभन चलते हैं और लाबिंग होती है? अपना सर्वस्व न्यौछावर करके देश की आजादी के लिए के लिए हंसते-हंसते फांसी पर चढ़ जाने वाले अमर शहीद भगतसिंह, राजगुरु व सुखदेव को 'भारत रत्न' क्यों नहीं दिया जाना चाहिए? क्या भारत रत्न जैसे सम्मान भी अब सरकारी हो गए हैं? जब सत्ता में एक पार्टी रहती है, तो वो अपने लोगों को सम्मानित करती है और जब दूसरी आती है, तो वो अपनों को इस सम्मान के लिए चुनती है। जिसकी भी सरकार होती है वो अपने लाभ-हानि के हिसाब से अपने-अपने भारत रत्न प्रदान करती है। इस पुरस्कार को लेकर संसद में एक कानून बनाकर एक दिशा-निर्देश तय किए जाने की आवश्यकता है जिसमें सिर्फ सरकारी कर्मचारियों के निर्णय के अलावा विपक्षी पार्टियों और गैर सरकारी संस्थानों के अधिकारियों को शामिल किया जाना चाहिए। तभी इस सर्वोच्च सम्मान की प्रतिष्ठा शिखर पर रहेगी। भारत की जिन विभूतियों ने अपनी ज़िन्दगी में %भारत रत्न% के पैदा होने से पहले ऐसा रुतबा हासिल कर लिया हो तो क्या उन नामों को इस सम्मान से परे रखा जाना चाहिए? आप पूछेंगे कि यह सवाल क्यों किया जा रहा है? यह सवाल इसलिए पूछे जा रहे हैं क्योंकि भारत रत्न के मामले में कुछ ऐसी गलतियां हुई हैं जिसके बाद यह सवाल %भारत रत्न% की हर घोषणा के साथ ज़िन्दा हो जाता है। देश के लिए अपनी जान तक न्योछावर करने वालों को शहीद का दर्जा देने में मुश्किलों का पहाड़ खड़ा करें और जब अपनी ही सरकार में सरकार के शीर्ष नेता को भारत रत्न मिले तो हज़ारों प्रश्न स्वयं पैदा हो जाते है। 21वीं सदी का भारत जागृत भारत है, यहां का प्रत्येक नागरिक अब चाहने लगा है कि समाज के नायकों को राष्ट्रीय फलक पर प्राथमिकता दी जाय, लेकिन जब कभी उन्हें लगने लगता है कि उन्हें हाशिए पर डाला जा रहा है या पक्षपात हो रहा है, तब ऐसे मुद्दे उठ खड़े होते हैं और विवाद की परिधि में आ जाते हैं। देश में सबसे बड़ा सम्मान भारत रत्न को माना जाता है। अपने क्षेत्र में देश के लिए कुछ करने जिसकी वजह से परिवर्तन आया हो। उसे देश का सर्वोच्च नागरिक सम्मान दिया जाता है। ये सम्मान उसे दिया जाता है जिसने अपने क्षेत्र में असाधारण या सर्वोच्च सेवा दी हो। ये सम्मान राजनीति, कला, साहित्य, विज्ञान के

क्षेत्र में किसी वैचारिक, वैज्ञानिक, उद्योगपति, लेखक और सामाज सेवी को दिया जाता है। ऐसे में खुदी राम बोस से लेकर बाल गंगाधर तिलक, लाला लाजपत राय, भगत सिंह, चंद्रशेखर आजाद जैसे 20वीं सदी के नेताओं में किन्हीं के नाम को छोड़ने का औचित्य नहीं बनता। इसी तरह से 19वीं सदी में भी रानी लक्ष्मी बाई, राजा राम मोहन राय जैसे नामों को कैसे छोड़ा जा सकता है? फिर यह सिलसिला रुकेगा भी नहीं। अतीत में जाने का कोई अंत नहीं रह जाएगा। फिर, यह सवाल ख़त्म कैसे होंगे? भारत रत्न देने की प्रथा सीधी रही है; प्रधान मंत्री भारत के राष्ट्रपति को नामों की सिफारिश करते हैं, जो फिर ऐसे नामांकन स्वीकार करते हैं। लेकिन 2 जनवरी, 1954 के भारत के आधिकारिक गजट नोटिफिकेशन में इस प्रक्रिया का कोई उल्लेख नहीं है, जिसने भारत रत्न की स्थापना की। सम्मान को मरणोपरांत प्रदान करने की अनुमति देने के लिए 15 जनवरी, 1955 को जारी एक अतिरिक्त अधिसूचना में भी इसके प्रक्रियात्मक पहलू का उल्लेख नहीं किया गया था। इसलिए, वह प्रक्रिया जिसके तहत प्रधान मंत्री या कैबिनेट भारत रत्न प्रदान करने के लिए राष्ट्रपति के पास नाम नामांकित करते हैं, एक परंपरा है न कि देश का कानून। इस मुद्दे पर आलोचना के साथ-साथ चुप्पी भी कई स्तरों पर देखने को मिलती है लेकिन चयन पद्धति क्या हो, निर्णय की प्रणाली क्या हो? इसमें कौन-कौन से लोग शामिल होने चाहिए? अभी इस पर बात नहीं हो रही है। वर्तमान सरकार कई पुरानी प्रणालियों को ध्वस्त करती दिखी है तो उसे इसके लिए भी एक प्रणाली विकसित करनी ही चाहिए कि ज्यादा से ज्यादा लोगों द्वारा इसे मान्यता मिले और यह शिखर सम्मान आलोचना से वंचित रहे। अब तक जिन हस्तियों को भारत रत्न मिल चुका है। हम उनकी प्रतिष्ठा पर सवाल नहीं उठाते। लेकिन एक प्रश्न जरूर है कि माँ भारती के वो लाडले आखिर हर बार क्यों छूट जाते है जिनको देश की जनता दिल से भारत रत्न मानती है? हमारे देश में कलंकितों और घोटालेबाजों को भी खैरात की तरह सम्मान बांटे जाने का इतिहास है। ऐसे में सवाल लाजिम है कि क्या इसमें भी प्रलोभन चलते हैं और लाबिंग होती है? अपना सर्वस्व न्यौछावर करके देश की आजादी के लिए के लिए हंसते-हंसते फांसी पर चढ़ जाने वाले अमर शहीद भगतसिंह, राजगुरु व सुखदेव को 'भारत रत्न' क्यों नहीं दिया जाना चाहिए? क्या भारत रत्न जैसे सम्मान भी अब सरकारी हो गए हैं? जब सत्ता में एक पार्टी रहती है, तो वो अपने लोगों को सम्मानित करती है और जब दूसरी आती है, तो वो अपनों को इस सम्मान के लिए चुनती है। भारत का सर्वोच्च नागरिक सम्मान दशकों से विवादों में रहा है, क्या टाइमिंग के हिसाब से, पक्षपात या कई बार उसे राजनीतिक पार्टियां अपने वोट बैंक के हिसाब से इस अवार्ड को भुनाने की कोशिश करती हैं, तब जब यह सम्मान राष्ट्रीय सेवा के लिए दिया जाता है। इन सेवाओं में कला, साहित्य, विज्ञान, सार्वजनिक सेवा और खेल शामिल है।खेल को सबसे पहले %किसी% खिलाडी के लिए ही नियम में बदलाव कर इसे भारत रत्न खेल श्रेणी को जोड़ा गया और दिया गया। और यहीं से एक नए विवाद और विरोध की भी शुरुआत हुई। क्या इससे पहले खेलों में कोई प्रेरक व्यक्तित्व या खिलाडी नहीं था? जिस खिलाडी को ये भारत रत्न मिला उनकी काबिलियत पर कोई शक नहीं लेकिन उनके मुकाबले खेलों के जिस जादूगर की अनदेखी की गई वो बेहद दुखद रही। आखिर क्यों नेता जी सुभाष चन्द्र बोस, शहीद-ए-आजम भगत सिंह, डॉ. राम मनोहर लोहिया, हॉकी के जादूगर ध्यानचंद को आज तक भारत रत्न नहीं। अवसरवादी राजनीति ने यह स्थिति पैदा की है। इस अवसरवाद ने %भारत रत्न% की नींव ही हिला दी। अगर भारत रत्न की प्रतिष्ठा को आगे बढ़ाना है तो हमें इस दिशा में सोचना ही होगा। अन्यथा ये सवाल उठते रहेंगे कि भगत सिंह, खुदीराम बोस, सुभाष चंद्र बोस, महात्मा गांधी जैसे सपूत क्यों %भारत रत्न% से दूर रहे? हमें ये साफ कर देना चाहिए कि इन सपूतों ने अपने जीवन में जो हासिल कर लिया, उसके सामने कोई भी सम्मान बड़ा नहीं है। ये सपूत पहले महान् बने, %भारत रत्न% बाद में पैदा हुआ। दरअसल भारत रत्न इस तरह के सेवा कार्यों के लिए ही दी जानी चाहिए जिससे कि किसी भी स्तर पर लाखों लोग लाभान्वित हों और प्रेरणा पा सकें। देश का यह सर्वोच्च नागरिक सम्मान आखिर किसे दिया जाए इसके लिए कोई वैधानिक प्रक्रिया तो होनी चाहिए जिससे कि इस सम्मान का एक आदरणीय स्थान बना रहे। क्योंकि इससे देश के सभी वर्गों की आकांक्षाएं जुड़ी हैं लेकिन ऐसा हो नहीं पाता। जिसकी भी सरकार होती है वो अपने लाभ-हानि के हिसाब से अपने-अपने भारत रत्न प्रदान करती है। इस पुरस्कार को लेकर संसद में एक कानून बनाकर एक दिशा-निर्देश तय किए जाने की आवश्यकता है जिसमें सिर्फ सरकारी कर्मचारियों के निर्णय के अलावा विपक्षी पार्टियों और गैर सरकारी संस्थानों के अधिकारियों को शामिल किया जाना चाहिए। तभी इस सर्वोच्च सम्मान की प्रतिष्ठा शिखर पर रहेगी।

'भारत रत्न' में घुली 'चुनावी चमक' के नरेटिव का धुंधला सच

मोदी सरकार द्वारा हाल में देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मान भारत रत्न से दो राजनीतिक विभूतियों को सम्मानित करने ऐलान के बाद एक नैरेटिव यह बनाने की कोशिश हो रही है कि इसके पीछे सम्मान और कृतज्ञता का भाव कम और सियासी एंगल ज्यादा है। रारों की इस कवायद के पीछे नीयत भाजपा के पक्ष में वोटों को खींचना है। गौरतलब है कि बीते एक पखवाड़े में देश की दो अजीम सियासी हस्तियों समाजवादी नेता और बिहार के दो बार मुख्यमंत्री रहे कर्पूरी ठाकुर को पिछड़ी जातियों के सामाजिक राजनीतिक उत्थान के लिए मरणोपरांत तथा भाजपा के वरिष्ठतम नेता और पूर्व उपप्रधानमंत्री लालकृष्ण आडवाणी को राष्ट्रीय एकता, देश के सांस्कृतिक उत्थान व अयोध्या में राम मंदिर निर्माण के लिए भारत रत्न देने का ऐलान हुआ। घोषित तौर पर दोनों को यह पुरस्कार उनकी अन्यतम देश सेवा के लिए दिया गया है। 'भारत रत्न' ऐसा सबसे बड़ा नागरिक सम्मान है, जो राष्ट्रपति सीधे प्रधानमंत्री की सिफारिश पर देते हैं। पहले यह कला, साहित्य, विज्ञान और लोकसेवा को लेकर ही दिए जाते थे। बाद में नियमों में संशोधन कर इसे अन्य क्षेत्रों के लिए विस्तारित कर दिया गया है। हालांकि देश का यह सबसे बड़ा नागरिक सम्मान कई बार सवालों के घेरे में रहा है। खासकर राजनेताओं को ये पुरस्कार देने के पीछे मंशा को लेकर। इस बार भी इस पुरस्कार की टाइमिंग और पात्र चयन के संदर्भ में यह नैरेटिव बनाने की कोशिश हुई कि कर्पूरी ठाकुर के रूप में पहली बार देश में किसी अति पिछड़ी जाति के व्यक्ति को सबसे बड़े सम्मान से नवाजा गया है, जबकि आडवाणी के बारे में कहा गया कि कभी हाशिए पर पड़ी भाजपा उन्हीं के भागीरथ प्रयासों से आज दिल्ली के तख्त पर काबिज है और देश के बहुसंख्यक हिंदुओं की आकांक्षा अयोध्या में राम मंदिर ने आकार ग्रहण किया है। जाहिर है कि इसमें निहित राजनीतिक संदेश यही है कि इन भारत रत्नों के जरिए मोदी सरकार ने बिहार सहित देश के अन्य राज्यों में भी अति पिछड़ी जातियों तथा आडवाणी के माध्यम से कट्टर हिंदुत्ववादी वोटों को साधने की

कोशिश की है। माना जा रहा है कि 'भारत रत्न' दिए जाने की खुशी कहीं न कहीं वोटों में तब्दील हो सकती है। अपेक्षा और अनुमान के स्तर पर यह बात सही हो सकती है, लेकिन अगर भारत में पिछले पचास सालो में दिए गए भारत रत्न सम्मानों, इस सम्मान से सम्मानित होने वाली हस्तियों और इस सम्मान की घोषणा के सालभर के अंदर देश में होने वाले लोकसभा और विधानसभा चुनावों के नतीजों को परखें तो तस्वीर कुछ और ही नजर आती है। ज्यादातर मामलों में भारत रत्न घोषित करने वाली सत्तारूढ़ पार्टी को इसका चुनावी लाभ अपवाद स्वरूप ही मिला है। अगर वो चुनाव जीती भी है तो उसके कारण दूसरे हैं न कि किसी फलां जाति, धर्म, प्रदेश अथवा समुदाय के व्यक्ति को भारत रत्न देने के कारण। इसका सीधा अर्थ यह है कि भारत रत्न जैसा सर्वोच्च पुरस्कार इस सत्ताकांक्षी संकुचित सोच से कहीं ऊपर है और देश की जनता भी अमूमन उसे उसी रूप में लेती है, यह मानकर कि भारत रत्न जैसे राष्ट्रीय गौरव के मुद्दे को वोटों के क्षुद्र अंकगणित में नहीं तौला जाना चाहिए, भले ही सरकारें इस पुरस्कार के पीछे प्रतिभा के सम्मान के साथ वोटों की गोलबंदी का अघोषित तड़का लगाने की कोशिश करती महसूस हों। अगर हम पिछले पचास सालों में घोषित भारत रत्न पुरस्कारों और इस घोषणा के सन्निकट लोकसभा व विधानसभा चुनाव के नतीजों का विश्लेषण करें तो कई बातें साफ हो जाएंगी। इस तरह की पहली धुंधली कोशिश देश के पूर्व प्रधानमंत्री और सादगी की प्रतिमूर्ति कहे जाने वाले लाल बहादुर शास्त्री को मरणोपरांत भारत रत्न देने की मानी जा सकती है। तब देश में कांग्रेस की सरकार थी। शास्त्री जी का निधन 1966 में हुआ और 1965 के भारत- पाक युद्ध में भारत की जीत के चलते उन्हें भारत रत्न मरणोपरांत दिया गया। उसके अगले ही साल 1967 में देश में लोकसभा के चुनाव हुए। तब केंद्र में कांग्रेस सरकार थी और प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी थीं। उस चुनाव में कांग्रेस सत्ता में आने के लिए जैसे-तैसे बहुमत जुटा पाई। उसकी जीती हुई सीटों का आंकड़ा अब तक न्यूनतम था। यानी कांग्रेस को शास्त्रीजी को भारत रत्न देने का कोई विशेष राजनीतिक लाभ नहीं हुआ। बल्कि कांग्रेस उस उत्तर प्रदेश, जो शास्त्री जी का गृह प्रदेश भी था, में 1967 के विधानसभा चुनाव में बहुमत का आंकड़ा भी नहीं छू पाई।

जिलाधिकारी नितीश कुमार की अध्यक्षता में हुई बैठक

संवाददाता

अयोध्या। जिलाधिकारी नितीश की अध्यक्षता में कलेक्टेऊट सभागार में जिला गंगा समिति, जिला पर्यावरण समिति व जिला वृक्षारोपण समिति की बैठक सम्पन्न हुई। कलेक्टेऊट सभागार में जिलाधिकारी ने सर्वप्रथम जिला गंगा व जिला पर्यावरण समिति की। बैठक में सरयू एक्शन प्लान 2024, 'अर्थ गंगा मिशन' के तहत घाट पर हाट कार्यक्रम के अन्तर्गत गंगा ग्राम के शिल्पकारों को बढ़ावा देने, नदियों को नियमित स्वच्छ बनाये रखने, सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट, जनपद में प्राकृतिक कृषि व जैविक कृषि के क्षेत्रफल को बढ़ाने, जी0डी0पी0एम0एस0 में सम्बंधित से वांछित सूचना भेजने आदि बिन्दुओं पर चर्चा एवं समीक्षा की।

इस अवसर पर जिलाधिकारी ने सरयू नदी के किनारे के दो ग्रामों को चयनित कर पूर्ण जनसहभागिता सुनिश्चित करते हुये उन्हें इको विलेज के रूप में विकसित करने के सम्बंध में सम्बंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिये। इस अवसर पर प्रभागीय वनाधिकारी ने बताया कि जिला गंगा समिति एवं जिला आद्रभूमि समिति द्वारा प्रस्तावित उधैला झील के प्राकृतिक विकास की योजना को शासन द्वारा स्वीकृति प्राप्त हो गयी है। 72 हेक्टेयर क्षेत्रफल में फैली उधैला झील के प्रथम चरण में लगभग 9 हेक्टेयर क्षेत्रफल में प्राकृतिक विकास का कार्य किया जाएगा, जिसमें नेचुरल इण्टरपटेशन सेण्टर (एनआईसी), वाच टावर (दो), चिल्ड्रेन पार्क, पक्षियों हेतु माउण्ट, बम्बू कैण्टीन, गजीबो(दो), नेचर ट्रेल आदि का विकास किया जायेगा। जिलाधिकारी ने उक्त कार्यो को गुणवत्ता पूर्ण ढंग से एवं अपेक्षित समय में पूर्ण कराने हेतु प्रभागीय वनाधिकारी को निर्देशित किया। उक्त कार्यो के साथ ही जिलाधिकारी ने उधैला झील में आने वाले विभिन्न प्रजातियों के प्रवासी पक्षियों से सम्बंधित विवरण वहां पाये जाने वाले पेड़ों की जानकारी के आकर्षक सूचना बोर्ड भी लगाये जाने के निर्देश दिये। बैठक में जिलाधिकारी ने उपनिदेशक कृषि को जनपद में प्राकृतिक कृषि व जैविक कृषि के क्षेत्रफल में और वृद्वि करने हेतु किसानों को जागरूक एवम् प्रोत्साहित करने तथा विगत वर्षो में प्राकृतिक कृषि व जैविक कृषि क्षेत्रफल में बढ़ोत्तरी के कार्यो का वर्षवार विवरण् उपलब्ध कराने के निर्देश दिये। उन्होंने जी0डी0पी0एम0एस0 में सम्बंधित विभागों से सम्बंधित वांछित सूचना शीघ्र प्रेषित करने के भी निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिये।इसके उपरांत जिलाधिकारी ने जिला पर्यावरण समिति की बैठक की। इस दौरान प्रभागीय वनाधिकारी ने वर्ष 2024-25 में वन एवं वन्य जीव विभाग व अन्य विभागों को वृक्षारोपण के लक्ष्य का विभाग वार विवरण प्रस्तुत किया। उन्होंने बताया कि वर्ष 2024-25 हेतु जनपद को कुल 3812680 पौधों के रोपण का लक्ष्य प्राप्त हुआ है जिसमें ग्राम विकास विभाग को 1378000, राजस्व विभाग को 115000, पंचायती विभाग को 139000, आवास विकास विभाग को 6000, औद्योगिक विकास को 7000, नगर विकास को 23000, लोक निर्माण विभाग को 13000, सिंचाई विभाग को 13000, कृषि विभाग को 276000, पशुपालन विभाग को 7000, सहकारिता विभाग को 6160, उद्योग विभाग को 10000, विद्युत विभाग को 5040, माध्यमिक शिक्षा को 8000, बेसिक शिक्षा को 14000, प्राविधिक शिक्षा को 5000, उच्च शिक्षा को 19000, श्रम विभाग को 37000, स्वास्थ्य विभाग को 10000, परिवहन विभाग को 3000, रेलवे विभाग को 12000, रक्षा विभाग को 8000, उद्यान विभाग को 169000, पुलिस विभाग को 7280, पर्यावरण विभाग को 248000 व वन एवं वन्य जीव विभाग को 1310000 को लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इस तरह जनपद में 26 विभागों को मिलाकर कुल 38,12680 वृक्षारोपण करने का लक्ष्य निर्धारित है।

जिलाधिकारी ने सभी विभागों को प्राप्त लक्ष्य के अनुरूप स्थल का चयन एवं मृदा का कार्य समय से योजनाबद्व ढंग से पूर्ण करने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि सभी विभाग वृक्षारोपण में अधिक से अधिक सहभागिता सुनिश्चित करें तथा पौधों को बड़े होने तक संरक्षित रखने पर विशेष ध्यान दें। इस अवसर पर प्रभागीय वनाधिकारी ने बताया कि इस वर्ष जनपद के समस्त पंजीकृत कृषकों (04लाख 14 हजार) को अनिवार्य रूप से 1 से 5 पौधों को उपलब्ध कराने का निर्देश प्राप्त हुआ है जिसमें 30 से 50त्न सहजन के पेड़ों को अनिवार्य रूप से कृषकों को देना है इसके संबंध में जिलाधिकारी ने उपनिदेशक कृषि को आवश्यकतानुसार पौधों की मांग की सूचना समय से उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। बैठक में नवागत मुख्य विकास अधिकारी ऋषिराज सिंह, प्रभागीय वनाधिकारी सीतांशु पांडेय, मुख्य चिकित्सा अधिकारी, एक्सईएन सिंचाई आदि सहित समितियों के अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

सिधौली कस्बा स्थित श्री विमल नाथ शिक्षा प्रशिक्षण संस्थान में स्मार्ट फोन वितरण कार्यक्रम

संवाददाता

सिधौली/सीतापुर। सिधौली कस्बा स्थित श्री विमल नाथ शिक्षा प्रशिक्षण संस्थान में स्मार्ट फोन वितरण कार्यक्रम में मुख्य अतिथि सिधौली विधायक मनीष रावत ने छात्राओं को स्मार्ट फोन वितरित किये। कालेज परिसर में आयोजित कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए सिधौली भाजपा विधायक मनीष रावत ने कहा की देश के प्रत्येक छात्र छात्राओं की उच्च शिक्षा के लिये प्रदेश सरकार विभिन्न योजनाओं के अन्तर्गत सुविधाएं दे रही है। जिससे छात्रों को पढाई में समस्याओं का सामना ना करना पड़े। उन्होंने कहा सरकार 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के लिए प्रतिबद्व है कालेज प्रबन्धक सजंय जैन ने बताया कि कुल 276 छात्राओं को स्मार्ट फोन वितरित किये गए है इस अवसर पर नगर पंचायत अध्यक्ष गंगाराम राजपूत ऋषभ जैन सहित कालेज का समस्त स्टाफ और अभिभावक व छात्राएं उपस्थित रही।

किसानों की समस्याओं के निराकरण को लेकर सौंपा ज्ञापन

सीतापुर। जिले के किसानों की समस्याओं पर चर्चा करने के लिए सोमवार को किसान मंच की आरे से मासिक बैठक का आयोजन किया गया। इस दौरान मंडलायुक्त को संबोधित एक ज्ञापन जिला प्रशासन को सौंपा गया। इसके माध्यम से कार्रवाई करने की मांग की गई। संगठन के राष्ट्रीय सचिव व प्रदेश प्रभारी शिव प्रकाश सिंह ने बताया कि आठ सूत्री ज्ञापन सौंपा गया। जिसमें खैराबाद क्षेत्र में तालाब की जमीन पर कब्जा किए जाने का आरोप लगाया है। बताया कि सीतापुर से गोला मार्ग रेलवे क्रॉसिंग के तक तालाब व गड्ढों की जमीन पर कब्जे हो रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि भ्रष्टाचार के आरोप लग चुके एक सचिव को एडीओ बनाया गया है। उन्होंने सभी मामलों में जांच कर कार्रवाई करने की मांग की है। बैठक में राम चंद्र मौर्य, मेवालाल, चंद्रेश, कलचंद व अन्य मौजूद रहे।

एक नज़र

सामाजिक कार्यकर्ता द्वारा घटिया सड़क के निर्माण से आमजन को हो रही है समस्या

द अचीवर टाइम्स, शाहजहांपुर। सामाजिक कार्यकर्ता अमित कुमार आजाद निवासी मोहल्ला लोदीपुर थाना रोजा जिला शाहजहांपुर का निवासी है सामाजिक कार्यकर्ता होने के नाते राजमार्ग परिणामकिन फैक्ट्री से बने बार नगमा के आगे तक जो भी सड़क जाती है उसे सड़क पर कराया का निर्माण कार्य में बहुत ही घटिया पदार्थ व इस्तेमाल किया गया है और पदार्थ को मानक के अनुसार बहुत ही काम मात्रा में लगाया गया है जिसमें रोड बनने से 30 दिन के अंदर ही उखड़ गया और बजरी मिट्टी टूटकर रोड के ऊपर आ गई मार्ग कयातायत में टूटी व खुली पड़ी बजरी के कारण किसी भी समय वहां फिसलने से आप यह घटना हो सकती है कराई जा रहे हैं कार्य के समय पर आपत्ति भी जिस पर मजबूत ठेकेदार द्वारा कहां गया कि इतने 20त्न डीएम साहब पहले ही ले चुके हैं तथा अन्य विभाजित अधिकारियों द्वारा सुविधा शुल्क पहले ही जमा कर लिया गया है इसलिए मैं अपनी मर्जी से ही पदार्थ लगवाऊंगा आपको जैसे भी शिकायत करनी है कर दे इसलिए एक महा के अंडर रूट टूट गया है सामाजिक कार्यकर्ता होने के नाते उसे रोड को जांच कर आवश्यक कार्रवाई तथा बनवाया जाए खबर अमित कुमार आजाद

युवक लापता घर वाले हुए परेशान

संवाददाता

हरदोई। मनीष पुत्र आशाराम निवासी ग्राम खेरवा अमजतपुर थाना सांडी जिला हरदोई। मनीष की उम्र 12 वर्ष दिनांक 30/01/2024 को गांव के बाहर मैच देखने गया था। खेरवा अमरपुर निवासी मनीष घर से कई बार भाग चुका है । मनीष एक बार घर से भाग जाने पर 45 दिनों के बाद पंजाब में मिला था। कुछ दिनों तक घर में रहा उसके बाद 45 दिनों बाद फिर से भाग गया। खेरवा अमजतपुर गांव के लोगो ने होटल में काम करते देखा था। अभी 30/01/2024 को गांव के बाहर मैच खेल रहा था तब से घर वापस नहीं लौटा है। मनीष का पहनावा लोबर व सफेद रंग का जेकत पहने है। कद 4 फुट 6 इंच का है पैर में हल्की चप्पल पहेने हुए है। जिस किसी को इस लड़के की जानकारी मिले तो इस नंबर पर 9454403569 पर संपर्क कर दे। वादी का मोबाइल नंबर 9628766749पर संपर्क कर दे। घरवाले उसके बार-बार भाग जाने से परेशान है इसलिए अंदेशा लगाया जा रहा है युवक फिर से कहीं भाग गया है दिए गए नंबर पर परिवार वालों ने अपील करते हुए सूचना देने की गुजारिश की है।

शिवम् अग्रवाल मेमोरियल डिग्री कॉलेज में वितरण किए गए स्मार्टफोन

सीतापुर। शिवम् अग्रवाल मेमोरियल डिग्री कॉलेज नानकारी मुबारकपुर सीतापुर में मुख्यमंत्री की योजना स्वामी विवेकानंद युवा सशक्तिकरण योजना के अंतर्गत बी.ए. एवं बी.कॉम. के छात्र-छात्राओं को स्मार्टफोन वितरण किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जय नारायण तिवारी एवं महाविद्यालय के प्राचार्य दिलीप विश्वकर्मा ने छात्र-छात्राओं को उज्जवल भविष्य की बधाई एवं शुभकामनाएं दी महाविद्यालय के प्रबंधक मंजू जिंदल, अध्यक्ष मक्खनलाल जिंदल, प्रशासक दिव्या जिंदल, प्राचार्य दिलीप विश्वकर्मा, शिक्षक टीकेंद्र गुप्ता, मनीष मिश्रा, प्रियंका शर्मा, शिप्रा सिंह, अब्दुल शादमान, विशाल दीक्षित, समीर , रामचंद्र एवं छात्र-छात्राएं आदि उपस्थित रहे।

प्राथमिक शिक्षक संघ ने रेल सलाहकार समिति सदस्य को सौंपा ज्ञापन

संवाददाता

संडीला(हरदोई)। प्राथमिक शिक्षक संघ के पदाधिकारियों ने नवनियुक्त भाजपा नगर अध्यक्ष एवं रेल मंत्रालय सलाहकार समिति के सदस्य को ज्ञापन देकर संडीला रेलवे स्टेशन पर ट्रेनों के ठहराव की मांग की। संघ के ब्लाक अध्यक्ष देवेन्द्र कुमार बाजपेयी, मंत्री शैलेन्द्र मौर्य, उपाध्यक्ष दुर्गेश जायसवाल, नुरुल हसन, सत्येन्द्र वीर सिंह ने भाजपा नगर अध्यक्ष एवं रेल मंत्रालय समिति सदस्य रमन नीतीश जायसवाल से भेंट की तथा उन्हें ज्ञापन देकर पंजाब मेल, राजरानी एक्सप्रेस तथा किसान एक्सप्रेस को संडीला रेलवे स्टेशन पर स्टॉपेज कराने की मांग की। इसपर श्री जायसवाल ने उन्हें आश्वासन दिया कि वे सांसद अशोक रावत से इस संबंध में चर्चा करके जो भी आवश्यक सहायता होगी, वह उपलब्ध कराएंगे।

सरकार नर्सिंग की नियुक्ति के समय बाण्ड तथा नौकरी छोड़ने पर जुर्माने का प्रावधान करे

ऑल इण्डिया रजिस्टर्ड नर्सेज फेडरेशन ने राज्यपाल को दिया ज्ञापन

संवादाता/रघुनाथ सिंह द अचीर टाइम्स

लखनऊ। सरकार चिकित्सा संस्थानों, मेडिकल कॉलेज और सरकारी अस्पालों में स्टाफ नर्स की नियुक्ति देने के दौरान बाण्ड भराने की व्यवस्था लागू करे। साथ ही एक निश्चित समय के पहले नौकरी छोड़ने पर जुर्माने का प्रावधान करे। मंगलवार को ऑल इण्डिया रजिस्टर्ड नर्सेज फेडरेशन उत्तर प्रदेश कमेटी के प्रदेश अध्यक्ष अनुराग वर्मा ने इस सम्बंध में राज्यपाल आनंदीबेन पटेल से भेंट कर ज्ञापन सौंपा। प्रतिनिधि मण्डल के सदस्यों ने राज्यपाल को बताया कि काशी हिन्दू विश्वविद्यालय में स्टाफ नर्स की नई नियुक्ति पर बांड और एक निश्चित समय सीमा से पहले नौकरी छोड़ने पर अर्थदंड की व्यवस्था लागू है। इसी तरह प्रदेश के दूसरे संस्थान और अस्पतालों में लागू की जाये। ताकि चयनित अभ्यर्थी नौकरी करने पर ही ज्वाइन करें। अन्यथा खाली सीट पर वेंटिंग वाले अभ्यर्थियों को मौका मिले। प्रतिनिधि मण्डल ने राज्यपाल से 14 स्वशासीय चिकित्सा महाविद्यालयों में 1974 पद पर हुई स्टाफ नर्स की भर्ती प्रक्रिया की वेटिंग लिस्ट जारी कर चयनित अभ्यर्थियों की नियुक्ति देने की मांग रखी। प्रतिनिधि मण्डल में प्रदेश अध्यक्ष अनुराग वर्मा, राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष सरिता भारती , मोहित सिंह , विधि कुमारी उपस्थित रही।

ट्रैक्टर ट्रॉली की चपेट में आकर साइकिल सवार की मौत

संवाददाता

संडीला(हरदोई)। ट्रैक्टर ट्रॉली की चपेट में आकर एक 30 वर्षीय साइकिल सवार की दुखद मृत्यु हो गयी। प्राप्त जानकारी के अनुसार थाना कासिमपुर के अंतर्गत ग्राम मढ़उवा निवासी 30 वर्षीय रंजीव पुत्र रामशंकर अपने घर से किसी काम के लिए गौसगंज बाज़ार आए थे। वापस लौटते समय जब वह गौसगंज पटरी पर जा रहे थे तभी पीछे से आ रही ट्रैक्टर ट्रॉली की चपेट में आ गए जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिसकर्मियों ने उन्हें ले जाकर सीएचसी बेंहदर में भर्ती कराया। जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गयी। मृतक मज़दूरी करके अपने परिवार का पालन पोषण करता था। इस हादसे से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है।

बहन को ससुराल भेजने जा रहे भाई व बहन हादसे में गंभीर रूप से हुए घायल,ट्रैक्टर ट्रॉली ने मारी टक्कर

संवाददाता

सिधौली-सीतापुर। सीतापुर की कोतवाली सिधौली अन्तर्गत भंडिया के समीप बाइक सवारों को ट्रैक्टर चालक ने टक्कर मार दी। जिसमें महिला समेत उसका भाई गंभीर रूप से घायल हो गया। जानकारी के अनुसार ग्राम अकबरपुर सरैयां थाना कमलापुर निवासी अमित पुत्र रमेश उम्र 24 वर्ष अपनी बहन सुमन पत्नी मुनेश्वर को बाइक से उसके ससुराल महमूदाबाद छोड़ने जा रहा था तो वही थाना सिधौली अंतर्गत ग्राम भंडिया के पास एक अज्ञात ट्रेक्टर ने बाइक में टक्कर मार दी। जिसमे भाई व बहन दोनो गंभीर रूप से घायल हो गए।घायलों को डायल 112 की मदद से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सिधौली लाया गया जहां पर डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद दोनों भाई व बहन की हालत गंभीर देखते हुए उनको मेडिकल कॉलेज लखनऊ रेफर कर दिया। मौके से ट्रैक्टर चालक ट्रैक्टर सहित फरार हो गया।

सामाजिक कार्यों में उत्कृष्ट योगदान के लिये पूर्व महापौर सुरेश चद्र अवस्थी हुये सम्मानित

❖ प्रधानमंत्री मोदी जी एवं मुख्यमन्त्री योगी जी का समाज के प्रति समर्पण भाव प्रत्येक व्यक्ति को समाज एवं राष्ट्र सेवा के लिये प्रेरित करता है-सुरेश अवस्थी

द अचीवर टाइम्स संवाददाता

लखनऊ। सामाजिक कार्यो, पर्यावरण एवं जल संरक्षण, नशा मुक्त समाज , स्वास्थ्य, शिक्षा, एवं आत्मनिर्भर भारत के महत्व इत्यादि जनविकास कार्यो में उत्कृष्ट योगदान प्रदान करने पर जनविकास महासभा द्वारा लखनऊ के पूर्व महापौर सुरेश चंद्र अवस्थी एवं समाजसेवी पूर्व पार्षद गीता अवस्थी को सम्मानित किया गया ये सम्मान जनविकास महासभा के अध्यक्ष पंकज तिवारी द्वारा प्रदान किया गया। इस अवसर पर सुरेश चंद्र अवस्थी ने जनविकास महासभा का आभार व्यक्त करते हुये कहा कि हमारे यशस्वी प्रधानमंत्री माननीय श्री नरेंद्र मोदी जी एवं यशस्वी मुख्यमंत्री माननीय श्री योगी आदित्यनाथ जी का राष्ट्र एवं समाज के प्रति समर्पण भाव ही प्रत्येक व्यक्ति को समाज एवं राष्ट्र सेवा के लिए प्रेरित करता है ये सम्मान हर उस व्यक्ति का है जो सामाजिक विकास में अपना योगदान दे रहा है। श्री अवस्थी ने कहा की वर्तमान सरकार जिस तरीके से संकल्पित होकर प्रदेश एवं राष्ट्र का विकास कर रही हैं वह दिन दूर नहीं जब हमारा राष्ट्र विकसित राष्ट्र की श्रेणी में आ जाएगा। जनविकास महासभा के अध्यक्ष पंकज तिवारी ने सम्मान प्रदान करने के बाद कहा की जनविकास महासभा ऐसे समाज रत्नों को जो सामाजिक कार्यो पर्यावरण जल संरक्षण स्वास्थ्य शिक्षा इत्यादि में अपना अमूल्य योगदान दे रहे हैं उनको सम्मानित कर गौरवान्वित महसूस कर रही है और महासभा का प्रयास है कि प्रत्येक व्यक्ति अपनी जिम्मेदारियां का निर्वहन करते हुए सामाजिक एवं क्षेत्रीय विकास में अपना योगदान अवश्य प्रदान करें।

09 मार्च 2024 को राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन

सुजीत द्विवेदी

लखनऊ। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली तथा उ0प्र0 राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण लखनऊ के निर्देशानुसार 09 मार्च, 2024 को राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन अश्विनी कुमार त्रिपाठी, जनपद न्यायाधीश/अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ के दिशा-निर्देशन में प्रातः 10:00 बजे से जनपद न्यायालय, लखनऊ, कलेक्ट्रेट एवं जनपद की समस्त तहसीलों में किया जायेगा। इसके अतिरिक्त पारिवारिक न्यायालय एवं मोती महल स्थित मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण, लखनऊ में भी लोक अदालत का आयोजन किया जायेगा। वादकारीगण जिनके वाद किसी न्यायालय में विचाराधीन हो, राष्ट्रीय लोक अदालत में अपने वाद निस्तारित कराकर लाभान्वित हो सकते हैं। जिसमें बैंक वसूली वाद,किरायदारी वाद। मोबाईल फोन व केबल नेटवर्क संबंधी प्रकरण, आयकर, बैंक व अन्य वित्तीय संस्थाओं से सम्बन्धित प्रकरण और ऐसे प्रकरण जिनमें पक्षकार पारस्परिक सदभावना हेतु आपसी सुलह समझौते से निपटाना चाहे। दीवानी वाद, उत्तराधिकार वाद। पारिवारिक बाद। दाम्पत्य सम्बन्धी वाद, प्रीलिटिगेशन स्तर पर। मोटर दुर्घटना प्रतिकर वाद। चेक बाउंस के मामले। जनोपयोगी सेवाओं तथा वाणिज्य कर से सम्बन्धित प्रकरण। आरबीट्रेशन सम्बन्धी वाद की सुनवाई व निस्तारण किया जाएगा।

अरूणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री कैबिनेट के साथ करेंगे राम लला का दर्शन

अयोध्या। मंगलवार को अरूणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री व कैबिनेट सदस्य अयोध्या में दर्शन पूजन करेंगे। श्री राम दर्शन यात्रा के मीडिया प्रमुख दिवाकर सिंह ने बताया कि अरूणाचल के मुख्यमंत्री पेमा खांडू, कैबिनेट मंत्रियों, विधायकों व प्रशासनिक अधिकारियों के साथ दर्शन करेंगे। उनके साथ कुल 70 लोग विशेष विमान से प्रात 9 बजे अयोध्या एयरपोर्ट पहुंचेंगे। अयोध्या एयरपोर्ट पहुंचने पर भाजपा के पदाधिकरियों द्वारा उनका स्वागत किया जाएगा। इसके बाद अयोध्या में रामलला का दर्शन-पूजन करेंगे। एयरपोर्ट पर स्वागत करने की जिम्मेदारी जिला पंचायत अध्यक्ष रोली सिंह, महापौर गिरीशपति त्रिपाठी, प्रथम महापौर ऋषिकेश उपाध्याय, महानगर अध्यक्ष कमलेश श्रीवास्तव, सहित अन्य भाजपा पदाधिकारियों को सौपीं गई है।

इंडियन मेडिकल एसोसिएशन ने विश्व कैंसर दिवस पर आम जनमानस को किया जागरुक

संवाददाता

हरदोई। अंतर्राष्ट्रीय विश्व कैंसर दिवस पर इंडियन मेडिकल एसोसिएशन द्वारा 4 एवं 5 फरवरी को निशुल्क कैंप का आयोजन किया गया जिसका शुभारंभ हरदोई चीफ मेडिकल ऑफिसर (ष्ट रू ह्व) ने पूजन कर वहां उपस्थित डॉक्टरों एवं मेडिकल विद्यार्थियों को कैंसर की बीमारी को पहचानने के लक्षण बताएं इंडियन मेडिकल एसोसिएशन के अध्यक्ष डॉ अजय अस्थाना ने सभी मौजूद हरदोई वाशियो से कैंसर की बीमारी को गंभीरता से लेने के लिए सुझाव दिया डॉक्टर कीर्ति कटियार एवं डॉ अखिलेश पटेल की अगुवाई में कैंप का आयोजन किया गया सचिव डॉक्टर सी के गुप्ता ने कैंप का संचालन करते हुए सभी से अपील करी कि पान पुड़िया दारु सिगरेट एवं मसालेदार चीजों का कम से कम प्रयोग करें हो सके तो बिल्कुल ही ना खाएं डॉ सुप्रिया तिवारी ने बताया यह एक विशेष गंभीर बीमारी है लेकिन अगर समय से इसको जान लिया जाए तो इसका भी इलाज संभव है अगर प्राइमरी स्टेज में मरीज डॉक्टर के पास पहुंच जाता है तो हंड्रेड परसेंट मरीज के ठीक होने की संभावना रहती है विश्व कैंसर दिवस के आयोजन में प्रमुख रूप से डॉक्टर विनय कटियार डॉक्टर विमलेश पटेल डॉक्टर अजमानी डॉक्टर स्फूर्ति कटियार डॉक्टर कमलेश वर्मा डॉक्टर अमित आदि सैकड़ों लोग मौजूद रहे।

ऐतिहासिक महायज्ञ के पूर्व निमंत्रण यात्रा की तैयारियां तेज

संवाददाता

बेनीगंज/हरदोई। अहिरोरी ब्लाक के काईमऊ में महाशिवरात्रि के अवसर पर विख्यात कथा व्यास पंडित अनमोल कृष्ण के निर्देशन व अनमोल गुरुकुलम परिवार मथुरा के तत्वावधान में 2 से 10 मार्च तक 108 कुण्डीय विराट लक्ष्मीनारायण महायज्ञ श्रीमद्भागवत कथा एवं रासलीला व मेला महोत्सव कार्यक्रम की तैयारियां जोरों पर हैं। बता दें कि दशकों से मथुरा में संचालित अनमोल गुरुकुलम चैरिटेबल ट्रस्ट व श्रीकृष्ण भागवत प्रशिक्षण संस्थान के संस्थापक व प्रसिद्ध भागवत व्यास पंडित अनमोल कृष्ण महाराज ने अपनी जन्म स्थली गांव काईमऊ में भव्य मंदिर निर्माण व मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा के उपलक्ष्य में सर्व कष्ट निवारणार्थ 108 कुण्डीय विराट यज्ञ व श्रीमद्भागवत कथा के आयोजन का संकल्प लिया। जिस पर अब बड़े स्तर की तैयारियां प्रारम्भ हैं। बीते 5 नवंबर को भूमि पूजन व आमंत्रण पत्र के विमोचन का कार्यक्रम संपन्न हो चुका है। एक किलो मीटर के दायरे में इंटरलाकिंग हवन सामग्री यज्ञ मंडप सजावट मार्ग निर्माण सहित अनेक कार्य तेजी से कराए जा रहे हैं। वहीं आगामी 24 फरवरी को अहिरोरी स्थित मिनी स्टेडियम से श्रीव्यास की मौजूदगी में सैकड़ो वाहनों की उपस्थिति में महायज्ञ के आमंत्रण की यात्रा निकालकर सभी को पुण्यलाभ के भागी बनने के लिए आमंत्रित किया जा रहा है। कलश यात्रा आयोजन में 1008 कलशों से कलश-यात्रा निकाली जाएगी। आयोजन में काईमऊ स्थित ब्रह्मदेव स्थान कार्यक्रम स्थल पर विश्व विख्यात रासाचार्य पंडित देवकीनंदन महाराज वृंदावन के नेतृत्व में रोजाना 3 व 9 मार्च को रात्रि 8 से 11 तक तमाम रासलीलाओं का सजीव चित्रण किया जाएगा। वहीं श्रीव्यास द्वारा 2 व 8 मार्च को दोपहर 1 बजे से सायं 4 बजे तक श्रीमद्भागवत कथा सुनाई जाएगी, जबकि विख्यात यज्ञाचार्य आचार्य सर्वेश शुक्ल नैमिषारण्य व आचार्य भगवन कृष्ण शास्त्री वृंदावन द्वारा नित्यप्रति सुबह 10 से 12 बजे सायं 5 से 7 बजे विराट 108 कुण्डीय यज्ञ आयोजित होगा। वहीं 8 मार्च को मंदिर में स्थापित हुई मूर्तियों में प्राण प्रतिष्ठा भी प्रस्तावित है। आयोजन में विशिष्ट संरक्षकों में पूर्व केंद्रीय गृह राज्यमंत्री स्वामी चिन्मयानंद, भाजपा जिलाध्यक्ष अजीत सिंह बब्बन, सांसद जय प्रकाश रावत, विधायक प्रभाष कुमार, जिला पंचायत अध्यक्ष प्रेमावती वर्मा, ब्लॉक प्रमुख धर्मवीर सिंह पन्ने व नगर पालिका अध्यक्ष सुखसागर मिश्र मधुर, अशुतोष शुक्ला उर्फ राकू को मनोनीत किया गया है। आयोजन में सम्मिलित होने वाले अति विशिष्ट संतों में संतोष दास खाकी वनगढ़ आश्रम नैमिषारण्य अनिल शास्त्री व्यासपीठ नैमिषारण्य व 1008 महंत पवन दास महाराज हनुमानगढ़ी,नैमिषारण्य सहित देश दुनियां के तमाम संत सम्मिलित होंगे।

गौशालाओं में आए दिन हो रही गोवंशों की मौत मरे हुए गोवंशों को नोच कर खा रहे कुत्ते

संवाददाता

सहसवान। गौशाला में आए दिन भूख से तड़प तड़प कर गोवंशों की हो रही मौत का जिम्मेदार आखिर कौन जिनके लिए अपना निवाला बना रहे, कुत्ते बता दे दंहगवा ब्लॉक के ग्राम सोनबुढी की गौशाला में गोवंशों की आए दिन मोते हो रही है।मरी हुई गोवंशों के लिए ग्राम प्रधान एवं सचिव के द्वारा गोवंशों को दफन ना कराकर उनको फेंकवा दिया जाता है। जिनके लिए कुत्ते नोच नोच कर अपना निवाला बनाते हैं। दंहगवा ब्लॉक के ग्राम सोनबुढी गौशाला की वीडियो सोशल मीडिया पर एक बहुत ही तेजी के साथ वायरल हो रही है। जिसमें मरे हुए गोवंश के लिए कुत्ते नोच नोच कर खाते नजर आ रहे हैं। वही गौशाला के अंदर मृत अवस्था में एक गोवंश भी पड़ा नगर आ रहा है। वही गौशाला के अंदर गंदगी का ढेर भी लगा हुआ नजर आ रहा है। वही एक तरफ जिले पर बैठे तेज तर्रार जिला अधिकारी कड़े निर्देशों के साथ आए दिन निर्देश भी देते नजर आ रहे हैं। कि किसी भी हाल में गोवंशों की दुर्दशा होती नजर नहीं आए वहीं गौशालाओं में साफ सफाई एवं चारे की व्यवस्था पूरी तरह उपलब्ध कराई जाए लापरवाही बरतने वालों के खिलाफ अन्यथा कड़ी कार्रवाई होगी लेकिन उसके बावजूद भी गौशालाओं के हालात सुधारने का नाम नहीं ले रहे।

भदवार गर्ल्स इंटर कॉलेज की छात्राओ को उपहार बाटें गए

संवाददाता

उझानी बदायूँ। लिसनिंग मैक्स 21 फाउंडेशन का एथलेटिक्स खेल का कैंप कर रही भदवार गर्ल्स इंटर कॉलेज की 25 छात्राओं को भाजपा के मंडल अध्यक्ष और कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अखिल अग्रवाल ने उपहार देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मंडल अध्यक्ष ने कहा कि भदवार गर्ल्स इंटर कॉलेज उझानी का माना हुआ कॉलेज है इसमें शिक्षा ग्रहण कर और खेलकूद के कार्यक्रमों में हिस्सा लेकर आप लोग विद्यालय का नाम रोशन करें और अपना भविष्य उज्जवल बनाएं। इस मौके पर कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि और एचडी दर्शनशास्त्र उमेश दत्त शर्मा ने गायत्री मंत्र का उच्चारण व उसका अर्थ सभी छात्राओं को समझाया इस अवसर पर कॉलेज की प्रधानाचार्य श्रीमती सुजाता माथुर कोच इकबाल अहमद साक्षी और कोऑर्डिनेटर नीरू कश्यप सहित कॉलेज का पूरा स्टाफ मौजूद रहा।

बुंदेलखंड गौरव महोत्सव की पहली शाम रही सांस्कृतिक कार्यक्रम की धूम, उड़े वैलून

हमीरपुर। सोमवार की पहली शाम बुंदेलखंड गौरव महोत्सव में लोकनृत्य व सांस्कृतिक कार्यक्रम की धूम देखने को मिली। महोत्सव में हास्य कलाकार अरशद खान ने अपने चुटकुलों से लोगों को लोटपोट कर दिया। लोग हास्य कलाकार को तालियों से उत्साहवर्धन करते रहे। पुलिस परेड मैदान में आयोजित कार्यक्रम में सोमवार की शाम लोगों ने जमकर लुफ्त उठाया। लोकनृत्य के साथ कार्यक्रम की शुरूआत हुई। इसके बाद गायकों ने अपने गीतों से समां बांध दिया। हास्य कलाकार अरशद खान के चुटकुलों ने लोगों को खूब लोटपोट किया। जैसे ही सिंगर सुधीर यदुवंशी का मंच में आगमन हुआ वैसे ही परेड मैदान लोगों के शोर से गूंज गया और उन्होंने डेढ़ घंटे में करीब 28 गाने गाकर लोगों को झूमने के लिए मजबूर कर दिया। उनके गीतों पर लोग थिरकते नजर आए। अंतिम गीत चक दे इंडिया के साथ उन्होंने कार्यक्रम का समापन किया और मंच से नीचे आकर लोगों से हाथ भी मिलाया।

लोहरगांव में बीएसपी ने कैडर बैठक कर संगठन को मजबूत बनाने की बनाई रणनीति

❖ बहुजन समाजवादी पार्टी कार्यकर्ताओं की मौजूदगी में गांव लुहरगांव में संपन्न हुई।

संवाददाता

कालपी/जालौन। विधानसभा कालपी के सेक्टर 26 जोल्हूपुर तथा 35 मटरा की कैडर मीटिंग बहुजन समाज पार्टी कार्यकर्ताओं की मौजूदगी में गाँव लुहरगाँव मे सम्पन्न हुई। जिसमें पार्टी के संगठन को मजबूत करने की राजनीति बनाई गई। लओहरगआंव में आयोजित बैठक में मुख्य अतिथि के तौर पर बसपा के झा?सी मण्डल प्रभारी म महेंद्र प्रताप सिंह, जिलाध्यक्ष धीरेन्द्र चौधरी ,भगवती शरण पॉचाल , हर नरायन पाल, होरी लाल मास्टर, क्रपा श?कर बौस, विनोद पाल कोषाध्यक्ष, देशराज? गोल्डी सोनू अहिरवार, से0अ0 राजेन्द्र गौतम, से0अ0 अखिलेश कुमार, महेश जाटव, जनक सिंह, विजय सिंह लमसर, भगवती शरण,दीपक कुमार, व राहुल गौतम. व कई साथी मौजूद रहे।

श्रीकृष्ण जन्मोत्सव का प्रसंग सुन खुशी से झूमे श्रोता, महिलाओं ने गाए मंगलगीत

हमीरपुर। सोमवार को कलेक्ट्रेट परिसर में चल रही श्रीमद्भागवत कथा के चौथे दिन में कथा व्यास मुकेश मोहन महाराज ने श्रीकृष्ण जन्म का वर्णन सुनाया। कृष्ण जन्म का प्रसंग सुन लोग खुशी से झूम उठे इस दौरान महिलाओं ने मंगल गीत भी गाए। कथाव्यास ने कहा कि भगवान की भक्ति की कोई उम्र नहीं होती। पांच वर्ष के बालक ध्रुव को भगवान ने दर्शन दिए उनकी सभी इच्छा पूर्ण हो गई। भगवान की भक्ति की शक्ति सब करने में समर्थ हैं। भारत वर्ष के अनेक तीर्थों का वर्णन हुआ। भारत स्वर्ग से भी सुंदर है जिसमे गंगा जमुना आदि पावन नदियां बहती हैं। इसी कारण भगवान के भी अवतार यहां ही होते है। कथा में भगवान श्री कृष्ण जी का जन्म उत्सव बड़ी धूमधाम से मनाया गया। जिसमे नंद के आनंद भयो जै कन्हैया लाल की भजन की बधाई गई। जिसे सुनकर भक्त लोग भाव विभोर हो उठे और महिलाएं झूमने लगीं।

एक नज़र

कई विभागों में चला तबादलों का दौर

संवाददाता

कालपी(जालौन)। लोकसभा की आम चुनाव के पहले शासकीय महकमों में तबादलों का दौर चल रहा है। कोतवाली में तैनात 21 सिपाहियों के दो सूचियां में स्थानांतरण हो गए है। जिसमें तीन महिला कांस्टेबल के नाम भी शामिल है। वही कालपी के तहसीलदार शेर बहादुर सिंह का भी तबादला हो गया है। जबकि कदौरा विकासखंड के शिक्षा अधिकारी के पद पर भी फेरबदल हो गया है। स्थानांतरण आदेशों का पालन करते हुए अधिकारियों तथा कर्मचारियों के द्वारा नवीन तैनाती स्थल में कार्यभार ग्रहण कर लिया गया है। स्थानांतर की सूची में कई सिपाही ऐसे भी शामिल हैं जिनको एक वर्ष भी कालपी में नहीं हुआ था। मसलन कोतवाली के हेड मुहर्रिर मुकेश बाबू का नाम इसमें शामिल है। समझा जाता है कि इस महीने कई अन्य विभागों में भी स्थानांतर हो सकते हैं।

किसान हो चाहे नौजवान भाजपा सरकार में हैं परेशानः दीपराज गुर्जर

संवाददाता

कालपी (जालौन)। किसान हो चाहे नौजवान इस मौजूदा भाजपा सरकार में सभी परेशान हैं उक्त बात समाजवादी पार्टी के जिला अध्यक्ष दीपराज गुर्जर ने आज कदौरा ब्लॉक के गांव अकोढ़ी में पीडीए जन पंचायत चौपाल में उपस्थित गांव वालों को संबोधित करते हुए कहीं। उन्होंने कहा कि आज भारतीय जनता पार्टी की सरकार में सब परेशान है अब से पहले जनता कभी इतनी परेशान नहीं रही। अपमानित किसान, मजदूर, गरीब , महिला, बेरोजगार युवा, बेहाल व्यापारी के साथ-साथ शिक्षक कर्मचारी सभी बेहाल हैं। वर्तमान में लोगों को लाइव चेकिंग के नाम पर परेशान किया जा रहा है । मनमाने बिजली के बिल भेजे जा रहे हैं। चौराहों पर वाहनों के ऑन लाइन चालानों के नाम पर लोगों को लूटा जा रहा है । उन्होंने कहा कि किसानों का जो उत्पीड़न हो रहा है वो असहनीय है। उन्होंने कहा की मौजूदा भाजपा सरकार में किसानों के लिए खाद, बीज, पानी, विद्युत और आवारा जानवरों की समस्या मुसीबत बनी हुई है ।वहीं पढ़े लिखे युवा बिना जॉब के बेरोजगार हुए इधर-उधर भटक रहे हैं। सरकार किसानों और नौजवानों की परेशानियां जैसे मुद्दों से जनता को भ्रमित करने के लिए तरह-तरह के धार्मिक प्रपंच रचकर सत्ता हासिल करने की साजिश रच रही है। उन्होंने उपस्थित सभी ग्रामीणों से अनुरोध किया कि यदि वे लोकतंत्र और संविधान को बचाना चाहते हैं तो एकजुट होकर पीडीए का साथ दें और लोकसभा चुनाव 2024 में भाजपा को हराकर करारा जवाब दें।

पुत्री के मजिस्ट्रेटियल बयान एवं डाक्टरी परीक्षण की मांग को लेकर डीएम को सौपा ज्ञापन

संवाददाता

कालपी (जालौन)। आटा थाना क्षेत्र के अंर्तगत ग्राम इटौरा गुरु निवासी उदयभान पुत्र लोटन ने आज मंगलवार को राष्ट्रीय चमार महासभा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष मनोज अहिरवार एवं पीड़ित पुत्री के साथ कलेक्ट्रेट पहुंच कर जिलाधिकारी को शिकायती पत्र देते हुए बताया कि वह मजदूरी करके अपना व अपने परिवार का भरण पोषण करता है। प्रार्थी की दो पुत्रियों में श्रीमती रिन्की देवी पत्नी वृजेन्द्र एंव किरन देवी पत्नी सोनू जो मकर संक्रांति त्योहार पर प्रार्थी के घर आयी थी। 27 जनवरी 2024 को प्रार्थी की दोनो पुत्रियाँ बिना बताये कही चली गयी थी तो प्रार्थी ने पुलिस चौकी इटौरा तथा थाना आटा में सूचना दी थी तब 30जनवरी 2024 को पुलिस इंचार्ज चौकी द्वारा छोटी पुत्री किरन को बरामद कर लिया गया और प्रार्थी को सुपुर्द कर बताया कि तुम्हारी लड़की बसन्त कुमार पुत्र रामनरेश सविता निवासी ग्राग इटौरा अकबरपुर के साथ मिली है। जबकि प्रार्थी की पुत्री के मजिस्ट्रेटियल ब्यान एवं डाक्टरी नही करवाया गया और न ही बड़ी पुत्री रिन्की देवी को बरामद किया गया जिससे प्रार्थी को सक है कि उसकी बडी पुत्री बसन्त कुमार के देखरेख में हो सकती है। प्रार्थी को भय है कि प्रार्थी की पुत्री रिन्की के साथ अप्रिय घटना घटित न हो जाये। पीड़ित ने पुत्री किरन की मजिस्ट्रेटियल ब्यान एवं डाक्टरी परीक्षण व बड़ी पुत्री रिन्की का गुमसुदी में मुकदमा दर्ज करवाये जाने की मांग जिलाधिकारी से उठाई है।

एडी पशुपालन के औचक निरीक्षण में अनुपस्थित मिले डाक्टर व प्रभारी

हमीरपुर। मंगलवार को सुमेरपुर स्थित पशु चिकित्सालय का औचक निरीक्षण करने पहुंचे अपर निदेशक पशुपालन चित्रकूट मंडल को अस्पताल में डाक्टर एवं प्रभारी फार्मासिस्ट अनुपस्थित मिले। जिसके चलते बिना निरीक्षण के ही वह बैरंग वापस लौट गए। अपर निदेशक पशुपालन चित्रकूट धाम मंडल डा. अनंत कुमार ने मंगलवार को दोपहर एक बजे पशु चिकित्सालय का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के समय प्रभारी चिकित्सा अधिकारी डा. अंकुर सचान मुख्यालय में चल रहे महोत्सव में ड्यूटी पर थे। प्रभारी फार्मासिस्ट राम बहादुर अवकाश पर थे। इस वजह से वह अस्पताल का निरीक्षण नहीं कर सके।

थाना आटा पुलिस टीम द्वारा हत्या की घटना में वांछित 03 अभियुक्तों को में आलाक़त्ल के किया गिरफ्तार

संवाददाता

उरई जालौन। दिनांक 06.02.2024 कॉ वादी श्री चंद्रशेखर पुत्र रामस्वरूप निषाद नि0 ग्राम भाडराडेरा माजरा प्रसन थाना आटा जनपद जालौन ने तहरीरी सूचना दी की दिनांक 05.02.2024 की रात्रि में अपने चचेरे भाई भूपसिंह पुत्र लक्ष्मीनारायण नि0 ग्राम भादराडेरा माजरा परासन थाना आटा जनपद जालौन के साथ थाना जरिया जनपद हमीरपुर से दावत खाकर अपने गांव के किनारे पंहुचा था की मेरे ही परिवार के 01 हीरालाल निषाद02. बृज किशोर 03. लाल पुत्रगण स्व राम रतन नि0गण भाडराडेरा माजरा परासन थाना आटा जनपद जालौन 04. हीरालाल पुत्र गया प्रसाद निषाद निवासी ग्राम भेड़ी थाना जलालपुर जनपद हमीरपुर लाठी डंडा से जान से करने की नीयत से मरने लगे मैं अपनी जान बचाकर खेत की तरह भाग और भूप सिंह भाग नहीं पाया और इन लोगों द्वारा डंडों से मारकर घायल कर दिया जिससे भूप सिंह की मृत्यु हो गई है इसके संबंध में था ना आटा में मु 0अ 0 स 0 12/24 धारा 302/323/504/34 भादवी पंजीकृत किया गया उक्त अभियोग में वांछित अभियुक्त की शीघ्र गिरफ्तारी हेतु थाना आटा पुलिस टीम को लगाया गया था जिसके फल स्वरुप थाना आटा पुलिस टीम द्वारा थाना क्षेत्र में रोकथाम अपराध चेकिंग संदिग्ध व्यक्ति लुटेरे वाहन चोर वांछित अपराधी एवं पत्थर से सुरागरसी के दौरान मुखबिर की सूचना पर कहटा पुल के पास से अभियुक्त 01. हीरालाल निषाद पुत्र रामरतन निवासी ग्राम भाडराडेरा थाना आटा जनपद जालौन 02. लाल उर्फ रामसनेही पुत्र स्व रामरतन निवासी ग्राम भाडराडेरा परासन थाना आटा जनपद जालौन 03. हीरालाल पुत्र गया प्रसाद निवासी ग्राम बड़ी भेड़ी जलालपुर थाना जलालपुर जनपद हमीरपुर कॉ गिरफ्तार कर अभियुक्त गणों किनेशा देही पर घटना में प्रयुक्त किए गए03 अदद लाठी डंडे अलाक़त्ल को बरामद कर आवश्यक विधायक कार्रवाई की गई।

पावर एंजिल सशक्तिकरण से बालिका शिक्षा में सुधार निश्चित -चंचल उपाध्याय उसहैत

संवाददाता

बदायुं। खंड शिक्षा अधिकारी कार्यालय उसावां पर ब्लाक स्तरीय पावर एंजिल के सशक्तिकरण हेतु शिक्षक/शिक्षिकाओं की तीन दिवसीय उन्मुखीकरण कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें संदर्भ दाता प्रशिक्षकों द्वारा नई शिक्षा नीति,ड्राप आउट बच्चों की शत् प्रतिशत उपस्थिति,ठहराव, एवं ट्रांजिक्शन सुनिश्चित करना आदि पर विस्तार से प्रकाश डाला गया। प्रशिक्षण में बोलते हुए प्रशिक्षक श्रीमती चंचल उपाध्याय ने बताया कि शासन का लक्ष्य सभी ड्राप आउट बच्चों विशेषकर बालिकाओं को शत् प्रतिशत उपस्थिति, ठहराव एवं ट्रांजिक्शन सुनिश्चित करना है ताकि बालिकाएं शिक्षा से वंचित न रह जाएं। उन्होंने कहा कि नई शिक्षा नीति में मीना मंच में अब एक की जगह प्रत्येक जूनियर हाईस्कूल से तीन बालिकाओं को चयनित करते हुए विद्यालय में कक्षा 5 पास प्रत्येक बालिका का एडमिशन कराने के लिए प्रेरित किया जाएगा। ताकि कोई बालिका ड्राप आउट न रह जाए। उन्होंने कहा कि बालिकाओं के साथ ही यह मीना बहनों को बालक बच्चों को भी ड्राप आउट श्रेणी से बचाव एवं शत् प्रतिशत एडमिशन की जिम्मेदारी हेतु प्रेरित किया जाएगा। प्रशिक्षण में प्रशिक्षक श्रीमती मोनिका शर्मा ने जेंडर स्टीरियो टाइप,आधा फुल आदि उदाहरण के माध्यम से प्रशिक्षण को और रोचक बना दिया। तथा प्रतिभागियों की सहभागिता को अनिवार्य बताते हुए प्रशिक्षण के सभी बिन्दुओं को आत्मसात कर विद्यालय में अपनाये जाने की अपील की।प्रशिक्षण में शिक्षक संघ के ब्लाक अध्यक्ष रामसेवक वर्मा, दीपमाला, जीशान खां, शाकिर अली,एनके पाठक,फराह दीवा, रश्मि राठौर,नबी अहमद खान, समेत 51शिक्षकों ने भाग लिया।

पत्रकारों से सूत्र पूछने का पुलिस और कोर्ट को कोई अधिकार नहीं - सुप्रीम कोर्ट

संवाददाता

नई दिल्ली। सूत्रों के हवाले से खबर लिखने वाले पत्रकारों के लिए अच्छी खबर है। सुप्रीम कोर्ट ने एक बार फिर से पुलिस विभाग और प्रशासनिक अधिकारियों पर जमकर निशाना साधा है। सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति धनंजय यशवंत चंद्रचूड़ की बेंच ने पुलिस को भारतीय संविधान के आर्टिकल 19 और 22 की याद दिलाई है। चीफ जस्टिस ने कहा कि, 'पत्रकारों के मौलिक अधिकारों की स्वतंत्रता के खिलाफ पुलिस किसी भी पत्रकार से उनकी खबरों के लिए सूत्र नहीं पूछ सकती है। यहां तक की कोर्ट भी उन्हें ऐसा करने के लिए बाध्य नहीं कर सकता।' चीफ जस्टिस ने कहा कि, 'आजकल ये देखने को मिल रहा है कि बिना किसी ठोस सबूत और बिना जांच के पत्रकारों के खिलाफ मुकदमे दर्ज कर लिए जाते हैं। श्रेष्ठ बनने के चक्कर में पुलिस पत्रकारों की स्वतंत्रता का हनन कर रही है।' आपको बता दें कि सूत्रों के हवाले से चलने वाली खबरों के कई मामले कोर्ट में जा चुके हैं। कोर्ट ने पत्रकारों से खबरों के सूत्र बताने का आदेश भी दे चुके हैं लेकिन चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया के इस फैसले के बाद मीडिया जगत में उत्साह है। जानकारी के लिए बता दें कि हमारे देश में किसी विशेष कानून के जरिए पत्रकारों को अधिकार हासिल नहीं हैं। पत्रकारों के लिए अभिव्यक्ति की आजादी का अधिकार बाकी नागरिकों की तरह संविधान के अनुच्छेद 19 (1) (डु) के अंतर्गत ही मिले हुए हैं। पत्रकारों को अपने सूत्र को गोपनीय रखने का अधिकार प्रेस काउंसिल ऑफ इंडिया एक्ट 1978 के तहत मिला हुआ है। इसमें 15 (2) सेक्शन में साफ तौर पर लिखा हुआ है कि किसी भी पत्रकार को खबरों के सूत्र की जानकारी के लिए कोई बाध्य नहीं कर सकता लेकिन प्रेस काउंसिल ऑफ इंडिया के नियम कानून कोर्ट में लागू नहीं होते हैं। इसके आधार पर कोर्ट में किसी तरह की छूट की मांग नहीं की जा सकती है।

फाइलेरिया कार्यक्रम की सफलता को लेकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर बैठक हुयी संपन्न

❖ फाइलेरिया मुक्त भारत अभियान की सफलता के लिए आशा की हुई बैठक।

संवाददाता

उरई जालौन। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र रामपुरा में मंगलवार को डब्लू एच ओ के जोनल कोऑर्डिनेटर डॉ अनिल कुमार की अध्यक्षता में फाइलेरिया कार्यक्रम को लेकर आशा कार्यकर्ताओं के साथ बैठक आयोजित की गई। आयोजित बैठक में फाइलेरिया की दवा वितरण करने को लेकर विस्तार पूर्वक चर्चा की गई। डबल्यूएचओ से आए ज़ोनल कोंओर्डीनेटर डॉ राहुल ने बताया फाइलेरिया क्यूलेस मच्छरों के काटने से होता है। इस प्रकार की बीमारी जो किसी मच्छर के काटने से होता है उसे वेक्टर जनित रोग कहा जाता है। दुनिया में सबसे अधिक विकलांगता और विरूपता का कारण फाइलेरिया ही है।

जिसकी रोकथाम करना जरूरी है। इसकी रोकथाम के उपायों सर्वजन दवा सेवन अभियान द्वारा किया जा रहा हैं। सरकार द्वारा बड़ी संख्या में लोगों को फाइलेरिया जैसी गंभीर बीमारी से बचाने के लिए कई कदम उठाये हैं। प्रभारी चिकित्साधिकारी डॉ प्रदीप कुमार राजपूत ने आशाओं को फाइलेरिया की दवा खिलाने पर जोर दिया। गर्भवती माता एवं बच्चा के मृत्यु रिपोर्ट ससमय देने पर बल दिया। गर्भवती की जांच के साथ-साथ बच्चे के पूर्व प्रतिरक्षण की बात कही। प्रसव के दौरान यदि महिलाओं को कोई कठिनाई हो तो उन्हें चिन्हित कर उसकी सूची सीएचसी में जमा करने का निर्देश दिया। बैठक में मौसमी बीमारी की जानकारी देते हुए उसके बचाव को लेकर खान-पान पर ध्यान रखते हुए वासी भोजन नहीं करने की बात कही। जबकि फाइलेरिया से बचाव को लेकर लोगों को खिलायी गयी दवा की समीक्षा की गयी। वहीं परिवार नियोजन लक्ष्य को पूरा नहीं करने वाली आशा को अपना लक्ष्य पूरा करने का हिदायत दी गयी। उक्त मौके पर डब्लू एच ओ के जोनल कोऑर्डिनेटर डॉ अनिल कुमार, एआरओ रमेश भास्कर, बीपीएम शिवकुमार,भीम प्रकाश, अंकिता उपाध्याय के साथ क्षेत्र की आशाएं मौजूद रही।

थाना एट पुलिस ने तीन के विरुद्ध गैंगस्टर एक्ट की कार्यवाही की

संवाददाता

एट जालौन। अभियुक्त द्वारा गिरोह बनाकर स्वयं के व गेम के सदस्यों को आर्थिक लाभ व भौतिक लाभ हेतु आईपीसी की धारा 17 एवं गोविंद निवारण अधिनियम के तहत अपराध करते हुए फर्जी दस्तावेज बनाकर छल से गोम्स को बेचकर धन अर्जित करना आपराधिक श्रेणी में आता है उक्त अपराध में लिफ्ट तीन लोगों गुलजार पुत्र मोहम्मद उमर निवासी गली नंबर 9 मकान नंबर तीन तृतीय फ्लोर बृजपुर एक मखाना रोड नई दिल्ली मूल निवास शहपुर मोहम्मद शेर खान उत्तरी थाना व्यवहार जनपद बिजनौर व मोहम्मद यूसुफ पुत्र इनामुल हक मकान नंबर 187 मोहम्मद शहीद चंदन थाना चांदपुर बिजनौर हाल पता प्रथम जीवन जय करण रेस्टोरेंट के पास दिया गंज थाना दरियागंज नई दिल्ली और नवीन कुमार पुत्र रूपलाल मेहता निवासी बाह थाना भयडी जनपद बिलालपुर हिमाचल प्रदेश के विरुद्ध थाना अध्यक्ष 8 अजय कुमार ने मुकदमा संख्या16/24 धारा 2/3 गैंगस्टर एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर दिया है।

जिला स्तरीय निगरानी समिति की बैठक हुई संपन्न

संवाददाता

शहडोल। जिला स्तरीय निगरानी समिति की बैठक कलेक्टर कार्यालय के विराट सभागार में कलेक्टर श्रीमती वंदना वैद्य की उपस्थिति में संपन्न हुई। बैठक में कलेक्टर श्रीमती वंदना वैद्य ने विभागों की समीक्षा करते हुए विभिन्न योजनाओं में पात्र हितग्राहियों की सुची अनुसार लबित प्रकरणों को शीघ्र निराकरण किये जाने हेतु निर्देशित दिए एवं प्रत्येक टीएल में भी योजना की समीक्षा हेतु कहा गया। बैठक में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री राजेश जैन द्वारा सभी विभागो को आपस में समन्वय करते हुए उक्त योजना में शत प्रतिशत प्रगति लाने हेतु निर्देशित किया गया साथ ही कहा गया कि उक्त योजना शासन की प्राथमिकता वाली योजना में सम्मिलित है। बैठक में परियोजना अधिकारी श्री अक्षत बुंदेला जिला शहरी विकास अभिकरण द्वारा स्वनिधि से समृद्धि योजना के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। बैठक में बताया गया कि स्वनिधि से समृद्धि योजना में शहडोल जिले के 06 नगरीय निकाय शहडोल, धनपुरी बुढार ब्यौहारी एवं जयसिंहनगर एवं खांड को सम्मिलित किया गया है। योजना के तहत पीएम-स्वनिधि योजना के लाभांवित पथ विक्रेताओं के परिवार के पात्र सदस्यों को भारत सरकार की 08 जन कल्याणकारी योजनाओं यथा प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना, प्रधानमंत्री जन धन योजना, वन नेशन वन कार्ड योजना, प्रधानमंत्री श्रमयोगी मानधन योजना, जननी सुरक्षा योजना, प्रधानमंत्री वंदना योजना तथा भवन निर्माण श्रमिकों का पंजीयन योजना का लाभ पहुंचाना है।बैठक में अपर कलेक्टर श्री रामोनुस टोप्पो, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व श्री अरविंद शाह, डिप्टी कलेक्टर श्रीमती एंटोनियो सहित अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

दगना कुप्रथा रोकने हेतु चलेगा 7 से 9 फरवरी तक विशेष अभियान

बच्चों का होगा स्क्रीनिंग व स्वास्थ्य परीक्षण

संवाददाता

शहडोल। कलेक्टर श्रीमती वंदना वैद्य ने जिले में दगना कुप्रथा को रोकने हेतु 7 फरवरी से 9 फरवरी तक जिले में विशेष अभियान चलाने के निर्देश मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी एवं जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला बाल विकास अधिकारी को दिए। उन्होंने कहा कि विशेष अभियान के तहत प्रशासन द्वारा जारी कार्ययोजना एवं मानक प्रचालन प्रकिया (SOP) अनुसार,ब्लाक, परियोजना स्तर से ग्राम स्तरीय दल (आंगनबाडी कार्यकर्ता, ए0एन0एम0 एवं आशा कार्यकर्ता)का दल गठन करते हुये, 0 से 1 वर्ष तक के बच्चों की स्क्रीनिंग एवं स्वास्थ्य जांच हेतु विशेष अभियान दिनांक 07 फरवरी से 09 फरवरी 2024 तक आयोजित करे, जिसमें बच्चों के दागे जाने के परिपेक्ष्य में शीत जनित बीमारियों (सर्दी, जुकाम, निमोनिया, पेट फूलना, सांस लेने में तकलीफ आदि) से ग्रसित बच्चों की लाइन लिस्टिंग कर उसे नजदीकी स्वास्थ्य केन्द्र में पहुंचाकर उपचार दिलाया जाये। उन्होंने कहा कि नवजात शिशु के दागने की घटना का संज्ञान होने पर संबंधित आंगनवाड़ी कार्यकर्ता द्वारा आशा कार्यकर्ता के सहयोग से शिशु को तत्काल इलाज हेतु नजदीकी सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र,जिला चिकित्सालय, मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया जाना सुनिश्चित हो,परियोजना अधिकारी एवं संबंधित पर्यवेक्षक चिकित्सा अधिकारी के संपर्क में रह कर नवजात शिशु के स्वास्थ्य की निगरानी स्वंय करेगें,जिला बाल संरक्षण इकाई नवजात शिशु के देखभाल व संरक्षण की आवश्यकतानुसार बाल कल्याण समिति के माध्यम से देखभाल एवं संरक्षण समुचित आदेश प्राप्त करना तुनिश्चित किया जायेगा, नवजात शिशु को दागने वाली घटना क्षेत्र में महिला एवं बाल विकास विभाग, स्वास्थ्य विभाग, व आर.बी.एस.के. के साथ क्षेत्र के नवजात शिशुओं का सर्वे किया जाकर उनके स्वास्थ्य, वजन एवं टीकाकरण की जानकारी लेकर आवश्यक स्वास्थ्य सेवा प्रदाय करायी जायेगी, नवजात शिशु को दागने वाली घटना क्षेत्र में महिला एवं बाल विकास विभाग व स्वास्थ्य विभाग द्वारा गर्भवती माताओं, धात्री माताओं व अन्य स्थानीय जन मानस के साथ कुप्रथाओं के उन्मुलन के संबंध में चौपाल, संगोष्ठी , बैठक कर समझाईश प्रदान करेगें,घटना वाले क्षेत्र में आंगनवाड़ी कार्यकर्ता / पर्यवेक्षक / परियोजना अधिकारी द्वारा तत्काल जादू टोटके करने वाले ओझा/गुनिया / दाई आदि को चिन्हित किया जायेगा तथा उसकी सूचना स्थानीय थाना को भेजी जायेगी,दागना कुप्रथा का व्यवहार करने वाले सामुदायों के जन प्रतिनिधि, धर्मगुरू, पंडा आदि के साथ बैठक कर सामाजिक व्यवहार में परिवर्तन हेतु प्रेरित किये जाए।

दिनभर छाए रहे बादल, बढ़ी गलन

बाराबंकी। जिले में सुबह से ही बादल छाए रहे। पूरे दिन सूरज नहीं निकला। सर्द हवाओं के चलने से तापमान में गिरावट आ गई, जिससे शाम होते ही गलन बढ़ गई। धुंध के चलते वाहनों की रफ्तार धीमी रही। बारिश का असर फसलों पर भी दिखाई दिया। तेज हवा चलने से सरसों की फसल खेतों में पसर गई, वहीं आलू की फसल पर भी मौसम का असर पड़ा है। इससे किसानों की चिंता बढ़ गई है। बारिश से मोहल्लों में कीचड़ हो जाने से लोगों को आवागमन में दिक्कतों का सामना करना पड़ा। बारिश से गेहूं की फसल को जहां लाभ पहुंचा है वहीं सरसों और आलू की फसल पर इसका विपरीत असर भी पड़ा है। बारिश के बाद चली तेज हवा से जहां सरसों की फसल खेतों में पसर गई है, वहीं आलू की फसल भी प्रभावित हुई है और रोग लगने की संभावना बढ़ गई है। मंगलवार को भी पूरे दिन बादल छाए रहे। सर्द हवाओं के चलने से जहां तापमान में गिरावट आई है, वहीं शाम होते ही गलन बढ़ने से लोगों की परेशानी और बढ़ गई है।

एक नज़र

सिंचाई बन्धु की मासिक बैठक 13 फरवरी को।

आगरा। जिला पंचायत अध्यक्ष की अध्यक्षता में सिंचाई बन्धु की मासिक बैठक तेरह फरवरी को पूर्वान्ह 11 बजे से अपरान्ह 01 बजे तक जिला पंचायत सभागार में आयोजित की गई है।जिसमे अधिशासी अभियन्ता लोअर खण्ड आगरा नहर ने दी। उन्होंने नहरों की समुचित सफाई कार्यक्रम एवं विवरण, नहरों की कटिंग व टेल तक पानी पहुंचाये जाने की समस्या, रोस्टर के अनुसार नहरों का चलना, नहरों के कुलावों की व्यवस्था सम्बन्धी समस्या, राजकीय नलकूपों के संचालन से सम्बन्धित समस्या, सिंचाई शुल्क निर्धारण समस्या, नलकूप बन्दी समस्या तथा सिंचाई मंत्री के माध्यम से निर्देशित कार्यों आदि पर समीक्षा की जायेगी।

पूर्णकालिक कर्मचारी की नियुक्तिके बाद पूर्व की जा सकती है समाप्त

आगरा। पीठासीन अधिकारी, मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण नरेन्द्र कुमार पाण्डेय ने अवगत कराया है कि मोटरयान अधिनियम-1988 की धारा 165 के अन्तर्गत न्यायालय मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण, आगरा, को क्रियाशील रखने को शासन परिवहन अनुभाग-3 के परिप्रेक्ष्य में पूर्णकालिक कर्मचारी की नियुक्ति होने तक अस्थाई व्यवस्था के रूप में तृतीय श्रेणी कर्मचारी/कनिष्ठ सहायक के दिनांक 31जुलाई .2023 को रिक्त हुऐ पद पर नियुक्ति को 65 वर्ष की आयु से कम व शारीरिक रूप से स्वस्थ सेवानिवृत्त राज्य कर्मचारियों से आवेदन पत्र आमंत्रित किये गये हैं। उन्होंने आगे यह भी अवगत कराया है कि प्राधिकृत व्यक्ति द्वारा आवेदन पत्र 20.फरवरी के पूर्वान्ह (12 बजे दोपहर) तक वैयक्तिक सहायक कक्ष, मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण, दीवानी न्यायालय में, व्यक्तिगत रूप से/डाक द्वारा अथवा अधिकरण की ई-मेल आई0डी0 mactagra@gmail.com पर प्राप्त कराये जा सकते हैं। पीठासीन अधिकारी ने बताया कि नियुक्ति पूर्णतः अस्थाई है, जो पूर्णकालिक कर्मचारी की नियुक्ति अथवा उससे पूर्व समाप्त की जा सकती है। उक्त सूचना मोटर दुर्घटना अधिकरण, नजारत, जनपद न्यायालय, जिला मजिस्ट्रेट आगरा, सम्भागीय परिवहन कार्यालय के नोटिस बोर्ड पर चस्पा की।

रोजगार मेला का आयोजन क्षेत्रीय सेवायोजन कार्यालय परिसर,8 फरवरी को

आगरा। सहायक निदेशक (सेवायोजन) चन्द्रचूड़ दुबे ने अवगत कराया है कि क्षेत्रीय सेवायोजन कार्यालय द्वारा दिनांक 08-फ़रवरी को प्रातः 10 बजे से एक दिवसीय निःशुल्क रोजगार मेला क्षेत्रीय सेवायोजन कार्यालय परिसर, साई का तकिया, एम0जी0 रोड, आगरा में आयोजित किया जा रहा है। इस मेले में निजी क्षेत्र के नियोजकों/ कम्पनियों द्वारा 300 से अधिक रिक्त पदों पर अभ्यर्थियों का चयन साक्षात्कार के माध्यम से किया जायेगा। उन्होंने आगे यह भी अवगत कराया है कि मेले में प्रतिभाग करने के इच्छुक अभ्यर्थी सेवायोजन पोर्टल (सेवा योजन डाट यूपी डाट एनआईसी डाट इन) की रोजगार मेला आई0डी0- 9669 अथवा एन0सी0एस0 पोर्टल (एन सीएसडाटजीओवी डाट इन) पर अपना ऑनलाइन आवेदन 08-फरवरी तक करने के उपरान्त सभी शैक्षिक प्रमाण पत्र व बायोडाटा सहित प्रतिभाग कर सकते हैं।

आगरा को किया गया बजट डार्किनार हाजी असलम कुरेशी

आगरा। इस्लामिया लोकल एजेंसी के चेयरमैन हाजी असलम कुरेशी ने कहा कि आगरा को बजट से किया गया खाली जबकी आगरा के उद्योग को इस बजट से काफी उम्मीदें थी लेकिन प्रदेश की योगी सरकार ने भी आगरा को बजट में खाली हाथ छोड़ा पश्चिम पाताल पर प्रसिद्ध ताजमहल यानी पर्यटन उद्योग को भी पूरी तरह से किया गया है नजर अंदाज इस तरह का बजट से आगरा की जनता में छाई हुई है मयूसी मोहब्बत की नगरी कहे जाने वाले आगरा में पर्यटन उद्योग के अलावा जूता उद्योग कपड़ा उद्योग भी भरा पड़ा है लेकिन योगी सरकार के बजट में आगरा को कोई स्थान न देकर आगरा शहर के साथ सोतेला व्यवहार किया गया है जिसे आगरा की जनता में मयूसी छाई हुई है हम सभी को इस बजट से काफी उम्मीद थी कि आगरा शहर को भी इस बजट में शामिल कर उद्योग को कुछ बिगाड़ दिया लेकिन सिर्फ और सिर्फ मेट्रो को मेट्रो को तवज्जो देकर आगरा को अपना बजट हल्का सा जोड़ा गया है जिसे आगरा का गरीब व्यक्ति परेशान रहेगा क्योंकि गरीब व्यक्ति कामकाज से आज उठा बैठा है प्रदेश सरकार को इस बजट में गरीबों का ख्याल रखना था लेकिन इस बजट आगरा को नुक्सान पहुंचा है क्योंकि हर व्यक्ति की उम्मीद इस बजट से काफी लगी हुई थी लेकिन योगी सरकार के क्या बार का बजट मैं आगरा को खाली हाथ छोड़ दिया गया।

दिग्भ्रमित एवं विकास से कोसों दूर-

उत्तर प्रदेश सरकार का यह बजट दिशाहीन,दिग्भ्रमित, किसान, और नौजवान विरोधी होने के साथ जन भावनाओं के प्रतिकूल है। इस बजट में ऐसी कोई बात नहीं कही गई है ना कोई ऐसा प्रावधान किया गया जिससे प्रदेश के आर्थिक विकास का मार्ग प्रशस्त होता हो। कुछ चंद पूँजीपतियों के हितों के संवर्धन एवं कमीशन खोरी को बढ़ावा देने वाला यह बजट है। इसमें महिलाओं, श्रमिकों, मज़दूरों,किसानों, खुदरा, दुकानदारों, नौकरी पेशा करने वालों के लिए कुछ भी नहीं है। हम सबमें इस बजट से निराशा है। सबका साथ सबका विकास जुमला साबित हुआ। यथार्थ में धरातल पर स्थितियाँ इसके बिलकुल विपरीत है सरकार को विकास के नाम पर वोट चाहिए पर विकास नहीं करना है।

अनुपम मिश्रा, राष्ट्रीय सचिव

अमलाई पुलिस ने पकड़ा अवैध नशीली कफ सीरप का जखीरा

150 सीसी नशीली कोरेक्स सिरफ बरामद

❖ थाना अमलाई में एनडीपीएस एवं ड्रग कंट्रोल एक्ट के तहत अपराध पंजीबद्ध

संवाददाता

शहडोल। पुलिस अधीक्षक शहडोल श्री कुमार प्रतीक के मार्गदर्शन में अवैध नशे के तस्करों, व्यापारियों के विरूद्ध शहडोल पुलिस द्वारा लगातार प्रभावी कार्यवाहियां की जा रही है।थाना अमलाई क्षेत्र अंतर्गत दिनांक 04.02.2024 को मुखबिर सूचना प्राप्त हुई कि अमराड़ण्डी कि तरफ दो व्यक्ति बैग में अवैध नशीली दवा लेकर बेचने की फिराक में जाने वाले है सूचना पर अमलाई पुलिस द्वारा अमराडण्डी तिराहा पर पहुँचकर कुछ समय इंतजार करने के बाद दो व्यक्ति आते दिखे जिन्हें रकवाकर नाम पता पूछने पर उन्होंने अपना नाम क्रमशः 01. अरमान अली उर्फ अरबाज पिता परवेज अली निवासी धनपुरी एवं 02. मो0 जफर उर्फ राजा बाबू निवासी नरगडा मोहल्ला थाना धन्पुरी का होना बताये जिनके बैगों की तलाशी लेने पर बैगों में 150 नग नशीली कफ सिरफ कीमती 27,000 रूपये की होना पायी गई। उक्त नशीली कफ सिरप के बारे में दस्तावेज मांगने पर कोई वैध दस्तावेज न होना बताये। जिससे उक्त नशीली कफ सिरफ दवाओं को जप्त कर आरोपियों के विरूद्ध NDPS ACT एवं ड्रग कन्ट्रोल एक्ट के तहत अपराध पंजीबद्ध किया गया। उक्त कार्यवाही में थाना प्रभारी अमलाई के नेतृत्व में सउनि0 करतार सिंह, प्र0आर0 जयवेन्द्र सिंह,आर0 गुलाब सिंह एवं तीरथ सिंह की सराहनीय भूमिका रही।

एडीजीपी, पुलिस अधीक्षक ने हत्या के घटना स्थल का किया निरीक्षण

संवाददाता

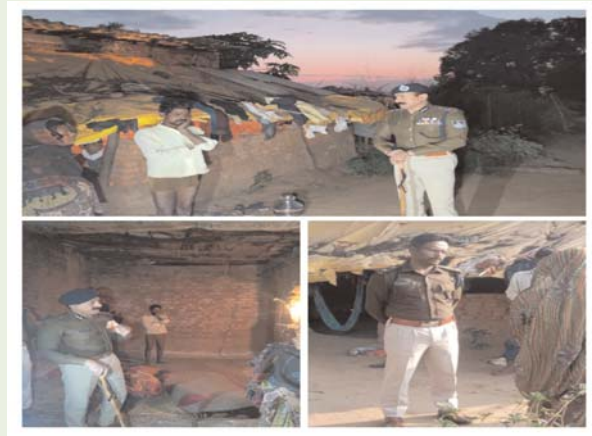

शहडोल। मृतक बच्चे की मां के द्वारा थाना ब्यौहारी में रिपोर्ट दी गई कि ग्राम बरकछ में पारिवारिक विवाद में आरोपी द्वारा सोते हुए 05 वर्षीय बालक की कुल्हाड़ी से मारकर हत्या कर दी गई है। पड़ोसियों द्वारा बीच-बचाव करने पर आरोपी देवर रमला कोल ने कुल्हाड़ी को लेकर भाग गया। बालक को अस्पताल ले जाते समय उसकी मृत्यु हो गई। सूचना पर आरोपी के विरूद्ध धारा 449, 294, 505, 307, 302 ता. हि. का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। पुलिस द्वारा आरोपी को तत्काल पकड़कर गिरफ्तार किया गया। घटना की गंभीरता को दृष्टिगत रखते हुए श्री डी0 सी0 सागर अति. पुलिस महानिदेशक, शहडोल जोन शहडोल, श्री कुमार प्रतीक पुलिस अधीक्षक शहडोल, घटना स्थल पर पहुंचकर निरीक्षण किया गया। जिनके पर्यवेक्षण में पुलिस द्वारा घटनास्थल से सभी आवश्यक साक्ष्य परीक्षण हेतु संकलित किए गए। एडीजीपी एवं पुलिस अधीक्षक द्वारा थाना प्रभारी एवं एसडीओपी को प्रकरण के संबंध में विस्तृत दिशा-निर्देश दिये गए हैं। उक्त कार्यवाही मे उनि मोहनदास पड़वार, रामदत्त चक्रवाह, बालकरण प्रजापति, सउनि गया प्रसाद, प्र.आर. जीवनलाल, केदार सिंह, आर. संजय द्विवेदी, गंगा सागर गुप्ता एव अन्य अधिकारी /कर्मचारी गण की सराहनीय भूमिका रही।

ताज महोत्सव मे प्रदेश उत्पादको की लगेगी स्टॉल

❖ बाइक,कार रैली, वर्ड वाचिंग, फोटोग्राफी, सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रतियोगिता होंगी आयोजित।
❖ टिकट बुकिंग प्लेटफार्म, माई सिटी एप, एडीए, नगर निगम विभागों के पोर्टल व एप पर अपलोड कराने के दिए निर्देश।

संवाददाता

आगरा। मंडलायुक्त रितु माहेश्वरी की अध्यक्षता ताज महोत्सव 2024 आयोजन की तैयारियों को लेकर मंडलायुक्त लघु सभागार में समीक्षा बैठक संपन्न हुई। बैठक में बताया गया कि आई लव आगरा सेल्फी प्वाइंट से गर्ल्स बाइक रैली 17 फरवरी को प्रस्तावित है, उन्होंने तिथियों में यूपी पुलिस परीक्षा का आयोजन होने के दृष्टिगत 19 फरवरी को तिथि संशोधन करने के निर्देश दिए। मंडलायुक्त ने बैठक में ताज महोत्सव में हॉट बैलून लगाए जाने की प्रगति की समीक्षा की जिसमें बताया गया कि 22 फरवरी से हॉट एयर बैलून स्थापित किया जाएगा। मंडलायुक्त ने कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुए 17 फरवरी को महोत्सव शुभारंभ के दिन से हॉट एयर बैलून शुरू कराए जाने के कड़े निर्देश दिए। उन्होंने होटल ट्री में आगरा बियोंड ताज सेमिनार 15-16 फरवरी पर विचार किया गया तथा सेमिनार की थीम निर्धारण के निर्देश दिए। 18 व 19 फरवरी को सूर सरोवर, कीठम में पक्षी प्रेमियों का सेमिनार, बर्ड वाचिंग, फोटोग्राफी, इको टूरिज्म वर्कशॉप आदि के साथ साथ 24-25 फरवरी को ताज व्यू गार्डन में पुष्प प्रदर्शनी, फ्लॉवर शो, कार रैली, 25-26 फरवरी को काइट फेस्टिवल, यमुना आरती के आयोजन होंगे ।

ताज महोत्सव मे स्टॉल लगेगी मंडलायुक्त ने आगरा के मार्बल, जरी, कारपेट चांदी आभूषण तथा आर्टिफिशियल ज्वैलरी, मथुरा की पोशाक, तुलसी माला फिरोजाबाद की चूड़ी सहित उत्पादों के साथ साथ प्रदेश के जनपदों के ओडीओपी के स्टॉल लगाने की व्यवस्था की जाएगी साथ ही कश्मीरी कारपेट व शाल, जयपुर, गुजरात की मिनी पेंटिंग जैसे उच्च गुणवत्तापूर्ण उत्पादों की स्टॉल लगेगी। मंडलायुक्त ने कार्यक्रमों के स्थान, समय, कलाकार आदि का संपूर्ण विवरण को तैयार कर इन्विटेशन कार्ड, ब्रॉशर आदि की समीक्षा की ।बैठक में जिलाधिकारी भानु चन्द्र गोस्वामी, विकास प्राधिकरण उपाध्यक्ष चर्चित गौड़, नगरायुक्त अंकित खंडेलवाल, संयुक्त निदेशक पर्यटन अविनाश मिश्रा आदि।

प्रदेश के बजट में जनता को है काफी उम्मीदें राम टंडन

संवाददाता

आगरा। वरिष्ठ कांग्रेसी बनाम पूर्व शहर अध्यक्ष रामधन ने कहा है कि उत्तर प्रदेश में योगी सरकार का बजट आने वाला है। आने वाला है जिसको देखते हुए उत्तर प्रदेश की जनता को इस बजट से काफी उम्मीद लगी हुई है जिसमें आगरा विश्व प्रसिद्ध ताजमहल को भी इस बजट से जोड़ा जाए तथा आगरा के उद्योगों को भी जोड़ा जाए वही आगरा के जूता करोबार जो कि विश्व में अपना एक स्थान लगता है उसके लिए भी कुछ राहत दी जाए क्योंकि केंद्रीय बजट में आगरा को शामिल नहीं किया गया था लेकिन इस बार उत्तर प्रदेश आगरा को भी स्थान दिया जाए जिसे आगरा के गरीब तक टैपके को कुछ राहत मिल सके पिछले बजट में केंद्र सरकार ने उद्योगपति को और करने के लिए रास्ते खोल दिए लेकिन गरीब जनता गरीब जनता के लिए जो दरवाजे खुले हुए थे संयुक्त राष्ट्र दरवाजे को भी बंद कर दिया गया केंद्र सरकार को चाहिए था कि गरीबों का दर्द समय बांटे जिसे गरीब जनता भी सरकार को धन्यवाद देती है, आज गरीब जनता भूखमरी के कगार पर है, क्योंकि शहर आगरा में काम धंधे के नाम पर सुनाने के लिए काम-धंधा दिखाया जा रहा है, इसलिए प्रदेश के मुखिया योगी आदित्यनाथ को चाहिए कि इस बजट में जनता के लिए काम-धंधे के दरवाजे खोले जाएं, क्योंकि जनता को इस बजट से काफी उम्मीद है।

डांट से घर छोड़ भागे मासूम भाई-बहन, 24 घंटे बाद मिले

बाराबंकी। मसौली थाना क्षेत्र के बांसा गांव में सौतेली मां की फटकार से भयभीत मासूम भाई-बहन संदिग्ध हालात में रविवार को लापता हो गए। इससे हड़कंप मच गया। मगर 24 घंटे बाद पुलिस ने बच्चों को क्षेत्र से ही खोज निकाला। मसौली के बांसा गांव निवासी चंदन पाल की पहली पत्नी गुड़िया की बीमारी से वर्ष 2017 में मौत हो गई थी। पहली पत्नी से 11 साल का पुत्र कार्तिक व आठ साल की पुत्री श्रद्धा हैं। जबकि दूसरी पत्नी प्रमिला से भी दो बच्चे हैं। चंदन लखनऊ में गाड़ी चलाता है। शनिवार को प्रमिला इलाज के लिए लखनऊ गई थी। रविवार को 11 बजे लौटी और ताला खोला तो कार्तिक व श्रद्धा घर के अंदर बैठे मिले। वे पड़ोसियों के घर से अपने घर में पहुंचे थे। इसे लेकर प्रतिभा ने दोनों को डांटा फटकारा। इसी के बाद कार्तिक व श्रद्धा लापता हो गए।

केशवाही पुलिस ने की अवैध गांजा का परिवहन करने वाले 02 आरोपियों के विरूद्ध की कार्यवाही

संवाददाता

शहडोल। जिले के बुढार थाना अंतर्गत आने वाली केशवाही चौंकी में मुखबिर द्वारा सूचना प्राप्त हुई कि, विजय अहिरवार नाम का व्यक्ति मादक पदार्थ गांजा रखे मोटर सायकिल से मझौली तरफ से हरी तिराहा होकर कोतमा जा रहा है। जिस पर केशवाही पुलिस द्वारा तत्काल हरीं तिराहा पर पहुंचे तो एक बिना नम्बर का टीव्हीएस मोटर सायकिल आते दिखा जिसे रोककर पूछताछ की गई। जिसमें उसने अपना नाम विजय अहिरवार पिता स्व0 रामशरण अहिरवार उम्र 34 वर्ष निवासी कोतमा जिला अनूपपुर का होना बताया। तलाशी लेने पर उसके कब्जे से 02 किलो 800 ग्राम मादक पदार्थ गांजा, एक मोबाइल कुल कीमती करीब 30,000 रूपये मिला जिसे घटना में प्रयुक्त मोटर सायकिल सहित जप्त किया गया। पूछताछ में आरोपी विजय अहिरवार ने बताया कि उक्त गांजा ग्राम मझौली के रामप्रसाद पटेल से बिकी करने हेत खरीदा था, को जप्त कर उक्त दोनों आरोपियों के विरूद्ध NDPS ACT के तहत अपराध पंजीबद्ध किया गया। उक्त कार्यवाही में थाना प्रभारी बुढार निरी0 संजय जायसवाल के नेतृत्व में प्र0आर0 ज्ञानेन्द्र सिंह एवं आर0 अमित तिवारी की महत्वपूर्ण भूमिका रही है।

शहडोल पुलिस ने 04 नाबालिक बालिकाओं को किया दस्तयाब

❖ उडीसा एवं राजस्थान से हुई 01-01 नाबालिकों की दस्तयाबी
❖ जयसिंहनगर पुलिस ने की 02 बालिकाएं दस्तयाब

संवाददाता

शहडोल। पुलिस मुख्यालय भोपाल के निर्देशन पर जिला शहडोल में दिनांक 15.01.24 से 28.02.2024 तक गुम /अपहूत नाबालिक बालक / बालिकाओं की दस्तयाबी हेतु विशेष अभियान मुस्कान चलाया जा रहा है। इस अभियान के दौरान घर से दूर हुए नाबालिक बालक /बालिकाओं को पुलिस विशेष प्रयास कर राज्य के अंदर एवं बाहर से ढूंढकर लाएगी। पुलिस अधीक्षक शहडोल श्री कुमार प्रतीक द्वारा समस्त थाना प्रभारियों को अभियान के दौरान अधिकारथिक बच्चों की दस्तयाबी करने हेतु निर्देशित किया गया है। जिसके तारतम्य में थाना जैतपुर में नाबालिग बालिका के परिजनों के द्वारा थाने में आकर दिनांक 09.01.2024 को सूचना दी गई कि उनका 17 वर्षीय नाबालिग बालिका बिना बताये कहीं चली गयी है। रिपोर्ट पर थाना जैतपुर में प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। जैतपुर पुलिस द्वारा विशेष प्रयास करते हुए उक्त नाबालिक बालिका को दिनांक 04.02.2024 को झारसुगडा उरडीसा से दस्तयाब कर उनके परिजनों को सुपूर्द किया। उक्त कार्यवाही में सउनि0 इन्द्रजीत मरावी, प्र0आर0 नारेन्द्र सिंह, म0आर0पुष्पा तिवारी एवं सायबर सेल टीम की महत्वपूर्ण भूमिका रही।थाना धनपुरी में नाबालिग बालिका के परिजनों के द्वारा थाने में आकर दिनांक 29.11.23 को सूचना दी गई कि उनका 17 वर्षीय नाबालिग बालिका बिना बताये कहीं चली गयी है। रिपोर्ट पर थाना धनपुरी में प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। धनपुरी पुलिस द्वारा विशेष प्रयास करते हुए उक्त नाबालिक बालिका को दिनांक 05.02.2024 को जयपुर राजस्थान से दस्तयाब कर उनके परिजनों को सूपूर्द किया। उक्त कार्यवाही में सउनि0 अंजना अहिरवार, भारत सिंह, आर0 बीरेन्द्र सिंह मौर्य एवं सायबर सेल टीम की महत्वपूर्ण भूमिका रही। थाना जयसिंहनगर में नाबालिग बालिका के परिजनों के द्वारा थाने में आकर दिनांक 29.01.24 को सूचना दी गई कि उनका 16 वर्षीय नाबालिग बालिका बिना बताये कहीं चली गयी है। रिपोर्ट पर थाना जयसिंहनगर में प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। जयसिंहनगर पुलिस द्वारा विशेष प्रयास करते हुए उक्त नाबालिक बालिका को दिनांक 03.02.2024 को दस्तयाब किया गया।इसी प्रकार थाना जयसिंहनगर में नाबालिक बालिका के परिजनों द्वारा थाने में आकर दिनांक 31.01.24 सूचना दी गई की उनकी 15 वर्षीय नाबालिग बालिका बिना बताये कहीं चली गई हैं सूचना पर जयसिंहनगर पुलिस द्वारा विशेष प्रयास करते हुए उक्त नाबालिक बालिका को जयसिंहनगर पुलिस द्वारा दिनांक ?3.02.24 सुरक्षित दस्तयाव किया गया। उक्त दोनों कार्यवाही में थाना प्रभारी जयसिंहनगर निरी0 सत्येन्द्र प्रसाद चतुर्वेदी के नेतृत्व में उनि0 जीवन सिंह टेकाम, सउनि0 संतोष मिश्रा, आर0 उदय, सुजीत, शुभम अखण्डे एवं सायबर सेल टीम की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

अध्यात्म की भूमि राजगीर के ऐतिहासिक स्थल अपने में कई कहानियां समेटे हुए

क्या आप खूबसूरत प्राकृतिक नजारों के साथ ही ऐतिहासिक स्थल भी देखना चाहते हैं? तो फिर चलिए आपको लिए चलते हैं पांच पहाड़ियों से घिरी मगध की राजधानी राजगीर में। ज्ञातव्य है कि इस नगरी का संबंध महाभारत काल की घटनाओं से भी है। सैर सपाटे के साथ ही आप यहां पर हिंदू, बौद्ध तथा जैन धर्मों के तीर्थस्थलों के भी दर्शन कर सकते हैं। राजगीर की विशेषताओं में सिर्फ पेड़ों से भरे पहाड़, घने जंगल, गर्म जल के कुंड और प्रसिद्ध मंदिर ही नहीं हैं बल्कि यहां आप ट्रैकिंग का मजा लेने के साथ ही रोप-वे के सहारे हरी-भरी घाटियों पर से गुजरने का आनंद भी उठा सकते हैं।

देखा जाए तो पूरा राजगीर ही एक दर्शनीय स्थलों से भरा पड़ा है लेकिन यहां आते ही सबसे पहले नजर प्राचीन राजगृह की 40 किलोमीटर लम्बी सुरक्षा दीवार पर ही पड़ती है। आप देखेंगे कि किस प्रकार अनगढ़ पत्थरों को करीने से एक के ऊपर एक रखकर बनाई गई इस दीवार के अवशेष आज भी मौजूद हैं। इस जगह के बारे में कहा जाता है कि भगवाना बुद्ध ने अपने जीवनकाल के कई वर्ष राजगीर में ही बिताए थे। यहां आपको वेणुवन और आम्रवन नामक भगवान बुद्ध के दो स्थल भी मिलेंगे, कहा जाता है कि यह स्थल राजा बिम्बिसार ने उन्हें रहने के लिए दिए थे। यहीं कुछ दूरी पर गृद्धकूट पर्वत स्थित है जिसे भगवान बुद्ध अत्यधिक पसंद किया करते थे और पसंद ही नहीं वह तो वर्षा ऋतु के लगभग तीन महीने इसी पर्वत की कंदरा में गुजारा करते थे।

यहां पर ऐतिहासिक स्थलों की कड़ी में एक और श्रृंखला बिम्बिसार का कारागार के रूप में जुड़ती है। यहीं पर अजातशत्रु ने मगध साम्राज्य को सत्ताच्युत कर कैद किया था। यहां से थोड़ा आगे चलने पर आपका सामना होगा %स्वर्ण भंडार नामक एक रहस्यमय स्थल से। कहते हैं कि इसमें बिम्बिसार का राजकीय खजाना दफन किया गया है। इसकी दीवार पर शंखलिपि में लिखी इबारत में खजाने तक पहुंचने का राज भी लिखा है। यहीं से कुछ दूरी पर स्थित है, जरासंध का अखाड़ा, यहां पर महाभारत काल में भीम और जरासंध के बीच लगभग एक माह तक मल्लयुद्ध हुआ था और भीम के हाथों जरासंध मृत्यु को प्राप्त हुआ था। आगे आपको मिलेगा, विश्व शांति स्तूप, जोकि रत्नगिरी पर्वत की चोटी पर स्थित है। पर्यटकों के लिए यह अत्यधिक आकर्षण का केन्द्र बना रहता है। इस स्तूप तक 2200 फीट लंबे एरियल रोप-वे के द्वारा पहुंचने का आनंद अलग ही महत्व रखता है। और हो भी क्यों न, आखिर हरी-भरी घाटी के बीच में से जमीन से कई सौ फीट ऊपर की यह यात्रा अत्यधिक रोमांचकारी जो होती है। यहां पर ही गर्म जल का एक कुंड भी है जिसमें कि आप अपनी थकान बड़े ही आराम से उतार सकते हैं। इस कुंड में डुबकी लगाते ही आप बिल्कुल तरोताजा महसूस करेंगे। इस कुंड में चर्म रोगों को दूर करने की क्षमता भी है। यहां पर आपको कई कुंड मिलेंगे। इन कुंड़ों के बारे में एक रोचक बात और है, वह यह कि यहां के गर्म जल के कुंडों में एक %ब्रह्मकुंड% भी है जिसमें पानी का तापमान 45 डिग्री सैंटीग्रेड तक रहता है। इस स्थल के बारे में ज्ञानवर्धक बात यह भी है कि यहां भगवान महावीर ने धर्म प्रचार के लिए 14 वर्ष यहां व्यतीत किए थे। शायद इसीलिए यहां पर जैन धम्र के 26 से भी अधिक बड़े मंदिर हैं। वीरायतन नामक मंदिर में स्थित म्यूजियम में भगवान महावीर के जीवन की पूरी झांकी प्रदर्शित की गई है जो कि वास्तव में दर्शनीय होने के साथ ही अतुलनीय भी कही जा सकती है। राजगीर में घूमते हुए एक बात अवश्य ध्यान रखें कि टमटम में बैठना न भूलें। यहां से आप हस्तशिल्प की वस्तुओं की खरीदारी करने के साथ ही सीपी और काष्ठ से बनी सुंदर कलाकृतियां भी खरीद सकते हैं। बिहार की राजधानी पटना से लगभग 107 किलोमीटर दूर स्थित राजगीर में ठहरने के लिए पर्यटकों के पास ढेर से विकल्प हैं। यहां होटल और गेस्ट हाऊस के साथ ही बिहार पर्यटन के बंगले भी हैं। यहां से निकटतम हवाई अड्डा पटना का हवाई अड्डा ही है। रेल से यहां आना चाहें तो आपको बख्तियारपुर तक आना होगा जहां से आपको राजगीर के लिए बस या टैक्सी आराम से मिल जाएंगी। और अब तो छुट्टियों का मौसम है।

जैतून का तेल आपके बालों और त्वचा को स्वस्थ और चमकदार बनाता है

पिंपल्स की समस्या से परेशान हैं तो आपको एक बार ऑलिव ऑयल का नुस्खा ज़रूर आज़माना चाहिए। एक तिहाई कप दही, एक चौथाई कप शहद और दो चम्मच ऑलिव को मिक्स करके चेहरे पर लगाएं और 15-20 मिनट सूखने दें। जैतून का तेल यानी ऑलिव ऑयल न सिर्फ सेहत के लिए फायदेमंद है, बल्कि यह बालों और त्वचा के लिए भी बहुत लाभदायक है। जैतून के तेल में कुछ चीज़ें मिलाकर लगाने पर न सिर्फ त्वचा और बालों की चमक बरकरार रहती है, बल्कि यह त्वचा को हाइड्रेट और बालों को मज़बूत बनाने में भी मददगार है। ब्यूटी एक्सपर्ट्स के मुताबिक, ऑलिव ऑयल के त्वचा और बालों के लिए क्या फायदे हैं? आइए, जानते हैं। क्या आप भी रूखे, बेजान और पतले बालों की समस्या से परेशान हैं, तो साधारण तेल छोड़िए और जैतून के तेल का इस्तेमाल करना शुरू कर दीजिए। सौंदर्य विशेषज्ञों के मुताबिक, जैतून का तेल बालों की कई तरह की समस्याओं से निजात दिलाकर उसे मज़बूत और चमकदार बनाता है। रूखे स्कैल्प की वजह अक्सर लोगों को डैंड्रफ की समस्या हो जाती है और कई तेल/शैंपू बदलने के बाद भी डैंड्रफ यदि जल्दी नहीं जा रहा है, तो आपको ऑलिव ऑयल का इस्तेमाल करना चाहिए। इसके लिए जैतून के तेल में समान मात्रा में नीं का रस और पानी मिलाकर मिश्रण को स्कैल्प में अच्छी तरह से लगाएं। करीब 20 मिनट बाद माइल्ड शैंपू से बाल धो लें। ऐसा 15 दिन में एक बार करें, जल्द फायदा होगा। बालों को चमकदार बनाने के लिए केमिकल युक्त कंडिशनर की बजाय ऑलिव ऑयल का इस्तेमाल करिए। इससे बाल शाइनी और मज़बूत बनते हैं। बाल धोने से पहले जैतून के तेल से बालों की अच्छी तरह मालिश करें। इससे बालों में चमक आएगी और ऑलिव ऑयल में मौजूद विटामिन ए, ई और ढेर एंटीऑक्सीडेंट्स बालों को मजबूत बनाने में मदद करते हैं। यदि आप भी लंबे घने बाल चाहती हैं, तो ऑलिव ऑयल लगाना शुरू कर दीजिए। इससे झड़ते बालों की समस्या से निजात मिलती है और बालों की ग्रोथ अच्छी के लिए एक कप ऑलिव ऑयल में दो चम्मच शहद और एक अंडे का पीला भाग मिलाकर मिश्रण तैयार करें और इसे बालों में लगाकर कुछ देर के लिए सूखने दें, फिर गुनगुने पानी से धो लें।

जैतून का तेल न सिर्फ बालों, बल्कि त्वचा के लिए भी फायदेमंद होता है। ब्यूटी एक्सपर्ट्स के अनुसार, ऑलिव ऑयल त्वचा को कई तरह से फायदा पहुंचाता है।

पिंपल्स की समस्या से परेशान हैं तो आपको एक बार ऑलिव ऑयल का नुस्खा ज़रूर आज़माना चाहिए। एक तिहाई कप दही, एक चौथाई कप शहद और दो चम्मच ऑलिव को मिक्स करके चेहरे पर लगाएं और 15-20 मिनट सूखने दें। फिर गुनगुने पानी से धो लें। इस पैक को हफ्ते में एक बार लगाएं। ऑलिव ऑयल में एंटीऑक्सीडेंट, एंटीइंफ्लेमेटरी गुण और विटामिन-ई होता है जो त्वचा को मॉइश्चराइज़ करने का काम करता है। नहाने के बाद जब त्वचा थोड़ी भीगी हुई हो, तभी ऑलिव ऑयल से मालिश करें, इससे त्वचा की नमी बनी रहेगी। यदि धूप में आपकी त्वचा टैन हो गई है तो ऑलिव ऑयल में दही और कुछ बूंद गुलाब जल की डालकर पैक तैयार करें। इस पैक को चेहरे और गर्दन पर लगाएं। सूख जाने पर पानी से धो लें। इतना ही नहीं ऑलिव ऑयल से चेहरे की मालिश करने से रंगत भी निखरती है।

बोल्ड कपड़े छोड़ पंजाबी कुड़ी बन गई शहनाज गिल

नई दिल्ली। शहनाज गिल पंजाब की कटरीना कैफ के नाम से मशहूर हैं। लेकिन पंजाब की इस कुड़ी पर अब पूरी तरह से बॉलीवुड का रंग चढ़ चुका है। बिग बॉस के घर ने मशहूर होने के बाद से शहनाज गिल पूरी तरह से बदल चुकी हैं। अपने स्लिम ट्रिम लुक के साथ ही शहनाज गिल अक्सर ग्लैमरस कपड़ों में भी नजर आ जाती हैं। अपने नए गाने के प्रमोशन के लिए पिछले दिनों ही उनका काफी स्टाइलिश लुक देखने को मिला था। जिसमे वो ऑफ शोल्डर ड्रेस पहने रेडी थीं। बता दें कि शहनाज गिल बिग बॉस के घर अपने नए गाने के प्रमोशन के लिए पहुंची थीं। जहां पर उन्होंने नीले रंग की ऑफ शोल्डर ड्रेस को चुना था। मिड लेंथ डिजाइन की इस ड्रेस पर फीदर की डिटेलिंग की गई थी। जो कि इसे खास बना रही थी। शहनाज के इस बोल्ड एंड ब्यूटीफुल लुक को उनके फैंस ने काफी पसंद किया। लेकिन शहनाज गिल इस बार पंजाबी कुड़ी बन लोगों का दिल चुरा रही हैं।

शूटिंग के लिए तैयार हुई शहनाज गिल ने कुर्ती और शरारा सेट को पहना था। जिसमे वो काफी खूबसूरत दिख रही थीं।

रोज गोल्ड कलर की छोटी सी कुर्ती के साथ शहनाज ने शरारा को मैच किया था। वहीं दोनों कंधे पर झीना सा दुपट्टा डाले इस लुक को पूरा किया था। शरारा सेट को शहनाज ने जेमस्टोन वाली गोल्ड ईयररिंग्स और बैंगल्स के साथ स्टाइल किया था। वहीं मॉव लिपस्टिक और शिमरी आईशैडो उनके लुक को खूबसूरत बना रहे थे। शहनाज गिल का ये लुक पूरी तरह से वेडिंग सीजन के लिए परफेक्ट है। अगर आप सहेली की शादी में शरीक हो रही हैं तो स्ट्रैपी डिजाइन के कुर्ते संग शरारा सेट को चुनें। साथ ही मेकअप और हेयर स्टाइल के साथ आप चाहें तो चोकर नेकपीस को पेयर करें। लुक खूबसूरत नजर आएगा।

हर फंक्शन के लिए ट्राई कर सकती हैं ये शरारा सूट

आप इस वेडिंग सीजन शरारा सूट ट्राई कर सकती हैं। शरारा सूट के हैवी डिजाइन भी मार्केट में हैं जो आपको एलिगेंट लुक भी देंगे और हर कोई आपको कॉम्प्लिमेंट करेगा। इसमें हैवी ज़री इम्ब्रायडरी, मिरर वर्क, थ्रेड इम्ब्रायडरी और लेस

से सजे हुए खूबसूरत डिजाइंस मिल जायेंगे आप अपनी मनपसंद का डिजाइन सेलेक्ट कर सकती हैं।शरारा सूट ट्रेडिशनल होने के साथ ही ग्लैमरस लुक भी देता है। महिलाएं शरारा के नए-नए डिजाइंस ट्राई करती है क्योंकि इसे कैरी करना बहुत

आसान है आप चाहें तो इसे किसी भी फंक्शन में पूरे दिन में पहन सकती हैं यह आपको अनकम्फर्टेबल फील नहीं होने देगा। शरारा सूट पहनने के बाद बेहद खूबसूरत भी लगता है। आप सर्दियों में किसी फंक्शन के लिए हैवी शरारा डिजाइन भी ट्राई कर सकती हैं। अगर आप गर्मियों में शरारा पहनना चाहती हैं तो सिंपल कुर्ती के साथ शरारा के ट्रेंडी डिजाइन ट्राई कर सकती हैं। आजकल मार्केट में कई तरह की वैराइटी के शरारा सूट उपलब्ध हैं। आप शरारा के स्टाइलिश डिजाइन को कई तरह से कैरी कर सकती हैं।

वन लेयर शरारा

वन लेयर शरारा सिम्पल होता है। अगर आप प्लेन शरारा ट्राई कर रही हैं तो इसके साथ आप प्रिंटेड कुर्ती ट्राई कर सकती हैं। वन लेयर शरारा सिम्पल ही खूबसूरत लगता है लेकिन आप चाहें तो इसे लेस या धागे की एम्ब्रायडरी से सजा सकती हैं यह देखने में खूबसूरत लगेगा।

चिकनकारी शरारा

चिकनकारी का शरारा गर्मियों में बहुत कूल लगता है इसके साथ सिम्पल कुर्ती अच्छी लगती है। चिकनकारी का शरारा देखने में काफी ट्रेंडी और स्टाइलिश लगता है। इसको आप किसी दिन के फंक्शन के लिए भी ट्राई कर सकती हैं। इसमें आपको बहुत सी वैरायटी मिल जाएगी। आप इसको किसी लेस वाली कुर्ती के साथ भी ट्राई कर सकती हैं।

नेट शरारा डिजाइन

आप किसी खास फंक्शन के लिए शरारा ट्राई करना चाहती है लेकिन आपको ज्यादा चमक दमक या एकदम सिम्पल डिजाइन का शरारा नहीं चाहिए तो आप ब्लैक नेट का शरारा ट्राई कर सकती हैं। इसे आप कंट्रास्ट कलर की कुर्ती के साथ कैरी कर सकती हैं। ब्लैक कलर आपको स्टाइलिश लुक देगा और ज्यादा भड़कीला भी नहीं दिखेगा। इसके साथ हैवी ट्रेंडी दुपट्टा कूल लगेगा।

थ्री लेयर शरारा

यह देखने में सिम्पल भी होता है और ट्रेंडी भी लगता है। थ्री लेयर शरारा सिम्पल फेब्रिक में ही अच्छा लगता है।

छोटी सी स्कर्ट संग ब्लेजर पहन हिना खान ने दिखाई अदाएं

नई दिल्ली। हिना खान अपने फैशन सेंस से अक्सर तारीफ बटोरती हैं। सोशल मीडिया पर अक्सर अपने लुक की तस्वीरें वो साझा करती हैं। जिसे देख फैंस इंप्रेस हो जाते हैं। वेस्टर्न वियर से लेकर देसी लुक में हिना खान बेहद खूबसूरत दिखती हैं। अगर सर्दियों के मौसम में स्टाइलिश दिखना है तो हिना खान के लेटेस्ट लुक को देख जरूर टिप्स मिल जाएगी। छोटी सी शर्ट ड्रेस में रेडी हिना खान बेहद स्टाइलिश दिख रही हैं। हिना खान ने सोशल मीडिया पर लेटेस्ट लुक की तस्वीरें साझा की हैं। जिसमे वो शर्ट और मिनी स्कर्ट को पहनकर रेडी हैं। मरून और ब्लैक एस्मेट्रिक प्रिंट की छोटी सी स्कर्ट को हिना ने चुना है। जिसकी परफेक्ट फिटिंग काफी खास है। वही इस को-आर्ड सेट शर्ट डिजाइन इसे हटके लुक दे रही है। हिना ने इस फुल स्लीव ड्रेस को ब्राउन ब्लेजर के साथ मैच किया है। न्यू ईयर या क्रिसमस पार्टी पर अगर आप क्लासी लुक की तलाश में हैं तो हिना खान का ये लुक बिल्कुल परफेक्ट है। जिसे हिना ने खुले बालों के साथ ही डार्क ब्राउन मैट लिपस्टिक और विंग्ड आईलाइनर के साथ पूरा किया है। स्टड ईयररिंग्स और रिंग लुक को परफेक्ट तरीके से मैच कर रही है। वहीं न्यूड प्वाइंटेड पम्प्स स्टाइलिश दिख रहे हैं। हिना खान सोशल मीडिया पर अपने ग्लैमरस लुक्स की वजह से अक्सर सुर्खियों में बनी रहती हैं। पिछले दिनों सैर पर निकलीं हिना खान का विंटर फैशन परफेक्ट दिख रहा था। ब्लैक कलर के स्वेटर संग ब्लैक टाइट्स को हिना ने ब्लैक बूट्स के साथ पेयर किया है।

वहीं गले में व्हाइट स्कार्फ और यलो सनग्लासेज स्टाइलिश दिख रहे हैं। हिना खान ने अपने करियर की शुरूआत टीवी सीरियल ये रिश्ता क्या कहलाता है से की थी। सीरियल के साथ ही हिना खान बिग बॉस और वेब सीरीज में भी नजर आ चुकी हैं। वहीं जल्द ही हिना खान की नई वेब सीरीज आने वाली है।

स्वामी, प्रकाषक, मुद्रक विवेक श्रीवास्तव द्वारा ओम साई क्रियेषन्स, आषा काम्पलक्े स, इन्दिरा नगर लखनऊ से मुद्रित एव ं पहला तल, निधि काम्पलेक्स, विकास नगर लखनऊ (उ0प्र0) से प्रकाषित।
RNI No.UPHIN/2015/6090 सम्पादक- विवेक श्रीवास्तव, फोन नं0- 8004949556, 7570901365 Email. info@theachievertimes.com किसी भी वाद विवाद का निस्तारण लखनऊ न्यायालय ही मान्य होगा।

समाचार-पत्र का मुख्य उद्देय ग्रामीण भारत का सत प्रतिशत मीडिया कवरेज कर समाज में फैला भ्रष्टचार सामाजिक बुराइयों एवं कुरीतियों को अपने स्तर पड़ताल करके सम्बन्धित उच्चअधिकारियों को ध्यानकर्षण कर उन्हें समाप्त कराना है।